* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

02 अगस्त, 2024
श्रावण, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
शुक्रवार, वर्ष 09, अंक 283

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

सुप्रीम कोट ने एससी रिजर्वेशन के कोटे में कोटा मंजूर किया

भाजपा के 18 विधायक निलंबित

आजाद सिपाही संवाददाता

■ सुदिव्य सोनू के प्रस्ताव पर स्पीकर ने आज दो बजे तक के लिए किया सस्पेंड

■ विधानसभा के बरामदे में रात काटने के बाद भी अपनी मांगों पर अड़े रहे विपक्षी विधायक

रांची। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के पांचवें दिन गुरुवार को अभूतपूर्व स्थिति पैदा हुई। झामुमो विधायक सुदिव्य कुमार सोनू के प्रस्ताव पर स्पीकर रवींद्रनाथ महतो ने भाजपा के 18 विधायकों को शुक्रवार को दिन के दो बजे तक के लिए सदन से निलंबित कर दिया। झारखंड विधानसभा के इतिहास में यह पहला मौका है, जब एक साथ विपक्ष के इतने विधायक निलंबित किये गये। नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने स्पीकर के इस फैसले को अलोकतांत्रिक और लोकतंत्र की हत्या बताया है।

दिन में 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष के विधायक हंगामा करते हुए वेल में आ गये और नारेबाजी करने लगे। कुछ विधायक रिपोर्टिंग टेबुल पर भी चढ़ गये। उस समय आसन पर स्पीकर रवींद्रनाथ महतो थे। उन्होंने इस पर गहरी नाराजगी जतायी और 18 विधायकों को सस्पेंड कर दिया। विधायक सुदिव्य कुमार सोनू ने इससे संबंधित प्रस्ताव पेश किया। स्पीकर ने नियमावली 299 और 310 का जिक्र करते हुए कहा कि वह इसके लिए निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र हैं और यह उनका विशेषाधिकार है। फिर उन्होंने 18 विधायकों को दोपहर बाद दो बजे तक के लिए निलंबित करने का फैसला सुनाया।

इन विधायकों को किया गया सस्पेंड : अनंत कुमार ओझा, रणधीर कुमार सिंह, नारायण दास, अमित कुमार मंडल, डॉ नीरा यादव, किशुन कुमार दास, केदार हाजरा, बिरंची नारायण, अपर्णा सेनगुप्ता, डॉ राज सिन्हा, कोचे मुंडा, भानु प्रताप शाही, समरी लाल, सीपी सिंह, नवीन जायसवाल, डॉ कुशवाहा शशि भूषण मेहता, आलोक कुमार चौरसिया, पुष्पा देवी।

बरामदे में काटी रात, विधानसभा परिसर में ही हुए तैयार : विपक्ष के विधायकों ने नौकरी, बेरोजगारी भत्ता पर सरकार के जवाब को लेकर विधानसभा परिसर में ही रात काटी। इस दौरान विधानसभा में बिजली नहीं थी। रात में मच्छरों के हमले से भी विधायकों को दो-दो हाथ करना पड़ा। उधर रात 10 बजे सदन के भीतर से मार्शलों ने खींच कर विधायकों को बाहर कर दिया। उसके बाद एनडीए विधायक विधानसभा के बरामदे में बैठ गये। उन्होंने बिना बिजली-पंखे के पूरी रात काटी। कुछ विधायक तो पूरी रात कुर्सी पर बैठे रहे। बीच-बीच में विधायक नारेबाजी भी करते रहे। वह हेमंत सोरेन चुनाव के समय किये गये वायदों को पूरा करने की मांग कर रहे थे। कुछ विधायक वीडियो भी बना रहे थे। वह नारा लगा रहे थे कि स्थानीय नीति का क्या हुआ? नियोजन नीति का क्या हुआ। अनुबंध पर रखे गये कर्मचारियों को स्थायी करने का वादा क्यों पूरा नहीं हुआ। सुबह होने पर कुछ विधायक लॉन में टहले। वे सभी विधानसभा परिसर में ही तैयार हुए और सदन की कार्यवाही शुरू होने का इंतजार करते रहे।

गुरुवार सुबह लॉबी में अखबार पढ़ते विपक्ष के विधायक।

दिनदहाड़े लोकतंत्र की हत्या करवा रहे हैं स्पीकर : अमर बाउरी

18 विधायकों के निलंबन के बाद नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि स्पीकर ने दिनदहाड़े लोकतंत्र की हत्या की है। बिना किसी दोष के स्पीकर ने जो रवैया अपनाया है, उससे पता चलता है कि सरकार निरंकुश हो चुकी है। सुदिव्य कुमार सोनू के कहने पर विधायकों को इस तरह से निलंबित कर दिया गया। पूरे भारत के इतिहास में पहली बार 18 विधायकों को निलंबित किया गया है। जिन चुनावी वादों पर सरकार सत्ता में आयी थी, आज उसका कोई हिसाब-किताब नहीं है। स्पीकर ने विधायकों का अधिकार छीना है। कांग्रेस ने पहले इमरजेंसी लगायी थी, आज कांग्रेस-जेएमएम ने मिल कर अघोषित इमरजेंसी लागू की है। मीडियाकर्मियों के जाने पर भी रोक लगा दी। महिला पत्रकारों के साथ भी नरमी नहीं बरती। अमर बाउरी ने कहा कि स्पीकर जिस आचरण की बात कर रहे हैं, उनके पहले का वीडियो देख लीजिए। किस तरह से वह व्यवहार करते थे। हमने ऐसा कुछ भी व्यवहार नहीं किया है, फिर भी निलंबित कर दिया गया है। सरकार के इस रवैये को जनता देख रही है। विधानसभा चुनाव में जनता उन्हें उखाड़ कर फेंकेगी। स्पीकर हाथ उठा कर चैलेंज कर रहे हैं। उन्हें देख कर ऐसा लगता ही नहीं कि वह विधानसभा के स्पीकर हैं। किसी भी स्पीकर ने आज तक ऐसा व्यवहार नहीं किया है।

भाजपा निलंबन से डरनेवाली नहीं: बाबूलाल

रांची (आजाद सिपाही)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने भाजपा विधायकों के निलंबन पर कहा कि हेमंत सोरेन की कुर्सी हिल रही है, इसलिए वह परेशान हैं। राज्य के ज्वलंत मुद्दों पर जवाब देने से भाग रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के विधायक सदन में मुख्यमंत्री से वही पूछ रहे, जो उन्होंने सदन के बाहर और भीतर वादे किये थे। हेमंत सोरेन ने पांच लाख प्रतिवर्ष नौकरी, नहीं तो बेरोजगारी भत्ता, साल में प्रत्येक परिवार को 72 हजार रुपये, प्राइवेट कंपनी में भी युवाओं को रोजगार में 75 प्रतिशत आरक्षण दिलाने की बात कही थी। इनमें से एक भी वादा पूरा नहीं हुआ। न नियोजन नीति बनायी, न स्थानीय नीति। उल्टे नगर निगम में विगत दिनों हुई 28 नियुक्तियों में मात्र 11 लोग झारखंड के हैं। उन्होंने बाहर के 17 लोगों को नौकरी दे दी और आदिवासी-मूलवासी की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा विधायक तो इन्हीं मुद्दों पर बहस चाहते हैं। जवाब चाहते हैं। इसमें कौन सा अपराध है, जिसके कारण विधायकों को निलंबित किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा ऐसी कार्रवाई से डरनेवाली नहीं है। आज भले सत्ता पक्ष संख्या बल में ज्यादा है, लेकिन जन समर्थन भाजपा और एनडीए के पास है।

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of :Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN

COLLAGE OF NURSING
2 YEARS M.Sc. Nursing
2 YEARS Post Basic B. Sc. Nursing
4 YEARS B.Sc. Nursing
3 YEARS GNM (General Nursing And Midwifery)
2 YEARS ANM (Auxiliary Nursing And Midwifery)

COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
4 YEARS BMLT
2 YEARS DMLT
2 YEARS OT ASSISTANT
2 YEARS ECG
2 YEARS OPHTHALMIC ASST.
2 YEARS CRITICAL CARE (ICU)
2 YEARS RADIO-IMAGING
2 YEARS ANESTHESIA TECH.
1 YEARS DRESSERS

COLLAGE OF PHARMACY
2 YEARS D-PHARM
4 YEARS B-PHRRM

Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

बर्दाश्त करने की एक सीमा होती है: स्पीकर

सदाचार समिति एक सप्ताह के भीतर जांच कर रिपोर्ट देगी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। स्पीकर रवींद्रनाथ महतो ने कहा है कि बर्दाश्त करने की भी एक सीमा होती है। अगर आक्रामकता की सीमा इस तरह लांघी जाती है, तो कभी न कभी आसन को कसूरवार ठहराया जायेगा ही। स्पीकर ने कहा कि निलंबित विधायकों के आचरण की विस्तृत जांच के लिए यह विषय विधानसभा की सदाचार समिति को सौंपा जाता है। सभापति सदाचार समिति विस्तृत जांच करते हुए एक सप्ताह में रिपोर्ट देगी। गुरुवार को सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद अपने चेंबर में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि 31 जुलाई को सदन के नेता हेमंत सोरेन ने खुद कहा था कि वह विपक्ष के सवालों का जवाब देंगे। फिर भी विपक्ष के विधायक वेल में डटे रहे। सदन स्थगित होने के बाद भी वेल में धरना पर बैठ गये। यह सामान्य नियम के प्रतिकूल है। कार्यवाही स्थगित होने के बाद सभा भवन को बंद करना था। मार्शल (महिलाएं भी) सदस्यों को बाहर आने का आग्रह करने गये, तो उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया। घंटों बीतने के बाद मार्शलों द्वारा उन्हें सम्मान के साथ सदन से बाहर किया गया। इसके बावजूद विपक्ष के विधायक लॉबी में डटे रहे।

सोशल मीडिया पर वीडियो किया वायरल: स्पीकर ने कहा कि इस दौरान सोशल मीडिया पर विधायक भानु प्रताप और बिरंची ने वीडियो वायरल किया, जबकि ऐसा करना सदन में वर्जित है। रणधीर सिंह और अमर बाउरी के अलावा बाबूलाल मरांडी ने वीडियो को सार्वजनिक किया गया। इससे गोपनीयता उल्लंघन का मामला बनता है।

स्पीकर ने कहा कि आसन के खिलाफ भी अपशब्द का इस्तेमाल हुआ है। इसलिए कार्रवाई तो जरूर होगी।

KIIT-DU AWARDED
PRESTIGIOUS UN ECOSOC
SPECIAL CONSULTATIVE STATUS

KiiT
www.kiit.ac.in

KIIT Deemed to be University has been granted the distinguished **Special Consultative Status by the United Nations Economic and Social Council (UN ECOSOC), recognizing the University's substantial contributions to the Sustainable Development Goals (SDGs).**

The status was conferred during the UN ECOSOC management segment meeting held on July 23, 2024, at the United Nations Headquarters in New York.

This recognition underscores KIIT's unwavering commitment to the United Nations' Agenda 2030 and the SDGs. Attaining Special Consultative Status marks a significant milestone, positioning KIIT among a select group of universities globally that have earned this esteemed distinction.

Partnership with UN VOLUNTEERS

KIIT has entered into **partnership with UN Volunteers (UNV), opening a remarkable opportunity for its students to engage with various UN agencies to serve as 'National University UN Volunteers'.**

This initiative is a **first of its kind by any private university in South Asia.** KIIT is the **only university in South Asia to get UNV status for engaging students for internship.**

KIIT is the only Professional/Technical university in India to achieve UN ECOSOC Special Consultative Status.

In India, both KIIT and Kalinga Institute of Social Sciences (KISS) in Odisha are proud to get this prestigious award.

KISS has already been awarded with UN ECOSOC Special Consultative Status in 2015 and has been continuing with this status till date.

23 Olympians in 20 Years

KIIT has produced **23 Olympians** and **2 Paralympian** in 20 years representing India at 2016 Rio Olympics, 2020 Tokyo Olympics, & 2024 Paris Olympics.

KIIT holds the **unique distinction of sending the highest number (15) of athletes to the Paris Olympics 2024** among any universities in India.

Collaboration with American Council of Young Political Leaders (ACYPL)

The American Council of Young Political Leaders (ACYPL), a global leader in fostering international understanding and diplomacy, has announced its historic collaboration with the Kalinga Institute of Social Sciences (KISS) and KIIT.

With the steadfast support of the U.S. Department of State and a score of other partners, over 8,900 leaders in the U.S. and in 129 countries and territories around the world have travelled on its life-changing exchange programs.

Collaboration with ACYPL provides a very prestigious opportunity for KIIT students to engage with political diplomats, who will visit KIIT & KISS from across world, and enter into internship programme.

Rankings: Times Higher Education

KIIT-DU has consistently secured impressive positions in various national and global university rankings. Its position in the recent rankings published by the prestigious Times Higher Education reflects its global excellence.

Young University Rankings 2024
World Rank: 168 India Rank: 10

Impacts Rankings 2024
SDG#10-Reduced Inequalities
World Rank: 6 India Rank: 1

KIIT is only 27 years old as an institute (1997 – 2024) and 21 years old as a university.

KIIT (Deemed to be University) has only one permanent campus in Bhubaneswar, Odisha.
It has no other campus / off campus anywhere else in the country and globe.

पाकुड़ पहुंचे असम के सीएम सह प्रदेश चुनाव सह प्रभारी, आदिवासी छात्रों से मिले

आदिवासियों की जमीन पर कब्जा और अत्याचार कर रहे घुसपैठिये: हिमंता बिस्वा

कार्तिक कुमार

पाकुड़। असम के मुख्यमंत्री सह प्रदेश चुनाव सह-प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा है कि पाकुड़ में आदिवासियों की जमीन पर कब्जा कर घुसपैठिये उन पर अत्याचार कर रहे हैं। आदिवासी छात्रों पर नक्सली जैसी धारा लगा कर उनके साथ मारपीट की जा रही है। ऐसा लोकतांत्रिक समाज में सोचा भी नहीं जा सकता। वह गुरुवार को यहां माडिया से बात कर रहे थे। इससे पहले वह पाकुड़ के गायबथान गांव पहुंचे और वहां के आदिवासी परिवार से मिले। इसके बाद वह केकेएम कॉलेज के कल्याण छात्रावास के छात्रों से भी मिले। उन्होंने कहा कि पाकुड़ पहुंचने पर उन्हें बताया गया कि उनका गोपीनाथपुर जाना सुरक्षा के दृष्टिकोण से ठीक नहीं होगा। इसलिए उन्हें वहां जाने की अनुमति नहीं दी गयी।

हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि गायबथान के लोगों ने बताया कि घुसपैठिये आदिवासी परिवारों पर अत्याचार कर रहे हैं। ये सब मामले यहां के सीएम को देखना चाहिए। वह खुद आदिवासी हैं और आदिवासियों के लिए एसपीटी एक्ट बना हुआ है। फिर भी उनकी जमीन पर दूसरे लोग कब्जा कर रहे हैं। आदिवासियों के पास अदालत का आदेश है। इसके बावजूद प्रशासन आदिवासियों को उनकी जमीन पर उन्हें हक नहीं दिला पा रहा है। आदिवासी छात्रों के साथ पुलिस मारपीट करती है और उन पर नक्सली जैसी धाराओं में केस करती है।

भाजपा नेता ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सवाल किया कि क्या यहां के आदिवासी परिवार अपनी जमीन पर सुरक्षित तरीके से रह नहीं सकते। क्या यहां के आदिवासी युवाओं को शिक्षा हासिल करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि मैंने गोपीनाथपुर और तारानगर के लोगों से भी मुलाकात की। उनकी बातों को सुना। आज भी इन दोनों गांव के लोग डरे-सहमे हैं। तारानगर के करीब 50 परिवार आज भी बाहर रह रहे हैं। पाकुड़ में एक षडयंत्र रचा जा रहा है। यहां की डेमोग्राफी को बदला जा रहा है। पूरी रणनीति के तहत घुसपैठी यहां की अस्मिता को समाप्त करने की दिशा में लगे हुए हैं। मैं यहां की पूरी घटना और पूरी बातों से राज्यपाल को अवगत कराऊंगा। देश के गृह मंत्री अमित शाह को भी यहां के पूरे हालात से अवगत कराऊंगा। उन्होंने कहा कि यहां के लोगों को जागरूक होने और घुसपैठियों के खिलाफ आवाज उठाने की जरूरत है। इस मुद्दे पर यहां की सरकार को भी ध्यान देना चाहिए।

मौके पर राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश , लुइस मरांडी, जिला अध्यक्ष अमृत पांडे, दुर्गा मरांडी, बाबूधन मुर्मू, अजीत रविदास, वेणी गुप्ता, विवेकानंद तिवारी, अनुग्रहित प्रसाद शाह, हिसाबी राय, मिठू भगत आदि मौजूद थे।

गायबथान के दो घायलों को एक-एक लाख देने की घोषणा

इससे पहले हिमंता बिस्वा सरमा गायबथान गांव में जमीनी विवाद में मारपीट में घायल पीड़ित परिवारों से मिले। उन्होंने घायल टिंडू हेंब्रम और रानी मुर्मू को हरसंभव मदद करने, जमीन पर पूर्णत: हक दिलाने के साथ-साथ न्याय दिलाने का भरोसा दिया। साथ ही उन्हें भाजपा की ओर से एक-एक लाख के आर्थिक सहयोग की घोषणा की।

सर्राफा

सोना (बिक्री)	65,800 रु./10 ग्राम
चांदी	88,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 02 अगस्त, 2024
www.azadsipahi.in

चुनावी मुकाबले का संकेत है झारखंड विस में सियासी युद्ध

■ पांच साल में पहली बार सत्ता पक्ष और विपक्ष एकदम आमने-सामने

■ दोनों ही पक्ष अपने-अपने स्टैंड पर अड़ गये, तो बन गये कुछ नये कीर्तिमान

■ अच्छी बात यह हुई कि किसी भी पक्ष ने संवैधानिक मर्यादाओं को नहीं लांघा

झारखंड की पांचवीं विधानसभा के अंतिम सत्र के आखिरी दो दिनों में सदन के भीतर और बाहर जो कुछ हुआ और हो रहा है, उससे एक बात साफ हो गयी है कि अब झारखंड का सत्ता पक्ष और विपक्ष चुनावी मुकाबले में उतरने के लिए पूरी तरह तैयार है। 31 जुलाई को जिस तरह विपक्ष ने राज्य के ज्वलंत मुद्दों और सत्ता पक्ष के चुनाव पूर्व किये गये वादों पर मुख्यमंत्री के बयान की मांग को लेकर सदन के भीतर धरना दिया और बाद में मार्शलों द्वारा बाहर निकाले जाने के बाद गलियारे में रात बितायी, वह अभूतपूर्व था। यहां तक कि 1 अगस्त को अपने 18 विधायकों के निलंबन के बावजूद अपनी मांगों पर अड़े रह कर विपक्ष ने साफ कर दिया कि इस बार वह चुनावी मुकाबले में सत्ता पक्ष से दो-दो हाथ करने को पूरी तरह तैयार है। दूसरी तरफ सत्ता पक्ष की तरफ से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सदन में अपना स्टैंड साफ करने के बाद जिस तरह धरना दे रहे विपक्षी विधायकों से भेंट कर उन्हें मनाने की कोशिश की, उससे भी साफ हो गया कि सत्ता पक्ष भी चुनावी मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार है। पिछले पांच साल में यह पहला मौका है, जब सत्ता पक्ष और विपक्ष में इस तरह आमने-सामने की भिड़ंत हुई है। इस पूरे घटनाक्रम की सबसे अच्छी बात यह रही कि आंदोलनरत विधायकों ने मर्यादाओं का पालन किया और लोकतांत्रिक तरीके से ही अपनी-अपनी बात रखी। झारखंड के इतिहास में यह घटनाक्रम पहली बार हुआ है, लेकिन राजनीतिक नजरिये से इसका दूरगामी परिणाम निकलेगा। क्या है विधानसभा में हुए घटनाक्रम का सियासी संदेश, बता रहे हैं **आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

आजाद सिपाही विशेष

राकेश सिंह

झारखंड की पांचवीं विधानसभा के अंतिम सत्र के दौरान पिछले दो दिन में जो कुछ हुआ और हो रहा है, वह लोकतांत्रिक और संवैधानिक दृष्टिकोण से कई मायनों में रेखांकित करनेवाला है। सत्र के दौरान हुए घटनाक्रम से एक बात साफ हो गयी है कि झारखंड का सत्ता पक्ष और विपक्ष विधानसभा चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है। विधानसभा का सत्र समाप्त होने के बाद दोनों ही पक्ष अब चुनावी मैदान में दो-दो हाथ करने के लिए तैयार हैं। एनडीए विधायकों ने विधानसभा में लगभग 18 घंटे अनवरत धरना देकर और इस दरम्यान अपने मुद्दों को उछाल कर यह संदेश दे दिया है कि विधानसभा चुनाव में वह कितना आक्रामक तरीके से सत्ता पक्ष पर वार करनेवाला है। विधानसभा में हुए इस घटनाक्रम ने कई सियासी संदेश दिये हैं और साथ ही आसन्न विधानसभा चुनाव के दौरान होनेवाले मुकाबले की एक तस्वीर भी पेश की है। इसलिए यह जानना दिलचस्प है कि इस घटनाक्रम के संदेश क्या हैं।

पहला संदेश: पहली बार दोनों पक्ष आमने-सामने

विधानसभा के घटनाक्रम का पहला संदेश तो यही निकलता है कि पांच साल में पहली बार सत्ता पक्ष और विपक्ष का इस तरह आमना-सामना हुआ। पांच साल में यह पहला मौका है, जब सत्ता पक्ष को विपक्ष की मजबूती का पता चला। यह सच है कि सदन के भीतर से इतने बड़े पैमाने पर विपक्षी विधायकों को देर रात मार्शल आउट करने की घटना झारखंड के इतिहास में पहली बार हुई, लेकिन इससे पता चलता है कि विपक्ष इस बार आर-पार की लड़ाई के लिए तैयार है। केवल विपक्ष ही नहीं, सत्ता पक्ष भी जिस तरह अपने स्टैंड पर अड़ा रहा, उससे पता चल गया है कि दोनों ही पक्षों का रुख इस बार के चुनाव में आक्रामक ही रहेगा।

दूसरा संदेश: मर्यादाओं का ध्यान दोनों पक्षों को है

इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि झारखंड की सबसे बड़ी पंचायत के सदस्यों को उन मर्यादाओं का पूरा ध्यान है, जिनका पालन कर संसदीय लोकतंत्र को सशक्त बनाने की बात कही गयी है। यह बहुत बड़ी बात है कि इतने तनावपूर्ण माहौल में भी सदन के भीतर और बाहर किसी भी पक्ष ने मर्यादाओं की सीमा को लांघने की कोशिश नहीं की। 31 जुलाई को जब

विपक्षी सदस्य कार्यवाही स्थगित होने के बाद भी सदन के वेल में पूरी तरह सामने आयीं, बावजूद इसके उन्होंने अपना आपा नहीं खोया।

तीसरा संदेश: चुनाव में आक्रामक रहेंगे दोनों पक्ष

विधानसभा के घटनाक्रम ने एक और बात साफ कर दी है कि इस बार के चुनावी मुकाबले में कोई भी पक्ष इतनी आसानी से पीछे हटनेवाला नहीं है। 2019 के विधानसभा चुनाव में जिस तरह तत्कालीन सत्ता पक्ष, यानी भाजपा ने अति आत्मविश्वास में आकर अपनी चुनावी रणनीति तैयार की, उसका खामियाजा उसे भुगतना पड़ा। पुराने सहयोगी से नाता तोड़ना और प्रत्याशी चयन में मनमानी की कीमत भाजपा को चुकानी पड़ी थी। इसका नतीजा यह हुआ कि भाजपा को पहली बार विपक्ष में बैठना पड़ा। लेकिन अब वह अपनी पुरानी गलती को भूल कर नये उत्साह के साथ चुनावी मुकाबले में उतरने के लिए तैयार है। वह एनडीए में शामिल घटक दल को भी सम्मान दे रही है। एक तरफ जहां विपक्ष सत्ता पक्ष, खास कर झामुमो-कांग्रेस और राजद को उनके ही वायदों और घोषणाओं को पूरा करने की मांग से उन्हें घेरने की पुरजोर कोशिश कर रहा है, वहीं सत्ता पक्ष यह बताना चाह रहा है कि वह किसी भी आंदोलन से घबड़ानेवाला नहीं है और दबाव में आकर वह वह कोई काम नहीं करनेवाला। वह व्यवहार को आक्रामक तरीके से जनता के सामने रखने के लिए तैयार है। अब यह जनता को तय करना है कि वह किसकी बातों पर अधिक ध्यान देती है।

चौथा संदेश: सत्ता पक्ष के हथियार को भोथरा करने की कोशिश

विधानसभा में विपक्ष ने जो मुद्दे उठाये हैं और जिनके लिए उसके विधायकों ने फर्श पर अंधेरे में रात बितायी, वास्तव में वे सभी एक समय सत्ता पक्ष के मजबूत सियासी हथियार थे। मसलन नियोजन नीति, 1932 के खतियान का मुद्दा, रोजगार, पारा शिक्षकों-सहायक पुलिसकर्मियों की मांगें और ठेकाकर्मियों के स्थायीकरण जैसे लगभग एक दर्जन मुद्दे झामुमो के नेतृत्व में महागठबंधन ने 2019 के चुनाव से पहले जोर-शोर से उठाये थे। चुनाव में उठाये गये उन मुद्दों का पूरा असर लोगों के मन मस्तिष्क पर पड़ा और पहली बार महागठबंधन बहुमत से सत्ता पर काबिज हो गया। झामुमो ने उस चुनाव में रिकार्ड जीत हासिल की। लेकिन यह भी सच है कि पांच साल में इनमें से कई ज्वलंत मुद्दों हल नहीं हो पाये हैं। इनमें नियोजन नीति और स्थानीय नीति विशेष मायने रखती है। विपक्ष ने आरक्षण के मुद्दे को भी पुरजोर तरीके से उठाया है। वह सत्ता पक्ष से बार-बार सवाल कर रहा है कि एक तरफ तो आपने रघुवर सरकार के समय बनायी गयी स्थानीय नीति को रद्दी की टोकरी में डाल दिया, लेकिन दूसरी तरफ आज तक सत्ता पक्ष ने स्थानीय नीति नहीं बनायी। बार-बार 1932 खतियान लागू करने का संकल्प दोहराया गया, लेकिन वह आज तक लागू नहीं हो पाया। आरक्षण का मुद्दा भी जहां था, वहां है। राज्य और केंद्र सरकार के बीच वह हिचकोले खा रहा है। पिछली नियोजन नीति के आधार पर ही नियुक्तियां हो रही हैं। बीच-बीच में सत्ता पक्ष की तरफ से इस तरफ कदम बढ़ाने का संकेत जरूर दिया गया, लेकिन समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं, जिसे विपक्ष ने चुनावी समय में अपना खास हथियार बना लिया है। अब यही मुद्दे विपक्षी भाजपा और आजसू की तरफ से उठाये जा रहे हैं और सत्ता पक्ष को घेरा जा रहा है, तो साफ है कि इसका सियासी लाभ तो विपक्ष को ही मिलेगा।

पांचवां संदेश: अब केवल वादा करने से नहीं चलेगा

विधानसभा के घटनाक्रम का छठा संदेश यही है कि अब चुनाव से पहले किये गये वादों का कोई मोल नहीं है। यदि किसी वादे पर किसी को जनता का समर्थन मिलता है, तो फिर चुनाव जीतने के बाद उस वादे को पूरा करने की दिशा में गंभीर प्रयास भी करना होगा। दूसरे शब्दों में कहा जाये, तो अब चुनावी मैदान में केवल मुद्दा उठाने से काम नहीं चलनेवाला है, उसे समाधान तक पहुंचाने की जिम्मेदारी भी राजनीतिक दलों की होगी। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो फिर इस तरह के घटनाक्रम अक्सर देखने को मिलेंगे।

छठां संदेश: दोनों पक्षों में से कोई भी कमजोर नहीं

इस घटनाक्रम ने यह भी साफ कर दिया है कि चाहे झारखंड का सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, किसी को कमजोर आंकने की गलती नहीं की जानी चाहिए। भाजपा ने जिस तरह अपने सहयोगियों के साथ मिल कर इस तरह के आंदोलन की रणनीति तैयार की, उससे झारखंड की सत्ता दोबारा हासिल करने की उसकी गंभीरता का पता तो चलता ही है, साथ ही उसने बता दिया है कि सत्ता से बाहर रहने के बावजूद उसकी ताकत कम नहीं हुई है। उधर सत्ता पक्ष की तरफ से भी साफ कर दिया गया है कि वह किसी भी कीमत पर किसी के दबाव में पीछे हटने को तैयार नहीं है। सत्ता में होने के बावजूद उसकी आक्रामकता में कोई कमी नहीं आयी है। उसे कमजोर आंकना बड़ी भूल होगी।

विधानसभा में 18 घंटे धरने पर रहे एनडीए के विधायक

विधानसभा में फर्श, सीढ़ी, कुर्सी से वेल तक का सफर

राजीव

रांची (आजाद सिपाही)। एक ओर जहां झारखंड का मौसम कूल-कूल है। वहीं दूसरी ओर विधानसभा में विगत दो दिनों से सियासत फुल है। विधानसभा में बुधवार से शुरू हुआ हंगामा गुरुवार को भी थमने का नाम नहीं लिया। भाजपा विधायकों के हंगामा के कारण स्पीकर ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 18 विधायकों को शुक्रवार दो बजे तक के लिए निलंबित कर दिया। झारखंड के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि हंगामा के कारण एक साथ विपक्ष के 18 विधायकों को सस्पेंड किया गया है। विगत दो दिनों से विधानसभा में फर्श, सीढ़ी, कुर्सी, वेल और हंगामा बरप रहा है। भाजपा के विधायक लगातार स्थानीय नीति, नियोजन नीति, नौकरी समेत अन्य मांगों को लेकर भाजपा के विधायक बुधवार से ही विधानसभा में हंगामा कर रहे हैं। बुधवार की तरह गुरुवार को भी हंगामा हुआ। बुधवार को हंगामा करते-करते भाजपा के विधायक वेल में आ गये। स्पीकर ने सदन की कार्यवाही स्थगित करने की घोषणा कर दी। सत्ता पक्ष के विधायक और अधिकारी विधानसभा से चले गये। लेकिन भाजपा के विधायक विभिन्न मांगों को लेकर वेल में बैठ गये। कुछ विधायक गमछी बिछा कर वहीं सो गये। रात दस बजे उन्हें मार्शल आउट किया गया। इसके बाद विधायक पोर्टिको में धरना पर बैठ गये। कुछ फर्श पर तो कई कुर्सी पर ही सो गये। रात भर वे वहीं रहे। वहीं दूसरी ओर गुरुवार की सुबह-सुबह विधायक विधानसभा में ही मॉर्निंग वाक करते दिखे। वहीं कुछ विधायक अपने आवास तो पहुंचे, लेकिन कुछ देर के बाद ही वापस विधानसभा पहुंचे। सदन की कार्यवाही जैसे ही 11 बजे शुरू हुई। भाजपा विधायक वेल में आ गये और हंगामा करने लगे। इसी बीच विधायक सुदिव्य कुमार सोनू ने कार्रवाई करने की मांग उठायी। इस पर स्पीकर ने एक्शन लेते हुए 18 विधायकों को विधानसभा की कार्यवाही से शुक्रवार दो बजे तक निलंबित कर दिया। विगत दो दिनों में विधानसभा की कार्यवाही के दौरान हाइवोल्टेज पॉलिटिकल हंगामा दिखा। एनडीए के विधायक जहां एक ओर स्पीकर और सरकार को घेरते दिखे, वहीं दूसरी ओर स्पीकर और सत्ता पक्ष विपक्ष को कठघरे में खड़ा करता दिखा।

पत्रकारों को भी नहीं मिला प्रवेश : शुक्रवार को कार्यवाही शुरू होते ही हंगामा कुछ इस कदर बरपा कि विधायकों के निलंबन के बाद पत्रकारों के प्रवेश पर भी रोक लगा दी गयी। पत्रकार दीर्घा में हरा पास होने के बावजूद पत्रकारों को प्रवेश नहीं दिया गया। सिर्फ वे पत्रकार ही दीर्घा में प्रवेश कर पाये, जो पत्रकार दीर्घा समिति के सदस्य हैं, सिर्फ उन्हें ही प्रवेश दिया गया। यहां तक कि महिला पत्रकारों को भी शौच के लिए परेशानी का सामना करना पड़ा। परमिशन के बाद मार्शल की निगरानी में उन्हें अंदर जाने दिया गया।

विधानसभा परिसर की फर्श पर सोकर गुजारी रात

भाजपा विधायकों ने विधानसभा से मार्शलों के द्वारा बाहर निकाले जाने के विरोध में सदन के बाहर रात गुजार कर विरोध जताया। विधायकों ने रोजगार के मुद्दे पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की चुप्पी पर नाराजगी जाहिर की और प्रदर्शन किया। भाजपा के विधायकों को मार्शलों ने बुधवार की रात सदन से बाहर निकाल दिया था। विपक्ष के इन विधायकों ने दोपहर तीन बजे के करीब सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद भी आसन के पास से हटने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद इन विधायकों को मार्शलों ने पकड़ कर रात दस बजे सदन से बाहर निकाल दिया। विपक्ष के विधायकों ने आरोप लगाया कि वे आसन के निकट धरने पर बैठे थे, लेकिन इस दौरान लाइट और कूलर बंद कर दिया गया। वहीं एक भाजपा विधायक ने दावा किया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बावजूद मार्शल सदन से बाहर निकाल कर परिसर और फिर विधानसभा के प्रवेश द्वार की सीढ़ियों के समीप लेकर आये। इसके बाद विपक्षी विधायक रात को विधानसभा भवन के प्रवेश द्वार के समीप परिसर की फर्श पर ही चादर बिछा कर सो गये।

भाजपा विधायकों ने किया प्रदर्शन

सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले ही भाजपा विधायकों ने प्रदर्शन करना शुरू दिया। उन्होंने हेमंत सोरेन सरकार के खिलाफ नारे लगाये। बता दें कि पार्टी के नेता नौकरी और बेरोजगारी भत्ते को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। बुधवार को भी नेता प्रतिपक्ष ने इस मुद्दे को सदन में उठाया था।

मुझे भी सस्पेंड कर देते, बाहर में किरकिरी हो रही: नीलकंठ

भाजपा विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि मैं भी साथ था। मेरा क्या दोष था, मुझे भी सस्पेंड कर देते। बाहर में मेरी किरकिरी हो रही है। मेरा क्या दोष था, जो मुझे नहीं निकाला गया। मुझे भी सस्पेंड कर दें। मुझे ऐसा लग रहा है, जैसे मुझे जात से निकाल दिया गया है। मुझ पर संदेह किया जा रहा है। आप पर भी बाहर में संदेह किया जा रहा है। मुझे भी सस्पेंड कर दीजिए।

विधायकों के निलंबन पर पुनर्विचार करें स्पीकर : सुदेश महतो

सदन की कार्यवाही गुरुवार को दूसरी बार शुरू होते ही सुदेश महतो ने स्पीकर रवींद्रनाथ महतो से निलंबन पर पुनर्विचार का आग्रह किया। कहा कि सरकार ने अपना कमिटमेंट पूरा नहीं किया। सरकार का उत्तर आना चाहिए था। ऐसे मामलों में बीच का रास्ता निकालने के लिए ही कार्यमंत्रणा की भूमिका होती है। इतना कठोर नहीं होना चाहिए।

विधायक और स्पीकर में हुई तीखी नोकझोंक

रांची। शुक्रवार को विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विधायक और स्पीकर में तीखी नोकझोंक हुई। भाजपा के विधायक जहां स्पीकर की कार्यशैली पर सवाल उठाते दिखे, वहीं स्पीकर ने भी विधायकों को फटकार लगायी। इसी बीच स्पीकर ने विधायकों को निलंबित करने की खबर सदन को दी।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	30.7 ℃	23.0 ℃
सूर्यास्त (आज)	:	18.31 बजे
सूर्योदय (कल)	:	05.19 बजे

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 02 अगस्त, 2024
www.azadsipahi.in

बालूमाथ में बिजली पोल से टकरायी गाड़ी, पांच कांवरियों की मौत

वाहन में दौड़ा करंट, पांच लोग घायल, दो रिम्स रेफर

संतोष सिन्हा

बालूमाथ (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय स्थित टमटमटोला के पास गुरुवार तड़के हुए हादसे में पांच कावरियों की मौत हो गयी और पांच अन्य घायल हो गये। जानकारी के अनुसार तड़के करीब पौने पांच बजे एक सवारी यात्री वाहन बिजली के पोल से जा टकराया। उस पर 18 कांवरिया सवार थे, जो देवघर से लौट रहे थे। पोल से टकराने के बाद बिजली का तार गाड़ी पर गिर गया। इससे गाड़ी में करेंट प्रवाहित हो गया। मृतकों की पहचान रंगेली कुमारी (12, पिता सचेंद्र यादव), अंजली कुमारी (15, पिता राजकुमार यादव), सविता देवी (30, पति सुरेंद्र यादव) और शांति देवी (62, पति स्व बौधा यादव) के रूप में हुई है। ये सभी मकइयाटांड़ हेमपुर की निवासी थीं। इनके अलावा चितरपुर निवासी चालक दिलीप उरांव (24, पिता विष्णुदेव उरांव) की भी मौत हादसे में हुई। घायलों में हनेश यादव (35, पिता गजाधर यादव), चरकू यादव (38, पिता नागेश्वरू यादव), हरिनंदन यादव (56, पिता स्वर्गीय दिलमन यादव), परमेश्वर यादव (18, पिता दुखन यादव) सभी ग्राम भैंसादोन और रीना कुमारी (21, पिता बाबूलाल उरांव) ग्राम मकइयाटांड़ हेमपुर घायल हो गयी। बालूमाथ थाना पुलिस और आसपास के ग्रामीणों के सहयोग से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। वहां चिकित्सक डॉ ध्रुव कुमार द्वारा हनेश यादव और चरकू यादव को रिम्स रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद गुस्साये ग्रामीणों ने रांची-चतरा एनएच को जाम कर दिया। जाम की सूचना पाकर बालूमाथ एसडीपीओ आशुतोष कुमार, एसडीएम रजक और बीडीओ सोमा उरांव अन्य अधिकारियों के साथ वहां पहुंचे। उन्होंने मृतकों के आश्रितों को मुआवजा सहित अन्य आश्वासन दिया। इसके बाद जाम खत्म हुआ। अधिकारियों के साथ भाजपा नेता लक्ष्मण कुशवाहा और अमित कुमार भी मौजूद रहे।

मंत्री बैजनाथ राम ने किया दुख व्यक्त : राज्य के शिक्षा मंत्री सह लातेहार के विधायक बैजनाथ राम ने हादसे में पांच कांवरियों की मौत पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है की इस दुख की घड़ी में वह मृतकों के परिवार के साथ हैं।

अस्पताल में इलाज कराते कांवरिया.

जाम करनेवालों को समझाते पदाधिकारी .

सीएम हेमंत सोरेन ने जताया शोक

सीएम हेमंत सोरेन लातेहार कांवरियों की मौत पर शोक जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा है कि 5 कांवरियों की मौत की खबर से मन दुखी है। परमात्मा दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे और शोकाकुल परिजनों इस दुख को सहन करने की शक्ति दे।

मुआवजे की मांग

पूर्व विधायक सह प्रदेश भाजपा कार्यसमिति सदस्य प्रकाश राम, भाजपा नेता सह भावि विधायक प्रत्याशी चेतलाल रामदास, बिहारी यादव, गंगेश्वर यादव, दीपक यादव सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के लोगों और समाजसेवियों ने हादसे मे पांच कांवरियों की मौत पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने सभी मृतकों के आश्रितों को नौकरी और उचित मुआवजा देने तथा घायलों का समुचित इलाज कराये जाने की मांग की है।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष रोजी-रोजगार में लाभकारी वातावरण रहेगा, भागीदारों में व्याप्त मनमुटाव का निराकरण होगा।

वृष कारोबार में उन्नति होने की संभावना, नवीन कार्य की योजना सफल होगी।

मिथुन कहीं से शुभ फल प्राप्त होगा, आर्थिक पक्ष सुदृढ़ बनेगा, मित्रों से सहायता मिलेगी व किसी विशेष इच्छा पूरी होगी।

कर्क शत्रु प्रबल होकर हावी होंगे,खर्च पर नियंत्रण रखें अन्यथा कर्ज लेने की नौबत आ सकती है।

सिंह राजकीय कार्यों में सफलता मिलेगी, पद-प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी, यात्रा में धन लाभ का योग बन रहा है।

कन्या प्रयास व उत्साह से सभी कार्य पूरे होंगे, मेहमानों का आगमन होगा व आप उनकी आवभगत में व्यस्त रहेंगे।

तुला सम्पत्ति सम्बन्धी मामलों का निपटारा आपके पक्ष में होगा,कहीं से शुभ समाचार मिलेगा।

वृश्चिक नये-नये लोगों से सम्पर्क बनेगा, यश, कीर्ति व मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी, वाणिज्य-व्यवसाय में लाभ होगी।

धनु आमदनी के स्रोत बढ़ेंगे,नौकर-चाकर, वाहन व भौतिक ऐश्वर्य के साधनों में वृद्धि होगी।

मकर अकस्मात धन लाभ होने की संभावना, आशानुसार कार्यों में सफलता मिलेगी।

कुंभ सरकारी नौकरी करने वालों के पद-प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी,गृह-भूमि-वाहन का सुख।

मीन लम्बित कार्य निपटाने में व्यस्तता रहेगी, नौकरी में पदोन्नति के अवसर भी मिल सकता है ।

विधायकों के साथ मार्शल भी डटे रहे, रात में कुछ सो रहे थे, तो कुछ सिर्फ करवटें बदलते रहे

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सदन की कार्यवाही खत्म होने के बाद भी विपक्ष के विधायक सदन के भीतर ही बुधवार की रात जमे रहे। इसके बाद परिसर की बिजली-पानी की सप्लाई बंद कर दी गयी। सीएम हेमंत सोरेन ने भी विधायकों को मनाने की कोशिश की लेकिन वे नहीं माने। विपक्ष के विधायकों को देर रात मार्शल ने सदन से बाहर कर दिया। इसके बाद सभी विधायक लॉबी में आकर नारेबाजी करने लगे। विधायकों ने रात लॉबी में ही जमीन पर सोकर बितायी। कुछ करवटें बदलते रहे। विधायकों इस पूरी घटना को लाइव किया। विधायकों का कहना है कि उनके विरोध के अधिकार को भी हेमंत सरकार छीन रही है।

लॉबी में मच्छरों के बीच कटी रात : बीजेपी विधायकों को रात में सदन से मार्शल ने खींच कर बाहर कर दिया, तो उन्होंने लॉबी में डेरा जमाया। विपक्ष के लिए लॉबी रात भर खोल कर रखी गयी। विधायक जमीन पर चादर बिछाकर सोते नजर आये। मच्छरों के बीच किसी तरह से उन्होंने रात काटी। इस दौरान विधायकों के सेहत की भी जांच हुई। विधानसभा के प्रभारी सचिव सैयद जावेद हैदर सहित सचिवालय के अधिकारी और कई कर्मचारी भी रात भर विधानसभा में ही रहे। सचिव ने विधायकों से घर जाने का आग्रह भी किया, लेकिन विधायक नहीं माने। विधायकों के सुरक्षा कर्मियों ने भी विधानसभा के बाहर रात गुजारी। पुलिस को विधानसभा के अंदर जाने की अनुमति नहीं होती। विशेष परिस्थितियों में ही पुलिस अंदर जा सकती है। विधानसभा के अंदर मार्शल ने मोर्चा संभाला था। मुख्य हॉल के आसपास विधानसभा के मार्शल भी मोर्चे पर रहे।

रोजगार के सवाल पर चुप है सरकार : भाजपा विधायक अनुबंधकर्मियों, पारा शिक्षकों और युवाओं की मांग को लेकर धरना पर बैठे रहे। विधायकों का कहना था कि सरकार युवाओं के हित में काम नहीं कर रही। रोजगार के सवाल पर सरकार चुप है। सरकार लूट-खसोट और ट्रांसफर-पोस्टिंग कर रही है। नौकरी देने का झूठा वादा किया हेमंत सरकार ने ।

वहीं नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने लिखा कि हर जोर जुल्म की टक्कर में संघर्ष हमारा नारा है। हमारी मांग स्पष्ट है कि राज्य के युवाओं और अनुबंध कर्मियों से सरकार ने जो वादा किया था और उन पर जो अन्याय हो रहा है राज्य के मुख्यमंत्री उस पर जवाब दें। इस दमनकारी सरकार के द्वारा मार्शल आउट करना, बिजली, पानी बंद कर देने से कुछ नहीं होगा।

गुरुवार सुबह बीजेपी विधायकों ने लॉबी में प्रदर्शन किया।

अंधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा

सदन में विधायकों के धरने पर बैठे होने के बावजूद वहां बिजली और पानी की सप्लाई बंद कर दी गयी। इसके बाद काफी देर तक सभी अंधेरे में सदन के अंदर में बैठे रहे। इसे लेकर विपक्ष ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। बाबूलाल मरांडी ने अपने सोशल मीडिया पर लिखा कि भारतीय जनता पार्टी के विधायकों को सदन के अंदर घुप अंधेरे में कैद कर हेमंत सोरेन ने झारखंड के लाखों युवाओं और अनुबंधकर्मियों के जीवन को अंधकारमय कर दिया है। झामुमो-कांग्रेस की सरकार चाहे जितने जुल्म ढाह ले, लेकिन भाजपा साढ़े तीन करोड़ झारखंडवासियों के हक की लड़ाई लड़ने के लिए इस तानाशाही सरकार की ताकत के आगे टस से मस नहीं होगी। मैं अपने सभी युवा साथियों और कर्मठ अनुबंधकर्मियों से यही कहना चाहता हूं कि अंधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा। हेमंत सरकार द्वारा लायी गयी इस काली रात की सुहानी सुबह जरूर होगी। भारतीय जनता पार्टी युवाओं को नौकरी और अनुबंधकर्मियों को स्थायी कर उनके सारे सपने पूरे करेगी।

आइएएस एनएन सिन्हा हुए सेवानिवृत्त

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी नागेंद्र नाथ सिन्हा 31 जुलाई 2024 की तिथि से सेवानिवृत्त हो गये। अपर मुख्य सचिव रैंक के अधिकारी एनएन सिन्हा वर्तमान में मिनिस्ट्री ऑफ स्टील में सेक्रेटरी के पद पर पदस्थापित थे। स्टील मंत्रालय में उन्होंने 1 जनवरी 2023 योगदान दिया था। मंत्रालय में उन्हें विदाई भी दी गयी। 1987 बैच के झारखंड कैडर के आइएएस अधिकारी लंबे समय से केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर थे। श्री सिन्हा बिहार झारखंड के कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत रहे। ग्रामीण विकास सचिव के पद पर उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। केंद्र में भी वह बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन और एनएचएआइ के अध्यक्ष के पद को भी संभाला। इसके अलावा भी अन्य कई महत्वपूर्ण पदों पर उन्होंने योगदान दिया।

मंत्री इरफान अंसारी की मां का निधन, सीएम ने श्रद्धांजलि दी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड सरकार के ग्रामीण विकास कार्य मंत्री इरफान अंसारी की मां मुस्तरी खातून (80) का हार्ट अटैक से निधन हो गया है। मुस्तरी खातून के पति फुरकान अंसारी पूर्व सांसद हैं। मुस्तरी खातून की तबीयत बीती रात करीब 2:30 बजे अचानक खराब हो गयी थी। इसके बाद आनन-फानन में परिजन उन्हें अस्पताल ले गये, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गयी। मुस्तरी खातून को गुरुवार शाम को लखना कब्रिस्तान में सुपुर्देखाक किया जायेगा। मुस्तरी खातून शहर के उर्दू कन्या मध्य विद्यालय की प्राध्यापिका रह चुकी थीं।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री डॉ इरफान अंसारी की माता एवं पूर्व सांसद फुरकान अंसारी की धर्मपत्नी मुस्तरी खातुन के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन अपनी धर्मपत्नी विधायक कल्पना सोरेन के साथ आज मंत्री डॉ इरफान अंसारी के मधुपुर स्थित आवास पहुंचकर दिवंगत मुस्तरी खातुन के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन ने मंत्री डॉ इरफान अंसारी एवं पूर्व सांसद फुरकान अंसारी तथा उनके परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी तथा दुःख की इस घड़ी में उनका ढाढ़स बंधाया। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति तथा शोकाकुल परिजनों को यह विकट घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है।

फुरकान अंसारी की धर्मपत्नी मुस्तरी खातुन के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन अपनी धर्मपत्नी विधायक कल्पना सोरेन के साथ आज मंत्री डॉ इरफान अंसारी के मधुपुर स्थित आवास पहुंचकर दिवंगत मुस्तरी खातुन के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन ने मंत्री डॉ इरफान अंसारी एवं पूर्व सांसद फुरकान अंसारी तथा उनके परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी तथा दुःख की इस घड़ी में उनका ढाढ़स बंधाया। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति तथा शोकाकुल परिजनों को यह विकट घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है।

विधानसभा का मानसून सत्र

सीबीए एक्ट में नहीं हो संशोधन, प्रस्ताव पारित

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। केंद्र द्वारा प्रस्तावित कोल बेयरिंग एरिया एक्ट (सीबीए) एक्ट में संशोधन के विरुद्ध झारखंड विधानसभा ने प्रस्ताव पारित किया। इस प्रस्ताव को केंद्र के पास भेजा जायेगा। इस दौरान वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने कहा कि प्रस्तावित संशोधन झारखंड सरकार की जल, जंगल और जमीन को बचाने का जो संकल्प है, वो उसके विरुद्ध है।

निजी कंपनियों को पट्टा देने के प्रस्ताव का है विरोध : केंद्र सरकार कोयला क्षेत्र (सीबीए) अधिनियम, 1957 के तहत भूमि अधिग्रहण करने और फिर वाणिज्यिक खनन के लिए आवंटित कोयला ब्लॉकों के विकास में तेजी लाने के लिए इसे निजी कंपनियों को पट्टे पर देने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। इसी प्रस्ताव के विरोध में झारखंड विधानसभा ने एक प्रस्ताव पास किया है।

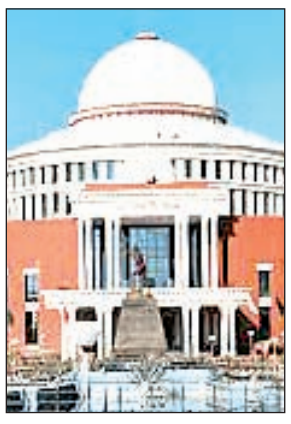

स्पीकर लिबरल हैं, नहीं तो और कठोर कार्रवाई होती : मिथिलेश ठाकुर

रांची (आजाद सिपाही)। भाजपा विधायकों के निलंबन पर मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कहा कि पिछली बार जब हम लोग विपक्ष में थे और यह लोग सत्ता पक्ष में तो उन लोगों ने मामूली से बात पर हम लोगों के विधायक को लंबे समय तक के लिए निर्लंबित कर दिया था। उन्होंने कहा कि इन लोगों को शुक्रवार दो बजे तक के लिए ही निर्लंबित किया गया। उन्होंने कहा कि स्पीकर इतने लिबरल हैं कि झारखंड विधानसभा के इतिहास में इतना लिबरल स्पीकर नहीं मिला होगा। नहीं तो इन लोगों पर और बहुत कठोर कार्रवाई होनी चाहिए थी।

लोकतांत्रिक इतिहास में काला दिन के रूप में दर्ज हो गया: अनंत ओझा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। बुधवार को विधानसभा में रात्रि गुजारने के बाद भाजपा विधायकों का धरना प्रदर्शन चलता रहा। भाजपा अपनी मांगों को लेकर अड़ी रही। राजमहल विधायक अनंत ओझा के कार्यस्थगन प्रस्ताव पर सदन के अंदर लगातार चर्चा कराने की मांग विधानसभा अध्यक्ष से करते रहे। इसी पर विधानसभा अध्यक्ष ने राजमहल विधायक अनंत ओझा सहित 18 विधायकों को निर्लंबित कर दिया। इसी पर भाजपा विधायक ने गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि विधानसभा अध्यक्ष सरकार के इशारे पर कार्य कर रहे हैं, उनको ये समझना चाहिए कि अध्यक्ष का पद एक संवैधानिक पद है। अनंत ओझा ने कहा कि राज्य के युवाओं के रोजगार को लेकर आवाज बुलंद करते रहेंगे। चाहे इसके लिए कुर्बानी भी क्यूं ना देनी पड़े। पर हम अपने संकल्प से डगमगाने वाले नहीं हैं। हमारा संघर्ष लगातार जारी रहेगा। झारखंड के लोकतांत्रिक इतिहास में काला दिन के रूप में दर्ज हो गया। युवाओं के रोजगार, संविदाकर्मी की मांग, विधानसभा में करना हेमंत सरकार को नागवार गुजरा है। उन्होंने कहा कि विधानसभा में शांतिपूर्ण तरीके से झारखंड के युवाओं की मांग करने, उनके द्वारा 16 घंटा से अधिक यातना के बाद भाजपा के 18 विधायकों को कांग्रेस-जेएमएम के इशारे पर शुक्रवार दोपहर 2 बजे तक निर्लंबित किया गया। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ नामित पत्रकारों तक को विधानसभा में प्रवेश नहीं मिला।

दुमका पहुंचे सीएम हेमंत सोरेन, स्टीफन मरांडी की पत्नी को अर्पित की श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन दुमका पहुंचे। यहां सीएम महेशपुर विधायक स्टीफन मरांडी के घर पहुंचे। जानकारी हो कि बुधवार को महेशपुर विधायक स्टीफन मरांडी की पत्नी सुहासिनी बेसरा का निधन हो गया। विधायक के घर पहुंच कर सीएम ने सुहासिनी बेसरा को श्रद्धांजलि दी। इसके साथ ही परिजनों से मिल कर ढांढ़स बंधाया। इस मौके पर उनके साथ उनकी पत्नी कल्पना सोरेन और उनके छोटे भाई बसंत सोरेन भी मौजूद थे। इसके साथ ही दुमका सांसद नलिन सोरेन ने भी सुहासिनी बेसरा को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने दिवंगत आत्मा को शांति तथा शोकाकुल परिजनों को यह दुःखद घड़ी को सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना ईश्वर से की।

सहायक आचार्य परीक्षा: रिजल्ट पर लगी रोक के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जायेगी झारखंड सरकार, सीएम ने लिया फैसला

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सहायक आचार्य नियुक्ति प्रतियोगिता परीक्षा सहित अन्य पदों के लिए चल रही नियुक्ति प्रक्रियाओं को लेकर उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री को स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता सचिव ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने सहायक आचार्य प्रतियोगिता परीक्षा के सिर्फ रिजल्ट प्रकाशन पर रोक लगाई है। परीक्षा के आयोजन को लेकर कोई रोक नहीं है। उन्होंने कहा कि सहायक आचार्य प्रतियोगिता परीक्षा के रिजल्ट प्रकाशन पर लगी रोक हटाने के लिए सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर करेगी।

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा, समय पर परीक्षा लेने पर सरकार प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सभी प्रतियोगिता परीक्षाओं के अभ्यर्थियों के हितों का ध्यान रखेगी। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि सभी प्रतियोगिता परीक्षाएं समय पर आयोजित हों और अभ्यर्थियों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। इस बैठक में मुख्य सचिव एल ख्यानगते, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष और स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव सहित अन्य वरीय पदाधिकारी मौजूद थे।

समय पर होगी प्रतियोगिता परीक्षाएं : झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) के अध्यक्ष ने कहा कि विभिन्न पदों के लिए ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षाएं पूर्व निर्धारित तिथियों के अनुसार होगी। उन्होंने कहा कि आयोग पूर्व में ही विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं के आयोजन की तिथियां घोषित कर चुका है। ऐसे में पूर्व -निर्धारित तारीखों के अनुरूप विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं के आयोजन से संबंधित तैयारियां पूरी की जा रही हैं।

महिला सशक्तीकरण को दिया जा रहा नया आयाम

2019 से अब तक 10,111 करोड़ का क्रेडिट लिंकेज

2.59 लाख सखी मंडलों को बैंक क्रेडिट लिंकेज से जोड़ा गया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। ग्रामीण महिलाओं के उत्थान और उनके आर्थिक स्वावलंबन के प्रति संवेदनशील मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विजनरी सोच का परिणाम है कि 2019 से पूर्व 09 वर्ष में सखी मंडल को जितना क्रेडिट लिंकेज दिया गया, उसका 10 गुना क्रेडिट लिंकेज विगत साढ़े चार वर्ष में मिला। यही नहीं सखी मंडल की संख्या में भी बढ़ोतरी दर्ज की गयी है। वर्ष 2013 से 2019 तक एसएचजी को क्रेडिट लिंकेज के तहत 1,114 करोड़ की राशि दी गयी, जबकि 2019 के बाद 30 जून 2024 तक 10,111 करोड़ की राशि सखी मंडल की महिलाओं को उनके सशक्तिकरण हेतु दी गयी। वहीं 2013 से 2019 तक 2.45 लाख सखी मंडल की संख्या बढ़ कर 30 जून 2024 तक 2.88 लाख हो गयी।

आजीविका से जोड़ने का क्रम जारी : ग्रामीण महिलाएं और अर्थव्यवस्था सशक्त हो, इसके लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के जरिए राज्य के 26 लाख परिवारों को आजीविका के सशक्त माध्यमों से जोड़ा गया है। कृषि,पशुपालन, वनोपज, अंडा उत्पादन, जैविक खेती आधारित आजीविका से ग्रामीण परिवारों को आच्छादित किया जा रहा है। राज्य संपोषित जोहार परियोजना के तहत 17 जिलों के 68 प्रखण्डों के 3816 गांव में 3900 उत्पादक समूह एवं 21 उत्पादक कंपनियों का गठन एवं संचालन हुआ। जिसके तहत राज्य के करीब 2.25 लाख परिवारों की आय में बढ़ोतरी हुई।

तकनीक में निपुण हो रहीं महिलाएं

राज्य में बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट सखी, पशु सखी, कृषि सखी, वनोपज मित्र, आजीविका रेशम मित्र, सीआरपी समेत, करीब 80,000 सामुदायिक कैडर को प्रशिक्षित कर परियोजना के क्रियान्वयन एवं विस्तारण में लगाया है। आधुनिक संचार तकनीक से इन महिलाओं को लैस किया गया है।

वनोत्पाद से लाभ

महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना के जरिए भी राज्य के 3.0 लाख परिवारों को लाह, रेशम, औषधिय पौधे की खेती, ईमली, कृषि एवं पशुपालन से जोड़ा गया है। राज्य संपोषित झारखंड माइक्रोड्रिप इरिगेशन परियोजना के तहत करीब 31861 किसानों को टपक सिंचाई तकनीक से जोड़ कर उन्नत खेती की जा रही है। इस परियोजना के तहत 30/ हजार महिला किसानों को जोड़ने का लक्ष्य है।

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 02 अगस्त, 2024
www.azadsipahi.in
04

रिम्स रांची के 40 छात्रों पर एफआइआर दर्ज

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के सबसे बड़े अस्पताल रिम्स के छात्रों पर मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। सड़क विवाद को लेकर रिम्स के छात्रों और वहां के कर्मियों ने 29 जुलाई को तीन लोगों से मारपीट की थी। घायलों ने बरियातू थाना में एफआइआर दर्ज करायी है। रिम्स के पास नया टोली बस्ती के निवासी अनमोल कुजूर ने बरियातू थाने में रिम्स के 40 छात्रों और कर्मियों के खिलाफ एफआइआर दर्ज करायी है।

अनमोल कुजूर ने पुलिस को बताया कि वह और उसके दो दोस्त सागर टुडु और विपिन उरांव 29 जुलाई की रात में रिम्स के गेट के पास खड़े थे। उसी समय रिम्स के करीब 30-40 छात्र और कर्मी वहां आ गये। छात्रों ने उनसे पूछा कि वे वहां क्यों खड़े हैं और मारपीट शुरू कर दी। जिसके बाद वे किसी तरह वहां से भागने लगे तो आरोपियों ने जाति सूचक गालियां देकर उन्हें पकड़ लिया और बंधक बना लिया। हो-हल्ला सुन बस्ती के लोग वहां जमा हुए और किसी तरह अनमोल को बचाया। इसी बीच आरोपी सागर टुडु को अपने साथ रिम्स के हॉस्टल ले गये और बंधक बना लिया। उसके बाद सागर को भी बुरी तरह पीटने लगे और जब उसके पिता उसे छुड़ाने गये तो उन्हें भी पीटा और बंधक बना कर दोनों के फोन छीन लिये।

मिली जानकारी के अनुसार रिम्स के छात्र रिम्स हॉस्टल से होकर कॉलोनी जाने वाले लोगों का विरोध करते हैं। उनका कहना है कि कॉलोनी वालों के अक्सर गुजरने से उन्हें तकलीफ होती है। जिस कारण उन्होंने कॉलोनी के युवकों को देखा तो उन पर हमला कर दिया। एफआइआर दर्ज होने के बाद बरियातू थाना की पुलिस इस मामले की जांच में जुट गयी है।

10 तक उठा सकते हैं पीएम सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना का लाभ

रांची (आजाद सिपाही)। रांची के इच्छुक उद्यमी 10 अगस्त तक पीएम सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना का लाभ ले सकते हैं। इसके लिए राज्य में 10 जुलाई से जिलावार और प्रखंडवार कैंप लगाया जा रहा है। जिला उद्योग केंद्र, रांची के जीएम के मुताबिक रांची जिला के अलग-अलग प्रखंडों में 10 अगस्त तक कैंप लगाया जा रहा है। इसमें ऑनलाइन आवेदन पत्र, रजिस्ट्रेशन, सबमिशन और सैंक्शन के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। ऐसे उद्यमी, जो खाद्य आधारित सूक्ष्म उद्योग लगाना चाहते हैं, इस अभियान का लाभ उठा सकते हैं। 2 अगस्त को इटकी और बेड़ो ब्लॉक कैंपस में 11 बजे से कैंप लगेगा। इसी तरह 3 अगस्त को नामकुम, कांके, बुंडू, तमाड़, ओरमांझी, सिल्ली और मांडर ब्लॉक ऑफिस कैंपस में कैंप लगना है। 5 अगस्त को चान्हो, 6 अगस्त को बुढ़मू, 7 अगस्त को राहे, 8 अगस्त को खलारी और राहे ब्लॉक कैंपस, 10 अगस्त को सोनाहातू, नगड़ी, अनगड़ा और लापुंग ब्लॉक कैंपस में जिला उद्योग केंद्र की ओर से कैंप लगाया जायेगा।

सेना भर्ती रैली के छठे दिन 1035 युवाओं ने लिया हिस्सा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सेना भर्ती रैली के छठे दिन गुरुवार को 1035 युवाओं ने हिस्सा लिया । अग्निवीर जीडी श्रेणी के लिए झारखंड राज्य के गिरिडीह, खूंटी और साहिबगंज जिले के अभ्यर्थियों ने दमखम दिखाया। खेलगांव स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के मैदान में शारीरिक दक्षता परीक्षा में लगभग 1035 उम्मीदवारों ने हिस्सा लिया। जांबाज युवाओं ने अपने पूरे जोश और जुनून के साथ अग्निवीर जीडी श्रेणी में उपस्थिति दर्ज की।

रांची भर्ती कार्यालय के निदेशक कर्नल विकास भोला ने गुरुवार को आनेवाले दिनों में सेना बहाली में शामिल होनेवाले तमाम अभ्यर्थियों से आह्वान किया कि वे रैली स्थल पर आने से पहले एडमिट कार्ड, रैली नोटिफिकेशन में दिये गये निर्देशों को ध्यान से पढ़ें तथा निर्धारित दिनांक को ही रैली स्थल पर रिपोर्ट करें। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थी अपने सभी जरूरी दस्तावेज रैली स्थल पर साथ लेकर आयें, जैसे कि योग्यता अनुसार दसवीं, बाहरवीं कक्षा की मार्कशीट, बोर्ड प्रमाण पत्र, स्थायी निवासी प्रमाण पत्र, सरपंच एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा जारी चरित्र प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक खाता संख्या, जाति प्रमाण पत्र, एफिडेविट इत्यादि ताकि शारीरिक दक्षता परीक्षा में सफल होने के बाद अभ्यर्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना ना करना पड़े। उन्होंने बताया कि मेडिकल जांच के लिए अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि एवं समय पर रैली स्थल पर रिपोर्ट करना अत्यंत जरूरी है।

महत्वपूर्ण खबरें

कांग्रेस की प्रदेश महिला अध्यक्ष गुंजन सिंह ने डीजीपी से की मुलाकात

रांची (आजाद सिपाही)। कांग्रेस की प्रदेश महिला अध्यक्ष गुंजन सिंह ने राज्य में महिला सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गुरुवार को डीजीपी अनुराग गुप्ता से मुलाकात की। गुंजन सिंह ने डीजीपी से मुलाकात के दौरान राज्य में महिलाओं में भय मुक्त वातावरण कायम कर महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था मुहैया कराने और थानों में वर्षों से पेंडिंग पडे महिलाओं से संबंधित मुकदमों पर तेजी से कारवाई करने की मांग की है। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव पिंकी सिंह, सुंदरी तिर्की मौजूद थीं।

हरिनाथ साहू ने डीजीपी से की मुलाकात

रांची (आजाद सिपाही)। राज्य में गिरती कानून व्यवस्था, भ्रष्टाचार और अपराध की घटनाओं को लेकर लोकहित अधिकार पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष सह रांची जिला प्रभारी लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी हरिनाथ साहू, रांची जिलाध्यक्ष प्रमोद प्रसाद गुप्ता डीजीपी अनुराग गुप्ता से मिले। श्री साहू ने डीजीपी का ध्यान आकृष्ट कराते हुए झारखंड में छोटे व्यवसायियों से आये दिन फिरौती, हत्या, लूट और चंदा उगाही सहित विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की। साथ ही राज्य में अपराध के जनक जमीन माफियाओं और अवैध शराब कारोबार से युवावर्ग और महिलाओं पर पड़ने वाले असर पर डीजीपी का ध्यान आकृष्ट कराया। वहीं डीजीपी ने आश्वस्त करते हुए कहा कि भय मुक्त वातावरण के साथ सुरक्षा का इंतजाम सहित झारखंड में अपराध मुक्त शासन और अवैध शराब कारोबारी, जमीन माफियाओं पर नकेल कसना प्रशासन की मुख्य प्राथमिकता में होगी।

मारवाड़ी सम्मेलन ने किया सम्मानित

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा एशियाई जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने पर आद्या बुधिया साफा को अंगवस्त्र और प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। साथ ही आद्या के पिता गौरव बुधिया, माता स्वेता बुधिया और कोच को भी सम्मानित किया। प्रांतीय अध्यक्ष बसंत कुमार मित्तल, रवि शर्मा, अरुण जोशी, आकाश पचेरीवाल, मनीष लोधा, अरुण बुधिया समेत अन्य मौजूद थे।

रेल महाप्रबंधक ने किया पाटलिपुत्र-कर्पूरी ग्राम रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण

हाजीपुर (आजाद सिपाही)। महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने पाटलिपुत्र-कर्पूरीग्राम वाया नारायणपुर अनंत रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने इस रेलखंड के मध्य रेल पुलों, रेलवे ट्रैक, समपार फाटक, ओएचइ, सिग्नलिंग सिस्टम सहित यात्री सुविधा, सुरक्षा से जुड़े विविध मामले का मुआयना किया। इसी क्रम में महाप्रबंधक कर्पूरीग्राम स्टेशन पहुंचे, जहां उन्होंने जारी रेल विकास कार्यों का जायजा लिया। महाप्रबंधक ने कार्य प्रगति पर समीक्षा बैठक की और संबंधित अधिकारियों को रेल विकास से जुड़े कार्यों को उच्च गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान सोनपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक विवेक भूषण सूद, समस्तीपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक विनय श्रीवास्तव और अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

एक सप्ताह सेवा कार्य करेगा श्री कृष्ण प्रणामी ट्रस्ट

रांची (आजाद सिपाही)। एमआरएस श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट और स्वामी सदानंद प्रणामी चैरिटेबल ट्रस्ट के सयुंक्त तत्वावधान में गुरु महाराज का जन्मदिवस 1 अगस्त को मनाया गया। इस दौरान आश्रम प्रांगण में स्थित गोशाला में गो माता को हरी सब्जी, रोटी-गुड़, चना खिलाकर सेवा की गयी। उसके बाद सदगुरु कृपा अपना घर में रह रहे लोगों को भोजन कराया गया। दो निर्धन कन्याओं की पढ़ाई संस्था के द्वारा कराने की जिम्मेदारी ली गयी। कुमारी संस्कृति को नौवीं क्लास में और कुमारी संभवी को सातवीं क्लास में सीएमपीडीआइ में स्थित स्कूल मे पढ़ाई कराने का जिम्मा संस्था ने गुरु महाराज के आदेशानुसार गुरु महाराज के जन्मदिवस पर लिया। 4 अगस्त को संस्था के सदस्यों के द्वारा ब्रह्मलीन गुरु जी राधिकादास महाराज और परमहंस डॉ संत सदानंद महाराज का 80 वां जन्म दिवस महोत्सव रविवार को मनाया जायेगा।

नगर निगम ने छठ घाट को बर्बाद कर दिया: राजेश महतो

रांची (आजाद सिपाही)। स्वामी विवेकानंद पार्क डिस्टिलरी तालाब के सौंदर्यीकरण के नाम पर 74 लाख की लागत से बाउंड्री वाल और पेवर्स ब्लॉक लगाया गया, जो पहली बारिश में ही गिर गयी। डिस्टिलरी तालाब छठ पूजा समिति के अध्यक्ष राजेश महतो ने नगर निगम से मांग किया है कि इस घोटाले की जांच होनी चाहिए और दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

गोपाल पाठक बने सरला बिरला विश्वविद्यालय के डायरेक्टर जेनरल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय के निवर्तमान कुलपति प्रो गोपाल पाठक को विवि का नया डायरेक्टर जेनरल बनाया गया है। इस आशय की घोषणा विवि प्रबंधन द्वारा की गयी। इस अवसर पर विवि परिसर में शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने उनका अभिनंदन किया और नये कार्यकाल की शुभकामना दी।

बीआइटी मेसरा के सिविल इंजीनियरिंग के छात्र रहे प्रो पाठक ने इसी संस्थान में लंबे समय तक अध्यापन का कार्य किया और प्रशासनिक पदों, डीन और वीसी का प्रभार भी संभाला। तकनीकी पत्र देश-विदेश की कई पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। कई अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में उन्होंने विजिटिंग प्रोफेसर के तौर पर भी अपना योगदान दिया है।

झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी में वीसी के पद पर रहे प्रो पाठक ने वर्ष 2020 में सरला बिरला विश्वविद्यालय में वीसी का कार्यभार संभाला था और डीजी का पदभार ग्रहण करने के पूर्व तक इसी पद में रहे।

विवि के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान और डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने उन्हें नये कार्यकाल की शुभकामनाएं दी हैं।

चुनाव आयोग ने झारखंड सहित चार राज्यों के लिए जारी किया तबादला का निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड समेत चार राज्यों में विधानसभा चुनाव के निकट होने का संकेत देते हुए चुनाव आयोग ने मुख्य सचिव को पत्र लिखा है। चुनाव आयोग ने झारखंड के मुख्य सचिव और मुख्य निर्वाचन अधिकारी को एक पत्र लिखा है, जिसमें कहा गया है कि आयोग की नीति है कि चुनाव वाले राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव के संचालन से सीधे जुड़े अधिकारियों को उनके गृह जिलों या उन स्थानों पर तैनात नहीं किया जाता है, जहां वह एक लंबे समय से तैनात हैं। इसलिए चुनावों से सीधे जुड़े किसी भी अधिकारी को वर्तमान जिले में बने रहने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

अगर वह अपने गृह जिले में तैनात है या उसने पिछले चार वर्षों के दौरान उक्त जिले में तीन वर्ष वर्ष पूरे किये हैं, तो उसे स्थानांतरित किया जाये। एसपी समेत इन अधिकारियों का होगा तबादला

चुनाव आयोग ने पुलिस विभाग के अधिकारियों के लिए आदेश जारी किया है। जारी आदेश में कहा गया हैं कि जोनल आइजी, रेंज डीआइजी, राज्य सशस्त्र पुलिस के कमांडेंट, एसएसपी, एसपी, एडिशनल एसपी, इंस्पेक्टर, सब-इंस्पेक्टर, सार्जेंट मेजर या समकक्ष रैंक के अधिकारी जो चुनाव के समय जिले में सुरक्षा व्यवस्था या पुलिस बलों की तैनाती के लिए जिम्मेदार हैं, उन्हें उनके गृह जिले में तैनात नहीं किया जाना चाहिए। अगर किसी ने एक ही जगह पर चार वर्षों में से तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा कर लिया है, या पूरा करने वाला है, तो उसे ऐसे उनका ट्रांसफर किया जाना चाहिए।

सचिवालय घेराव मामला

बाबूलाल और अर्जुन मुंडा को हाइकोर्ट से मिली राहत बरकरार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड हाइकोर्ट से भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा को मिली राहत फिलहाल बरकरार रहेगी। गुरुवार की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने जवाब दाखिल करने के लिए समय देने की मांग की। अदालत ने जवाब दाखिल करने के लिए अंतिम मौका देते हुए अगली सुनवाई के लिए 12 अगस्त की तिथि निर्धारित की है। पिछले वर्ष भाजपा के सचिवालय घेराव कार्यक्रम में हुए हंगामे के बाद तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों बाबूलाल मरांडी, रघुवर दास और अर्जुन मुंडा और आधा दर्जन सांसद समेत 41 लोगों पर धुर्वा थाने में केस दर्ज किया गया है। इन लोगों पर उपद्रव करने, दंगा भड़काने, सरकार के निर्देशों का उल्लंघन करने, सरकारी कार्य में बाधा डालने, अपराध के लिए उकसाने और दूसरे व्यक्ति को नुकसान पहुंचाने से संबंधित धाराएं लगायी गयी हैं। इस मामले की सुनवाई हाइकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की कोर्ट में हुई। बाबूलाल मरांडी और अर्जुन मुंडा की ओर से अधिवक्ता प्रशांत पल्लव और पार्थ जालान ने बहस की।

8 को निकाय चुनाव मामले में हाइकोर्ट में विस्तृत सुनवाई

रांची (आजाद सिपाही)। तीन सप्ताह में राज्य में निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी करने के 4 जनवरी 2024 के हाइकोर्ट के एकल पीठ के आदेश को रद्द करने को लेकर राज्य सरकार की अपील (एलपीए) की सुनवाई झारखंड हाइकोर्ट में हुई। मामले में प्रार्थी राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया की याचिका की त्रुटि दूर कर ली गयी है। इससे पहले प्रतिवादी की ओर से अधिवक्ता विनोद कुमार सिंह ने कोर्ट को बताया कि इस केस की मेरिट पर सुनवाई की जाये, राज्य सरकार ट्रिपल टेस्ट के बहाने निकाय चुनाव टाल रही है। समय पर चुनाव नहीं करना और रोकना लोकतांत्रिक व्यवस्था को दबाने जैसा है। एकल पीठ का आदेश सही है। कोर्ट ने मामले की विस्तृत सुनवाई के लिए 8 अगस्त की तिथि निर्धारित की है। खंडपीठ ने पूर्व में एकल पीठ के द्वारा पारित आदेश पर रोक लगाने से इनकार किया था ।

साइबर अपराधियों ने डॉक्टर को डिजिटल अरेस्ट कर ठगे 30 लाख

आजाद सिपाही संवाददाता

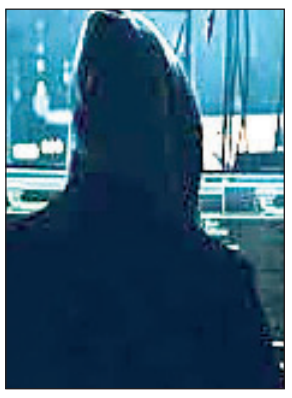

रांची। साइबर अपराधियों ने सीबीआइ अधिकारी बन कर सदर थाना क्षेत्र के दीपाटोली में रहनेवाले एक डॉक्टर को 24 घंटे तक डिजिटल अरेस्ट कर उनसे 30 लाख रुपये ठग लिये। इस संबंध में गुरुवार को डॉक्टर ने सीआइडी की साइबर थाना में मामला दर्ज कराया है। बताया जा रहा है कि दिल्ली सीबीआइ के अधिकारी बन कर साइबर अपराधियों ने सदर थाना क्षेत्र के दीपाटोली में रहनेवाले डॉक्टर गोपाल को फोन किया। साइबर अपराधियों ने डॉक्टर का नाम मनी लॉन्ड्रिंग केस में आने की बात कह कर उन्हें धमकाया और डॉक्टर को डिजिटल अरेस्ट किया। साइबर अपराधियों ने कहा कि मामले की जांच होने तक उन्हें घर पर ही अरेस्ट किया जा रहा है। इसके बाद फोन पर ही डॉक्टर से उनके बैंक की पूरी डिटेल ली गयी। इस दौरान उनके बैंक खाते से 30 लाख रुपये निकल गये। अगले दिन जब डॉक्टर को बैंक खाता से राशि निकासी की जानकारी मिली, तब उनकी समझ में आया कि वे साइबर ठगी के शिकार हो चुके हैं। गुरुवार को डॉक्टर गोपाल साइबर थाना पहुंचे और मामला दर्ज कराया। साइबर थाना पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

क्या होता है डिजिटल अरेस्ट

डिजिटल अरेस्ट ब्लैकमेल करने का एक नया तरीका है। डिजिटल अरेस्ट के जरिये साइबर ठग नकली पुलिस डिपार्टमेंट या इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के अधिकारी बन कर लोगों को ऑनलाइन धमकी देते हैं और अपना शिकार बनाते हैं। इस दौरान साइबर अपराधी वीडियो कॉलिंग के जरिये अपने शिकार पर नजर रखते हैं। इस दौरान अपराधी अपने शिकार को उनके पैन और आधार का इस्तेमाल कर कई चीजें खरीदने को कहते हैं। अपराधी वीडियो कॉल के दौरान अपने शिकार को सामने बैठे रहने के लिए कहते हैं। इस दौरान उन्हें किसी से बात करने, मैसेज करने और मिलने की इजाजत नहीं होती है। इस दौरान जमानत के नाम पर अपराधी पैसे भी मांगते हैं। इस तरह लोग अपने ही घर में ऑनलाइन कैद होकर रह जाते हैं।

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं: सुदेश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। विधायक सुदेश कुमार महतो ने कहा कि जीवन में निश्चित लक्ष्य होना आवश्यक है। आप सभी अपने निर्धारित लक्ष्य के लिए दृढ़ संकल्पित होकर परिश्रम करें। सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता है। इसके लिए मेहनत ही एक मात्र विकल्प है। आप में अद्भुत क्षमता है, आपको केवल उसे पहचानने और उसे पूरी तरह से विकसित करने की आवश्यकता है। सुदेश कुमार महतो गुरुवार को सिल्ली स्थित अंबेडकर पार्क के समीप आयोजित प्रखंड स्तरीय मेधा प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर इस वर्ष 10वीं और 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण होने वाले प्रखंड के सभी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

उन्होंने कहा कि सपने देखना बहुत जरूरी है, लेकिन उससे भी जरूरी है कि उन सपनों को पूरा करने के लिए प्रयास करना। हर दिन कुछ नया सीखें। खुद को बेहतर बनाने की कोशिश करें और चाहे कैसी भी परिस्थिति क्यों न आ जाये, कभी भी हार न मानें। बढ़ती प्रतिस्पर्द्धा के इस दौर में खुद को आगे रखने के लिए नये कौशल और नयी तकनीकों को आत्मसात करें। आपका ध्यान केवल एक अच्छे विद्यार्थी बनने पर नहीं होना चाहिए, बल्कि एक अच्छा इंसान बनने पर भी होना चाहिए। अपनी जिम्मेदारियों को समझें। समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को निभायें और हमेशा इमानदारी और नैतिकता के मार्ग पर चलें। शिक्षा एक ऐसा साधन है, जो आप सभी विद्यार्थियों को जीवन के हर क्षेत्र में सक्षम बनाता है। ज्ञान की प्राप्ति जीवन में सफलता की नींव है।

विद्यार्थी जीवन ही भविष्य की रूपरेखा तय करता है: कुलपति

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान के स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इसमें कुलपति तपन कुमार शांडिल्य ने कहा कि विद्यार्थी जैसा आचरण करते हैं। उसी के अनुसार उनका आगे का भविष्य निर्धारित होता है। उन्होंने राजनीति विज्ञान के विद्यार्थियों को कौटिल्य के विचारों से अवगत और स्मरण कराते हुए कहा कि कौटिल्य के अनुसार विद्यार्थी जीवन बेहद ही महत्वपूर्ण होता है। क्योंकि यही वह समय है, जो भविष्य की रूपरेखा तय करता है। ऐसे में कौटिल्य का मानना था कि विद्यार्थियों को ऐसा परिश्रम करना चाहिए, जिस प्रकार से एक संत अपनी साधना में लीन रहता है। इसके साथ ही एक विद्यार्थियों को अनुशासित जीवन शैली का पालन करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को यह संदेश दिया कि यहां से जब आप शिक्षा प्राप्त कर जीविकोपार्जन की तलाश करेंगे, तो नैतिकता और अनुशासन जीवन का मूलाधार होना चाहिए। उन्होंने शिक्षा के विभिन्न अंगों जैसे पाठ्यक्रम शिक्षण पद्धति, शिक्षा का उद्देश्य, स्वरूप आदि पर अपने विचार प्रस्तुत किये। विदाई समारोह में विभागीय स्नातकोत्तर राजनीति विज्ञान के विद्यार्थियों ने भी विचार व्यक्त किये। मौके पर विभागाध्यक्ष किरण झा, शुचि संतोष बरवार, मनीषा सहित राजनीतिविज्ञान विभाग के विद्यार्थियों की उपस्थिति रही। यह जानकारी पीआरओ प्रो राजेश कुमार सिंह ने दी।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
1 Channel
Subscribe NOW

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 02 अगस्त, 2024
www.azadsipahi.in

राज्य सरकार मान चुकी है कि गोपीनाथपुर झारखंड का नहीं, बल्कि बांग्लादेश का हिस्सा : हिमंता बिस्वा

- विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो के पास बहुत सारी शक्तियां हैं।
- उसका प्रयोग कर हेमंत सरकार ने जो वादा किया था, उसे पूरा करा दे।

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। असम के मुख्यमंत्री सह प्रदेश चुनाव सह-प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि हेमंत सरकार मान चुकी है कि गोपीनाथपुर झारखंड का नहीं, बल्कि बांग्लादेश का हिस्सा है। जब एक प्रदेश के मुख्यमंत्री, जिनके पास जेड श्रेणी की सुरक्षा हो, उन्हें गोपीनाथपुर नहीं जाने दिया गया। इसका मतलब तो यही निकलता है। उन्होंने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पुत्र, जो अपने आपको आदिवासियों का हितैषी बताते हैं, उनके राज में एक

बैठक में असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के साथ बाबूलाल मरांडी और अमर बाउरी।

आदिवासी की जमीन लूट ली जाती है और इस पर किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं होती है। इससे साफ जाहिर है कि हेमंत सरकार आदिवासी और मूलवासी की सरकार नहीं है, बल्कि एक विशेष समुदाय की सरकार है।

हिमंता बिस्वा सरमा ने भाजपा विधायकों के निलंबन पर कहा कि विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो के पास बहुत सारी शक्तियां हैं, जैसा कि उन्होंने खुद कहा है। वे हमारे सभी विधायकों को निर्लंबित कर दें या नहीं तो उनके पास जो शक्ति है, उसे शक्ति का प्रयोग कर हेमंत सरकार ने जो वादा किया था, उसे पूरा करा दे।

महत्वपूर्ण खबरें

गिरीश चोडानकर बने झारखंड स्क्रीनिंग कमेटी के चेयरमैन

रांची (आजाद सिपाही)। विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे ने झारखंड, हरियाणा, जम्मू कश्मीर और महाराष्ट्र की स्क्रीनिंग कमेटी का गठन कर दिया है। गिरीश चोडानकर को झारखंड कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी का चेयरमैन बनाया गया है। वहीं, पूनम पासवान और प्रकाश जोशी को स्क्रीनिंग कमेटी का सदस्य नियुक्त किया गया है।

पौधरोपण के साथ पखवाड़ा का समापन

रांची (आजाद सिपाही)। शिव शिष्यता की जननी दीदी नीलम आनंद के 72वें जन्मदिवस (27 जुलाई) के अवसर पर शिव शिष्यों द्वारा पूरे भारत वर्ष एवं विदेशों में भी वृक्षारोपण पखवाड़ा मनाया गया। 31 जुलाई को पखवाड़ा का समापन रांची में पौधरोपण के साथ हुआ। इसमें मुख्य रूप से अर्चित आनंद (मुख्य सलाहकार) शिव शिष्य परिवार, बरखा आनंद, अध्यक्ष (शिव शिष्य हरीद्रानंद फाऊंडेशन), शिव कुमार, भूषण, गौतम, राजेश, रजनीश, आदित्य, सरिता सहित अन्य गुरुभाई/बहन उपस्थित थे। इस अवसर पर अर्चित आनंद ने बताया कि प्रति वर्ष दीदी के नीलम के जन्मदिन के अवसर पर पौधरोपण अभियान चलाया जाता है और उसका संरक्षण का संकल्प भी लिया जाता है। आज के बदलते परिवेश में प्रकृति को बचाने और उसके संरक्षण की जिम्मेवारी सभी को उठानी ही होगी। अब तक हमलोगों ने शिव शिष्यों के द्वारा एक करोड़ से ज्यादा पौधे लगाये हैं। इसी कड़ी में इस वर्ष भी करीब चार लाख पौधों को रोपित कर उसके संरक्षण का संकल्प लिया गया है।

माहेश्वरी भवन में 4 को महारुद्राभिषेक

रांची (आजाद सिपाही)। माहेश्वरी महिला समिति 4 अगस्त को माहेश्वरी भवन में भोलेनाथ का महा रुद्राभिषेक करेगी। समिति की ओर से जानकारी दी गयी कि इस बार रांची के आचार्य अनूप दधीचि के सानिध्य में यह महा रुद्राभिषेक सुबह से 21 जोड़ों के साथ होगा। समिति की मीडिया प्रभारी रश्मि मालपानी ने गुरुवार को बताया कि इस पूजा में कोई भी भाग ले सकता है। इसके लिए समिति के सदस्य या माहेश्वरी भवन में संपर्क कर सकते हैं। महारुद्राभिषेक के बाद प्रसाद और भोजन की व्यवस्था भी की गयी है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने मंत्री से की मुलाकात

रांची (आजाद सिपाही)। रांची जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष डॉ राकेश किरण महतो ने गुरुवार को अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन से मुलाकात की। रांची जिला अन्तर्गत सिल्ली प्रखंड के जीइएल चर्च और संत मार्क्स चर्च मुरी के कब्रिस्तान की घेराबंदी, पेयजल की समुचित व्यवस्था करने का आग्रह किया। जिलाध्यक्ष ने मंत्री को अवगत कराया कि पिछले दिनों सिल्ली प्रखंड परिसर में जन सहायता शिविर का आयोजन किया गया था, जिसमें इसाई समाज के लोगों ने अपनी इस समस्या को प्रमुखता से रखा था। उन्होंने बताया था कि घेराबंदी नहीं होने के कारण कब्रिस्तान में हमेशा आवारा जानवरों का प्रवेश हो जाता है, जो परिसर की पवित्रता को भंग कर देते हैं। इससे उनकी धार्मिक भावना आहत होती है। उन्होंने यह भी बताया था कि वे लोग बहुत दिनों से इस काम को करवाने की फरियाद कर रहे हैं। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों को इससे पूर्व भी आवेदन दिया था, लेकिन दुर्भाग्य है कि यह सार्वजनिक हित का काम आज तक नहीं हो पाया है। इससे वे लोग काफी मायूस हैं। जन सहायता शिविर से उनकी उम्मीद जगी है। मंत्री हफीजुल हसन ने जिलाध्यक्ष डॉ महतो की बातों को गंभीरता से लिया।

अडाणी फाउंडेशन ने मनाया सावन महोत्सव

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। गोंदलपुरा खनन परियोजना के तहत बड़कागांव स्थित कार्यालय में स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सावन महोत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में गोंदुलपुरा, गाली और बलोदर आदि गांवों की करीब सौ से अधिक स्थानीय महिलाओं ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर सीएसआर (कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) टीम ने पिछले कुछ वर्षों में चलाए गये विभिन्न कार्य्रकमों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए महिलाओं से रायशुमारी की। साथ ही ग्रामीणों और महिलाओं से सुझाव भी मांगे गये, जिसके आधार पर भविष्य के कार्यक्रमों को और भी उपयोगी बनाया जा सके। महोत्सव में महिलाओं ने स्थानीय लोक गीतों के साथ इस अवसर का जश्न मनाया, जिससे एक जीवंत माहौल बन गया। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथियों ने सभी महिला प्रतिभागियों को रेनकोट, छाते और स्वच्छता उत्पादों जैसी आवश्यक वस्तुओं वाला मानसून किट वितरित किया। इस अवसर परियोजना प्रमुख संजय कुमार, डीजीएम पुंडरीक मिश्रा, सीएसआर प्रबंधक मोहित कुमार, शरद मिश्रा, तारकेश्वर की मौजूदगी ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

भाजयुमो ने निकाला मशाल जुलूस

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजयुमो ने गुरुवार को मशाल जुलूस निकाला। मशाल जुलूस जयपाल सिंह स्टेडियम से निकला गया है। शहीद चौक होते हुए अल्बर्ट एक्का चौक पर समाप्त हुआ। इसमें विधायक सीपी सिंह, रमेश सिंह, वरूण साहू, रोमित सिंह, शशांक राज ने बुधवार और गुरुवार को विधानसभा में हुए हंगामा पर विरोध जताया। कहा कि झारखंड के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जब विधायकों विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, उस वक्त बिजली-पानी की लाइन काट दी

गयी। यह लोकतंत्र में काला अध्याय के समान है। रमेश सिंह ने कहा कि सरकार जिस तरह से तानाशाही कर रही है। यह लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं है। स्पीकर का पद भी संवैधानिक होता है। यह पद किसी पार्टी विशेष का नहीं होता है। इस कारण स्पीकर को निष्पक्ष होकर काम करना चाहिए, लेकिन विगत दो दिनों में विधानसभा में जो कुछ भी हुआ है, वह लोकतंत्र की हत्या के समान है।

भाजपा विधायकों का निलंबन झारखंड के लिये काला अध्याय है : संजय सेठ

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि भाजपा के 18 विधायकों का निलंबन झारखंड के लिया काला अध्याय है। यह झारखंड के लोकतांत्रिक इतिहास का काला दिन है। विधानसभा सत्र के दौरान जब झारखंड भाजपा के विधायक सरकार की नीतियों, रोजगार, अपराध, भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहे थे, तो सदन की बिजली काट दी गयी। अंधेरा कर दिया गया। गुरुवार को 18 विधायक को निलंबन कर दिया गया। झारखंड सरकार तानाशाही के बल पर सरकार चलाना चाहती

है। झारखंड के हेमंत सोरेन की सरकार को शर्म करनी चाहिए। ये सरकार वादा खिलाफी की सरकार है, झूठी सरकार है। संजय सेठ ने गुरुवार को कहा कि असम के मुख्यमंत्री को पाकुड़ के दौरे पर जाने से रोकने की भी तीव्र निंदा की है। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार ने जिस तरह झारखंड के युवाओं को ठगने का काम किया है। पांच लाख नौकरी देने का वादा नौकरी नहीं तो पांच हजार प्रति माह बेरोजगारी भत्ताए खटा खटा एक लाख रुपये खाते में देने के वादे का क्या हुआ। इन सभी मुद्दों पर सरकार विफल रही है। इन पांच सालों में एक भी युवाओं को सरकार ने नौकरी नहीं दिया, ना ही बेरोजगारी भत्ता दिया है। आज जब विपक्ष सवाल खड़े कर रही है, तो सरकार इसे भाग रही है। पारा शिक्षक हो, या सहायक पुलिसकर्मी, चाहे छात्र आज अपनी मांगों को लेकर धरना पर बैठे हैं।

स्वर्णरेखा नदी को प्रदूषण मुक्त के लिए निकलेगी कांवर यात्रा

1000 से अधिक लोग होंगे शामिल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। स्वर्णरेखा नदी को प्रदूषण मुक्त करने एवं सरकार का इस ओर ध्यान आकृष्ट करने के उद्देश्य से स्वर्णरेखा उत्थान समिति के द्वारा आगामी 18 अगस्त, रविवार को एक कांवर यात्रा का आयोजन किया गया है। यात्रा स्वर्णरेखा नदी के उद्गम स्थल नगड़ी स्थित रानीचुआं से निकल कर चुटिया स्थित प्राचीन इक्कीसों महादेव में संपन्न होगी। 25 किलोमीटर की इस कांवर यात्रा में 1000 से अधिक कांवरिये रानीचुआं से जल उठाकर पैदल इक्कीसो महादेव में आकर नागवंशी कालीन शिवलिंगों में जलाभिषेक करेंगे।

4 स्थानों में होगा यात्रा का पड़ाव

यात्रा में कांवरिये रानीचुआं से जल उठा कर प्रातः 9 बजे यात्रा की शुरुआत करेंगे। यात्रा नगड़ी, कटहल मोड़, अरगोड़ा चौक, अशोक नगर, क्लब रोड, सिरम टोली, चुटिया होते हुए केतारी बागान स्थित हरमू और स्वर्णरेखा नदी के संगम स्थित इक्कीसो महादेव तक पहुंचेगी। इस यात्रा में कांवरियों के विश्राम के लिए 4 पड़ाव पहला नगड़ी स्थित स्वर्णरेखा बैंक्वेट हॉल, दूसरा कटहल मोड़, तीसरा अरगोड़ा स्थित बूढा महादेव और चौथा और अंतिम पड़ाव क्लब रोड स्थित सिटी सेंटर में होगा।

एंबुलेंस की व्यवस्था रहेगी

कांवर यात्रा में बस और एम्बुलेंस की व्यवस्था रहेगी, जिन कावंरियों को पैदल चलने में परेशानी होगी, उनके लिए बस की व्यवस्था भी रहेगी। यात्रा के दौरान किसी प्रकार की चिकित्सकीय सहायता के लिए पारा मेडिकल टीम के साथ एम्बुलेंस भी उपलब्ध रहेगी। यात्रा के दौरान डॉ सुमन दुबे के नेतृत्व में मां फाउंडेशन की टीम कांवरियों के लिए विश्राम और चिकित्सा की व्यवस्था करेगी।

झारखंड कांग्रेस ने लॉन्च किया 'पांच का दम' कैंपेन

हर विधानसभा में सोशल मीडिया के पांच लोगों की होगी नियुक्ती

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड कांग्रेस 2024 विधानसभा चुनाव को लेकर कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती. एक ओर जहां इंडिया ब्लॉक का कुनबा बढ़ाकर भाजपा विरोधी वोटों के बंटवारे को रोकने की कवायद चल रही है तो दूसरी ओर कांग्रेस की कोशिश हर मतदान केंद्र (पोलिंग बूथ) को मजबूत करने की है। इस रणनीति को जमीनी स्तर पर उतारने के लिए आज यानी गुरुवार को रांची के कांग्रेस भवन में कांग्रेस सोशल मीडिया के प्रभारी अभय तिवारी ने विशेष बैठक की। रांची में सोशल मीडिया की प्रदेश स्तरीय संगठनात्मक बैठक के बाद बूथ स्तर पर 'पांच का दम' कैंपेन

लॉन्च किया गया। इस कैंपेन में गूगल फॉर्म के माध्यम से हर विधानसभा में पांच-पांच सोशल मीडिया के जानकारों को नियुक्त किया जायेगा, जो अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र के हर बूथ में पांच लोगों को सोशल मीडिया कैंपेन के लिए नियुक्त करेंगे।

सोशल मीडिया वर्कशॉप का होगा आयोजन : पांच का दम कैंपेन लॉन्च करने के बाद कांग्रेस सोशल मीडिया अभय तिवारी ने कहा कि हमारा लक्ष्य संगठन को और मजबूत बनाना है। उन्होंने बताया कि इसी माह रांची में एक वर्कशॉप का आयोजन भी किया जाएगा जिसमें सोशल मीडिया विभाग की केंद्रीय अध्यक्ष सुप्रिया श्रीनेत भी हिस्सा लेंगी। झारखंड कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग के चेयरमैन गजेंद्र सिंह ने कहा कि आज की संगठनात्मक बैठक आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को केंद्र में रणनीति बनायी जा रही है, जिसमें कई मुद्दों पर चर्चा के बाद समावेशित किया गया है। गजेंद्र सिंह ने बताया कि कैसे हम डिजिटली और सोशियली सोशल मीडिया को मजबूत करें, इस पर भी विस्तार से चर्चा हुई। कांग्रेस और राहुल गांधी की विचारधारा को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक कैसे पहुंचाया जाये, इस पर भी विस्तृत चर्चा हुई।

ये नेता रहे सोशल मीडिया कैंपेन पांच का दम में शामिल : रांची के कांग्रेस भवन में सोशल मीडिया विभाग की बैठक में विभाग के झारखंड प्रभारी अभय तिवारी, प्रदेश सोशल मीडिया अध्यक्ष गजेंद्र सिंह, प्रदेश संगठन प्रभारी सह महासचिव अमूल्य नीरज खलखो, प्रदेश मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, मीडिया विभाग के चेयरमैन सतीश पॉल मुंजनी, प्रदेश प्रवक्ता सोनल शांति उर्फ रिंकू, स्टेट कोऑर्डिनेटर प्रशांत पांडेय, संजय कुमार स्टेट कोऑर्डिनेटर समेत जिला कोऑर्डिनेटर मौजूद रहे। कांग्रेस भवन में हुई बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति पर विचार करना था। संगठन प्रभारी अमूल्य नीरज खलको ने कहा कि सोशल मीडिया विभाग आज के समय में राजनीति का सबसे अहम हिस्सा हो गया है। बिना सोशल मीडिया के चुनाव की परिकल्पना करना बेईमानी होगी।

झारखंड मीडिया विभाग के चेयरमैन सतीश पॉल मुंजनी ने कहा कि मीडिया और सोशल मीडिया एक ऐसा माध्यम है जिससे हम सरकार की योजनाएं और कांग्रेस पार्टी की विचारधारा को अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति तक भी बहुत आसानी से पहुंचा सकते हैं।

कांके रोड़ में जमीन कारोबारी राजेश मुंडा को मारी गोली, रिम्स में भर्ती

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कांके रोड स्थित चांदनी चौक के पास अज्ञात अपराधियों ने राजेश मुंडा नाम के एक व्यक्ति को गोली मार दी गयी है। घायल की पहचान राजेश मुंडा के रूप में हुई है। गोलीबारी में घायल राजेश को पुलिस के द्वारा इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

क्या है पूरा मामला

रांची के कांके रोड स्थित चांदनी चौक के पास राजेश मुंडा नाम के एक युवक को सारे शाम अपराधियों ने गोली मार दी। हालांकि राजेश की किस्मत अच्छी थी गोली उसके पैर में लगी। स्थानीय लोगों के हल्ला मचाने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गये। वहीं पुलिस की मदद से घायल राजेश मुंडा को इलाज के लिए रांची के रांची के रिम्स अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

अचानक गोली मार दी

रिम्स में इलाज के दौरान पुलिस को दिए अपने बयान में राजेश मुंडा ने बताया है कि वह गुरुवार की शाम कांके रोड स्थित चांदनी चौक के पास अपने कुछ दोस्तों के साथ बातचीत कर रहा था, तभी भीड़ से एक पतला दुबला एक लड़का अचानक सामने आया और गोली चला दी। राजेश मुंडा के अनुसार अपराधी ने पहले भी फायर किया था, लेकिन उसे लगा कि शादी में पटाखे फूट रहे हैं। जब गोली उसके पांव में आकर लगी तब वह वहां से भागने लगा। भीड़ होता देख अपराधी भी मौके से फरार हो गया।

कांके पुलिस मामले की तफ्तीश में जुटी

वहीं, गोलीबारी की सूचना पाकर कांके थाना की टीम चांदनी चौक पहुंच मामले की तफ्तीश में जुटी हुई है। चांदनी चौक के पास लगे सरकारी सीसीटीवी कैमरे में एक अपराधी की तस्वीर भी कैद हुई है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर गोली चलाने वाले अपराधी की पहचान कर उसकी गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार घायल राजेश मुंडा जमीन का कारोबारी है वह एक छोटा सा होटल भी चलता है। घायल अवस्था में ही पुलिस ने उसका बयान भी लिया है।

डीसी के पास जब्ती कार्यवाही शुरू करने का अधिकार नहीं : हाइकोर्ट

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड हाइकोर्ट ने राज्य में खनिजों के खनन, परिवहन और ओवर लोडिंग को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। हाइकोर्ट के जस्टिस आनंद सेन और जस्टिस सुभाष चंद की खंडपीठ ने अपने आदेश में खान एवं खनिज विकास विनियमन (एमएमडीआर) एक्ट के तहत उपायुक्तों को सरकारी संपत्ति घोषित करने के अधिकार को अवैध बताया है।

अदालत ने झारखंड खनिज (अवैध खनन की रोकथाम परिवहन और भंडारण) नियमावली की धारा 11 (वी) को असंवैधानिक घोषित कर दिया है। अदालत ने कहा कि यह नियमावली खान एवं खनिज विकास विनियमन एक्ट का विरोधाभाषी है। एक्ट के अनुसार, सरकारी संपत्ति घोषित करने का अधिकार निचली अदालत को है। अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि जब तक इस मामले को लेकर विशेष कोर्ट का गठन नहीं हो जाता है, तब तक ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट (जेएम) प्रथम के यहां इसकी कार्रवाई होगी। अब तक जो भी कार्य उपायुक्त के स्तर से होता था, वह अब जेएम प्रथम के स्तर से किया जायेगा।

इस संबंध में आदित्य इंटरप्राइजेज सहित अन्य की ओर से हाइकोर्ट में याचिका दाखिल की गयी थी। प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा ने पक्ष रखा। सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि बिना चालान, बिना परमिट और ओवर लोडिंग होने पर डीएमओ कार्रवाई करते हुए प्राथमिकी दर्ज कराते थे। इसके बाद उन जिलों के उपायुक्त प्रोसिडिंग चलाते हुए उसे सरकारी संपत्ति घोषित कर देते थे। उपायुक्त झारखंड खनिज (अवैध खनन की रोकथाम, परिवहन और भंडारण) नियमावली के तहत ऐसा करते थे। लेकिन यह नियमावली खान एवं खनिज विकास विनियमन एक्ट के विरुद्ध है, क्योंकि खान एवं खनिज विकास विनियमन एक्ट में डीसी को स्पष्ट अधिकार नहीं दिया गया है। इसलिए इसको असंवैधानिक घोषित कर देना चाहिए। इसके बाद अदालत ने नियमावली धारा 11 (वी) को असंवैधानिक घोषित कर दिया है।

सीबीआइ ने नीट पेपर लीक मामले में पहला आरोप पत्र दाखिल किया

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। सीबीआइ ने भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी, 201, 409, 380, 411, 420 एवं 109 के तहत 13 आरोपी व्यक्तियों यथा नीतीश कुमार, अमित आनंद, सिकंदर यादवेंदु, आशुतोष कुमार-1, रोशन कुमार, मनीष प्रकाश, आशुतोष कुमार-2, अखिलेश कुमार, अवधेश कुमार, अनुराग यादव, अभिषेक कुमार, शिवनंदन कुमार एवं आयुष राज के विरुद्ध 1 अगस्त को पहला आरोप पत्र दायर किया। याद रहे कि यह मामला शुरू में शास्त्री नगर पुलिस स्टेशन, पटना में 5 मई को दर्ज किया गया था एवं बाद में 23 जून को सीबीआइ को स्थानांतरित कर दिया गया था। आरोपियों के विरुद्ध सबूत इकट्ठा करने के लिए सीबीआइ ने उन्नत फोरेंसिक तकनीकों, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी, सीसीटीवी फुटेज, टॉवर लोकेशन विश्लेषण आदि का उपयोग किया है।

सीबीआइ अन्य आरोपियों/संदिग्धों के विरुद्ध एवं मामले के अन्य पहलुओं पर आगे की जांच जारी रखे हुए है। कई अन्य आरोपी पहले से ही हिरासत में हैं। जैसे ही इन आरोपियों/संदिग्धों के विरुद्ध आगे की जांच पूरी हो जाएगी, पूरक आरोप पत्र दायर किया/किए जायेंगे। सीबीआइ ने इस मामले में अब तक 40 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से 15 बिहार पुलिस द्वारा गिरफ्तार किये गये हैं एवं 58 स्थानों पर तलाशी ली गयी है।

शपथ पत्र

शपथ पत्र संदर्भ संख्या 28268 दिनांक 31.07.2024 के अनुसार मैं, तौफीक नसीम पुत्र अबदुस सलाम, निवासी नूर मोहल्ला, ग्राम बलसोकरा, पी.एस. चान्हो, जिला रांच एतद्द्वारा सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूँ और घोषणा करता हूँ कि 1. मैं जन्म से भारतीय नागरिक हूँ। 2. मेरा नाम तौफीक नसीम है, जो मेरे आधार कार्ड संख्या 2908 8920 1789, पैन कार्ड संख्या CGAPN2049A, मतदाता पहचान पत्र संख्या HZB0041772 में लिखा है। 3. मेरे पासपोर्ट संख्या G3579165 दिनांक 13-09-2009 में मेरा नाम मोहम्मद तौफीक लिखा गया है। 4. तौफीक नसीम और मोहम्मद तौफीक नसीम एक ही व्यक्ति यानी मेरा नाम है। मुझे तौफीक नसीम के नाम से जाना जाएगा। 5. ऊपर दिए गए कथन मेरे ज्ञान के अनुसार सत्य और सही हैं।

COURT NOTICE

In the Court of Miss Ayesha Singh Sardar, Munsif, Ramgarh

Publication Notice under order V Rule 20 CPC

Org. Suit No.- 34/2021

Alijan Mian .....Plaintiff

V/s

Mumtaz & Others .. Defendants

Whereas it has been proved to the satisfaction of the court that the defendant No.-2 Mumtaj Ansari S/o Late Gul Mohammad, Vill.-Bongahara, P.O.- Hesagarha, P.S. Mandu, Dist-Ramgarh received summon above mentioned case to appear in the court but did not appear. Hence this proclamation under Order V Rule 20 of CPC is hereby issued against him and should appear personally or through his Advocate on date 16-07-2024 Time 10:30 AM. Take Notice that in default of his appearance on the day before mentioned the above said case will be heard and determine in his absence. Give under my hand, Seal of the court this date: 13.06.2024 time: 07:30 AM

Ayesha Singh Sardar

Munsif Judge Civil Court, Ramgarh

स्वस्थ हो बहस

अपने आपमें यह बात तसल्ली की हो सकती है कि संसद के मौजूदा मॉनसून सत्र में हंगामा और बॉयकॉट के बजाय मुख्य स्वर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच हो रही बहस का है, लेकिन यह बात भी सही है कि जितनी स्वस्थ और सकारात्मक यह बहस हो सकती थी, नहीं हो पा रही। बहस के दौरान भी वे पहलू मुद्दा बन रहे हैं, जो अपेक्षाकृत कम गंभीर हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किये गये बजट पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सदन में जो लंबा भाषण दिया, उसकी काफी चर्चा रही। उनसे यह अपेक्षा तो किसी ने नहीं की होगी कि वह बजट में प्रस्तावित प्रावधानों की तारीफ करेंगे, लेकिन जितनी सख्त आलोचना उन्होंने की और जिस तरह से राजनीतिक और गैरराजनीतिक व्यक्तित्वों को आलोचना के दायरे में ले आये, क्या वह जरूरी था? ऐसे ही जाति जनगणना एक बड़ा मुद्दा कांग्रेस के लिए रही है, लेकिन बजट पर भाषण के क्रम में उसे आक्रामक अंदाज में उठाना और हलवा सेरिमनी के जरिए बजट बनाने वाले ऑफिसरों की जाति का सवाल खड़ा करना चुनावी नजरिए से जो भी फायदा-नुकसान पहुंचाये, बजट पर बहस की गुणवत्ता बढ़ाने वाला तो नहीं कहा जा सकता। अफसोस की बात यह रही कि सत्ता पक्ष भी दखल देकर बहस को कोई स्वस्थ दिशा नहीं दे सका। भाजपा नेता अनुराग ठाकुर ने अपने भाषण में कुछ अच्छी बातें कहीं, लेकिन राहुल गांधी के उठाये जाति जनगणना के मुद्दे पर यह कहना कि जिस नेता की अपनी जाति का पता नहीं, वह जाति जनगणना कराने की बात कर रहा है, बहस के स्तर को ऊपर उठाने के बजाय उसे और नीचे की ओर ले जाने वाला साबित हुआ। इस बीच विपक्ष की ओर से बजट में राज्यों के साथ कथित तौर पर पक्षपात करने का मसला उठाया गया, जिसका वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पूरी गंभीरता से जवाब भी दिया। यह निश्चित रूप से बजट पर संसद में हुई चर्चा के स्वस्थ पहलुओं में शामिल किया जा सकता है। यह बात सही है कि संसदीय लोकतंत्र में संसद में हो रही किसी भी चर्चा को न तो राजनीति से परे माना जा सकता है और न ही यह अपेक्षा की जा सकती है कि उसका कोई चुनावी पहलू नहीं होगा। फिर भी, यह एक तथ्य है कि अभी-अभी देश में आम चुनाव संपन्न हुए हैं और उससे निकले जनादेश को न केवल सत्तारूढ़ पक्ष बल्कि विपक्ष भी सम्मानपूर्वक स्वीकार कर चुका है। ऐसे में उनसे यह उम्मीद तो की ही जानी चाहिए कि कम से कम अभी कुछ दिन चुनावी मजबूरियों से ऊपर उठ कर विकास और जनकल्याण के एजेंडे को सबसे ऊपर रखते हुए चलें। आज आम बजट 2024 पर दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा में फिर से चर्चा होनी है। सोमवार को बजट सत्र के दौरान लोकसभा में खूब गहमागहमी रही। राहुल के बजट बनाने वाले अधिकारियों में दलित न होने वाली बात पर सांसद अनुराग ठाकुर ने आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि जाति जनगणना की बात वे कर रहे जिनकी खुद अपनी जाति का पता नहीं। इससे पहले सपा सांसद अखिलेश यादव के साथ भी अनुराग ठाकुर की तीखी बहस देखी गयी थी। इसके अलावा कल वित्त मंत्री ने भी राहुल गांधी के बजट पर उठाये सवालों का जवाब दिया।

जाति जनगणना एक बड़ा मुद्दा कांग्रेस के लिए रही है, लेकिन बजट पर भाषण के क्रम में उसे आक्रामक अंदाज में उठाना और हलवा सेरिमनी के जरिए बजट बनाने वाले ऑफिसरों की जाति का सवाल खड़ा करना चुनावी नजरिए से जो भी फायदा-नुकसान पहुंचाये, बजट पर बहस की गुणवत्ता बढ़ाने वाला तो नहीं कहा जा सकता।

अभिमत
आजाद सिपाही

गत वर्षों में नये संसद भवन में प्राचीन चोल साम्राज्य के प्रतीक सेंगोल (राजदंड) की स्थापना, काशी विश्वनाथ धाम का 350 वर्ष पश्चात विस्तारीकरण-पुनरोद्धार, न्यायिक निर्णय के बाद अयोध्या में भव्य राम मंदिर का पुनर्निर्माण, धारा 370-35ए का संवैधानिक क्षरण और प्रत्येक वर्ष 26 दिसंबर को सिख पंथ के 10वें गुरु श्री गोबिंद सिंहजी के पुत्रों बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह के बलिदान की याद में वीर बाल दिवस के साथ प्रत्येक 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाने आदि की घोषणा की गयी थी।

अपनी जड़ों से जुड़ता भारत देश

बलबीर पुंज

मेरा वर्षों से मत रहा है कि सिख पंथ के 9वें गुरु श्री तेग बहादुर साहिबजी के बलिदान (नवंबर 1675) को राष्ट्रीय कृतज्ञता दिवस के रूप में मनाना चाहिए। वह हिंद की चादर यूं ही नहीं कहलाये। गुरु साहिब का बलिदान धर्म की रक्षा के लिए था, जब कश्मीर में जिहादी दंश झेल रहे हिंदुओं की फरियाद लेकर गुरु साहिब क्रूर औरंगजेब के पास पहुंचे, तब उन्हें इस्लाम स्वीकार करने या मौत चुनने का विकल्प दिया गया।

गत 26 जुलाई को असम के चराइदेव स्थित अहोम साम्राज्य के मोइदम को विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल कर लिया गया। यह संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) द्वारा सूचीबद्ध भारत का 43वां, तो देश में पूर्वोत्तर का प्रथम विश्व धरोहर स्थल है। यह साम्राज्य असम में 13वीं से 19वीं शताब्दी के आरंभ तक अस्तित्व में रहा। क्या सुधि पाठक अहोम साम्राज्य के इतिहास को जानते हैं? यह विडंबना है कि भारतीय शिक्षा प्रणाली में दिल्ली सल्तनत (320 वर्ष), मुगल साम्राज्य क्रूर औरंगजेब की मौत तक (181 वर्ष) और ब्रितानी राज (190 वर्ष) का उल्लेख तो है, परंतु अहोम साम्राज्य का कार्यकाल 600 वर्षों से अधिक समय का होने के बाद भी भारतीय पाठ्यक्रम से नदारद है।

इस्लामी कालखंड में भारतीय अस्मिता के प्रतीकों को जमींदोज किया गया, तो तलवार के बल पर हिंदू-बौद्ध-जैन-सिखों का जबरन मतांतरण, परंतु स्थानीय बाशिंदों ने कभी भी इस्लामी आक्रमणकारियों को खुद से श्रेष्ठ नहीं समझा और वे अपनी सांस्कृतिक पहचान-परंपराओं के प्रति गौरवान्वित रहे। अंग्रेज होशियार और चालाक थे। उन्होंने स्थानीय भारतीयों को न केवल शारीरिक, बल्कि उन्हें उनकी मूल जड़ों से काट कर मानसिक तौर पर भी अपना गुलाम बनाना शुरू किया। जब वामपंथियों और जिहादियों की मदद से भारत को विभाजित करके ब्रितानी 1947 के बाद चले गये, तब तक वे भारत के सामूहिक मानस को क्षीण कर चुके थे।

गुरु साहिब ने अपने तीनों अनुयायियों की नृशंस हत्या के बाद भी दृढ़ होकर अपना शीश कटाना स्वीकार किया।

यह स्थिति तुरंत प्रभाव से बदलनी चाहिए थी और इसकी शुरुआत सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के साथ प्रारंभ भी हुई। परंतु 30 जनवरी, 1948 को गांधीजी की नृशंस हत्या और 15 दिसंबर, 1950 को सरदार पटेल के निधन के पश्चात इस सांस्कृतिक पुनरुत्थान पर रोक लग गयी और उस पर सांप्रदायिकता का मुलम्मा चढ़ा दिया गया। ऐसा करने वालों में सबसे ऊपर स्वतंत्र और खंडित भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू थे, जो अन्य भारतीयों की भांति ब्रितानियों के स्मृतिलोप अभियान का शिकार रहे। पं. नेहरू मार्क्सवाद से बहुत प्रभावित थे और वे लॉर्ड थॉमस बैबिंगटन मैकॉले द्वारा स्थापित उस शिक्षण प्रणाली (1835-36) के अव्वल दर्जे वाले उत्पाद थे, जिसमें रक्त-रंग से भारतीयों को पसंद-नापसंद, विश्वास, नैतिकता और बुद्धि से अंग्रेज बनाने की नीति थी।

हाल ही में राष्ट्रपति भवन स्थित दरबार हॉल और अशोक हॉल का नाम 95 साल बाद बदलकर क्रमशः गणतंत्र मंडप और अशोक मंडप किया गया है। इससे पहले गत वर्षों में नये संसद भवन में प्राचीन चोल साम्राज्य के प्रतीक सेंगोल (राजदंड) की स्थापना, काशी विश्वनाथ धाम का 350 वर्ष पश्चात विस्तारीकरण-पुनरोद्धार, न्यायिक निर्णय के बाद अयोध्या में भव्य राम मंदिर का पुनर्निर्माण, धारा 370-35ए का संवैधानिक क्षरण और प्रत्येक वर्ष 26 दिसंबर को सिख पंथ के 10वें गुरु श्री गोबिंद सिंहजी के पुत्रों बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह के बलिदान की याद में वीर बाल दिवस के साथ प्रत्येक 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाने आदि की घोषणा की गयी थी।

इसी कड़ी में अहोम मोइदम का यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल होना अतुलनीय है। यह पिरामिड सरीखी अनूठी टीलेनुमा संरचना हैं, जिनका इस्तेमाल 6 सदियों तक ताई-अहोम वंश द्वारा अपने राजवंश के सदस्यों को उनकी प्रिय वस्तुओं के साथ दफनाने के लिए किया जाता था। मोइदम गुंबददार कक्ष (चौ-चाली) होते हैं, जो 2 मंजिला होते हैं, जिनमें प्रवेश के लिए मेहराबदार मार्ग होता है और अर्धगोलाकार मिट्टी के टीलों के ऊपर ईंटों और मिट्टी की परतें बिछायी जाती हैं। मोइदम दफन पद्धति अभी भी कुछ पुजारी समूहों और चाओ-डांग कबीले (शाही अंगरक्षक) द्वारा प्रचलित है।

मेरा वर्षों से मत रहा है कि सिख पंथ के 9वें गुरु श्री तेग बहादुर साहिबजी के बलिदान (नवंबर 1675) को राष्ट्रीय कृतज्ञता दिवस के रूप में मनाना चाहिए। वह हिंद की चादर यूं ही नहीं कहलाये। गुरु साहिब का बलिदान धर्म की रक्षा के लिए था, जब कश्मीर में जिहादी दंश झेल रहे हिंदुओं की फरियाद लेकर गुरु साहिब क्रूर औरंगजेब के पास पहुंचे, तब उन्हें इस्लाम स्वीकार करने या मौत चुनने का विकल्प दिया गया।

गुरु साहिब ने अपने तीनों अनुयायियों की नृशंस हत्या के बाद भी दृढ़ होकर अपना शीश कटाना स्वीकार किया।

इस घटना का वर्णन बचित्तर नाटक में श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने कुछ इस प्रकार किया था-तिलक जंजू राखा प्रभ ताका... सीसु दीआ परु सी न उचरी॥ धरम हेत साका जिनि कीआ॥ सीसु दीआ परु सिररु न दीआ॥ अर्थात–हिंदुओं के तिलक और जनेऊ की रक्षा हेतु गुरु तेग बहादुरजी ने अपने शीश का त्याग कर दिया, किंतु धर्म नहीं छोड़ा।

यह विडंबना है कि जिस पवित्र सिख गुरु परंपरा के चलते महाराजा रणजीत सिंह (1780-1839) के कालखंड तक हिंदू-सिख के संबंध नाखून और मांस जैसे थे, उसे भी ब्रितानियों ने मैक्स आर्थर मैकॉलीफ के माध्यम से चीरने का प्रयास किया था।

जमशेदपुर की खबरें

टाटा कंपनी के तीन कर्मचारियों को मिला 'नौकरी छोड़ो-नौकरी पाओ' स्कीम का लाभ

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। टाटा स्टील डाउनस्ट्रीम प्रोडक्ट लिमिटेड कंपनी में नौकरी छोड़ो नौकरी पाओ स्कीम पूर्व में प्रबंधन के द्वारा निकाली गयी थी। स्कीम के तहत सी आर प्लांट के सिद्धेश्वर शुक्ला और संतोष पाण्डेय और सिदगोड़ा बारा प्लांट से जोगेश्वर महतो ने आवेदन कर अपने बच्चों को समाहित करने का आग्रह किया था। प्रबंधन ने उसे स्वीकार कर लिया। गुरुवार को प्रबंधन और यूनियन के संयुक्त प्रयास से तीनो कर्मचारियों को बारा सभागार में फूलो का माला, शॉल और गिफ्ट वाउचर दे कर विदाई दी गयी। मौके पर जीएम अश्वनी कुमार ने कहा कंपनी हमेशा से युवाओं से भरी पड़ी रही लेकिन अब एक ऐसा समय आ गया पुराने साथी अपने परिजनों को यहां कार्य करने के अवसर दे रहे है। ऐसे समय में हम सभी अपने साथियों को शुभकामनाएं देते है। उनका बाकी जीवन सुखमय हो और सामाजिक जीवन, सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वाह अच्छे ढंग से करे। यूनियन महासचिव अमन ने अपने साथियों को हर संभव आवश्यकता अनुसार सहयोग करने और आगे भी जरूरत पर साथ खड़े रहने की बात कही।उन्होंने कहा तीनो कर्मचारियों के सुपुत्र की ज्वाइनिंग प्रक्रिया आरंभ कर दी गयी है। मौके पर प्रबंधन की ओर से अश्वनी कुमार,आनंद विवेक, प्रियंका, सचिन झा, यूनियन से अमन, सचिदानंद, एस बी राणा, दिनेश कुमार, अनीश झा, आर रवि, रमेश चौधरी, राकेश कुमार, रंजन मिश्रा, त्रिदेव सिंह, मनोज सिंह, बी डी सिंह, प्रमोद उपाध्याय, हरी शंकर प्रसाद उपस्थित रहे।

सीएम से करूंगी स्कूल मैनेजमेंट की शिकायत: देवी भूमिज

पोटका (आजाद सिपाही)। ग्रामीणों के शिकायत पर मुखिया देवी कुमारी भूमिज ने नेताजी सुभाष पब्लिक स्कूल बच्चों की सवारी जाने वाले बस का किया निरीक्षण। नेताजी सुभाष पब्लिक स्कूल की बस हरिणा के समीप बुकामडीह में पलट जाने से कई बच्चे घायल हो गये थे, जिसमें दो की स्थिति गंभीर बनी हुई थी` जिसको लेकर स्कूल प्रबंधन द्वारा टीएमएच में भर्ती कराकर उनका इलाज किया जा रहा है` इस दौरान पंचायत की मुखिया देवी कुमारी भूमिज ने क्षेत्र से गुजरने वाले सभी स्कूल बसों की सुबह के सात बजे से जांच की जिसमें पाया कि नेताजी सुभाष पब्लिक स्कूल की बसों में बच्चों को भेड़ बकरियों की तरह ठूंस कर ले जाया जा रहा है । 20 सीटर बस में 40 से 50 बच्चों को चढ़ाया जाता है` बच्चे बस के गेट में खड़ा होकर स्कूल का सफर कर रहे हैं` मुखिया ने स्कूल प्रबंधन से बस बढ़ाने और सुरक्षा की दृष्टिकोण से दक्ष ड्राइवर को स्कूल बस चलाने को लेकर मांगो को रखा। स्कूल प्रबंधन से बात करने के पश्चात कहा की लापरवाही की हद है` स्कूल प्रबंधन द्वारा बच्चों के जीवन के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है ग्रामीणों के शिकायत पर स्कूल प्रबंधन बच्चों के साथ इस प्रकार के रवैया के खिलाफ उपायुक्त के साथ साथ शिक्षा मंत्री, मुख्यमंत्री को विद्यालय प्रबंधन के खिलाफ शिकायत करूंगी।

चापड़ी-केंदाडीह और राखा कॉपर माइंस खुलवाने के लिए मंत्री से मिले सांसद

आजाद सिपाही संवाददाता

घाटशिला। हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड की सुरदा माइंस को शुरू कराने के लिए फॉरेस्ट क्लियरेंस-वन और एनवायरमेंट क्लियरेंस की स्वीकृति वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से दिलाने के बाद सांसद विद्युतवरण महतो अब राखाकॉपर, चापड़ी और केंदाडीह माइंस को चालू कराने की मुहिम में जुट गये है। सांसद ने गुरुवार को केंद्रीय खान मंत्री किशन रेड्डी से मुलाकात कर उपरोक्त कॉपर खदानों को जल्द चालू कराने की दिशा में ठोस पहल करने की मांग किया। सांसद ने कहा कि जमशेदपुर संसदीय क्षेत्र अंतर्गत मुसाबनी प्रखंड क्षेत्र में एचसीएल की राखाकॉपर माइंस स्थित है जो वर्ष 2001 से ही बंद है। मेरे (सांसद) अथक प्रयास से वर्ष 2019 में तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास ने राखाकॉपर के साथ ही नई प्रस्तावित चापड़ी माइंस को भी चालू करने के लिए भूमिपूजन किया था। उम्मीद थी कि बंद कॉपर खदानों के चालू होने से हजारों लोगों को रोजगार मिल सकेगा। हालांकि प्रबंधन की नीतियों के कारण राखाकॉपर और चापड़ी माइंस आज तक चालू नहीं हो सका है। उन्होंने कहा कि राखाकॉपर के साथ चापड़ी माइंस शुरू होने से एचसीएल देश में कॉपर की घरेलु जरूरत को काफी हद तक पूरा कर सकेगा जिससे भारत कॉपर के क्षेत्र में स्वावलंबी हो सकेगा। कंपनी की वित्तीय स्थिति भी सुदृढ़ होगी और स्थानीय स्तर पर बड़ी संख्या में रोजगार का भी सृजन होगा। रोजगार के सृजन से क्षेत्र में खुशहाली का माहौल उत्पन्न हो होगा। सांसद ने राखाकॉपर माइंस से जुड़े सभी तकनीकी समस्याओं को जल्द दूर कराने पर जोर दिया, जिससे राखाकॉपर और चापड़ी माइंस जल्द ही शुरू हो सकें। सांसद ने केंदाडीह माइंस की ओर भी ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा कि एचसीएल की बंद केंदाडीह माइंस को उन्होंने अथक प्रयास से दोबारा चालू कराया था। हालांकि उक्त माइंस एकबार फिर विविध तकनीकी कारणों से बंद है जिसे दोबारा शुरू कराये जाने की जरूरत है। माइंस बंद होने से सैकड़ों स्थानीय मजदूर बेरोजगार हो गये है। जाहिर है कि माइंस के पुनः चालू होने से बेरोजगार मजदूरों को फिर रोजगार मिल सकेगा। सांसद ने केंद्रीय खान मंत्री से कहा कि एचसीएल की ताम्र खदानों को यथाशीघ्र शुरू कराना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि कॉपर खदानों को छोड़कर क्षेत्र में रोजगार का कोई अन्य विकल्प नहीं है। इस दौरान सांसद प्रतिनिधि दिनेश साव, भाजपा के जिला महामंत्री हराधन सिंह, सुशील शर्मा भी उपस्थित थे। सांसद विद्युतवरण महतो ने केंद्रीय खान मंत्री से मुसाबनी प्रखंड क्षेत्र स्थित एचसीएल की धोबनी, किशनगढ़िया और पाथरगोड़ा माइंस को भी नए सिरे से चालू करने की मांग किया है। सांसद ने कहा कि तीनों खदानों में कॉपर के साथ अन्य बहुमूल्य धातु भी विद्यमान है। ये तीनों खदान लंबे समय से बंद है जिसे नए सिरे से चालू कराने की जरूरत है। सांसद ने कहा कि तीनों खदानों के चालू होने से भारत कॉपर के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकेगा तथा देश की आर्थिक स्थिति पर भी सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा। वहीं, ताम्र खदानों के चालू होने से हजारों की संख्या में रोजगार के अवसर पैदा होंगे तथा क्षेत्र का भी विकास संभव हो सकेगा। सांसद विद्युतवरण महतो ने केंद्रीय खान मंत्री किशन रेड्डी से मऊभण्डार स्थित स्मेल्टर प्लांट को चालू कराने की मांग किया है। इस दौरान सांसद ने केन्द्रीय मंत्री के समक्ष प्लांट को लेकर अपना सुझाव भी रखा। सांसद ने कहा कि एचसीएल ने मऊभंडार में प्लांट को दिसंबर 2019 से बंद रखा है। प्लांट बंद होने से हजारों मजदूर बेरोजगार हो गए है जिससे क्षेत्र का माहौल भी खराब हो रहा है। उन्होंने कहा कि मऊभंडार प्लांट का मॉर्डनाइजेशन कर और कॉपर अयस्क की उपलब्धता को सुनिश्चित कर दोबारा चालू किया जा सकता है। सांसद ने खान मंत्री के समक्ष सुझाव रखा कि सुरदा और केंदाडीह माइंस के शुरू होने के साथ ही राखाकॉपर व चापड़ी माइंस तथा मऊभण्डार प्लांट को एक साथ शुरू कराने की पहल की जाएं ताकि राखाकॉपर खदान को विकसित करने के दौरान ही मऊभण्डार प्लांट को चालू करने की स्थिति में लाया जा सकें। सांसद ने कहा कि सुरदा, केंदाडीह एवं राखाकॉपर माइंस के चालू होने के बाद प्लांट को चालू करने की रणनीति बनाने से समय काफी ज्यादा लगेगा जिससे मऊभण्डार पूरी तरह वीरान हो जाएगा। ऐसे में जरूरी है कि राखाकॉपर माइंस को डेवलप करने के दौरान ही मऊभण्डार प्लांट को भी मॉर्डनाइज कर चालू करने योग्य बनाया जाएं। ऐसा करने से समय कम लगेगा और सभी कॉपर खदानों के चालू होने के साथ ही मऊभण्डार प्लांट भी चालू हो जाएगा। प्लांट के चालू होने से बड़ी संख्या में स्थानीय मजदूरों को रोजगार मिल सकेगा और क्षेत्र में भी खुशहाली देखने मिल सकेगा।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने की बैठक, दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल ने मतदाता सूची को स्वच्छ और त्रुटिरहित रखने के लिए ईआरओ, एईआरओ, बीएलओ और सुपरवाइजर के साथ बैठक की। गुरुवार को बैठक के दौरान उन्होंने 48 जमशेदपुर पूर्वी और 49 जमशेदपुर पश्चिमी क्षेत्र के 87 मतदान केंद्र में बीएलओ द्वारा घर-घर सर्वे में पूर्व के पते पर मतदाता सूची से निर्बाधित नाम को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मौके पर संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी व राज्य निर्वाचन आयोग सुबोध कुमार मौजूद रहे। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा मतदाता सूची को स्वच्छ व त्रुटिरहित रखना आवश्यक है। जिसका परिणाम चुनाव के दौरान वोटिंग प्रतिशत से परिलक्षित होता है। उन्होंने सभी बीएलओ को घर-घर सत्यापन में जो मतदाता शिफ्ट होगये या नए वोटर हैं उनका मतदाता सूची में नाम निबंधन की कार्रवाई करने का निर्देश दिए।बैठक में उन्होंने बीएलओ से भी इस बाबत सुझाव मांगे। बीएलओ ने बताया शिफ्टेड मतदाताओं से संपर्क करने पर उनके द्वारा नाम विलोपन पर अनिच्छा जाहिर की जाती है। आवश्यक सहयोग नहीं करते। मतदाता साफ-साफ कहते हैं उन्हें पुराने स्थान से अब कोई मतलब नहीं है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा निजी कंपनी प्रबंधन के साथ बैठक कर इस समस्या से अवगत कराया गया है। उनके द्वारा शिफ्टेड मतदाताओं का नए पता या मोबाइल नंबर उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। संबंधित मतदाताओं को डाक द्वारा नोटिस भेजा जायेगा। उन्होने बीएलओ और बीएलओ सुपरवाइजर से संबंधित क्षेत्र के बीएलओ से संपर्क कर यथोचित कार्रवाई हेतु निर्देशित किया। संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार ने कहा शहरी क्षेत्र में कंपनी कर्मियों के स्थानांतरण पर अपेक्षित सहयोग नहीं प्रदान करने से मतदाता सूची में विसंगतिया काफी होती हैं। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 27 अगस्त को किया जाएगा। सभी बीएलओ इस दिशा में कार्य करें। उन्होने कहा राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा बेहतर कार्य करने वाले बीएलओ को सम्मानित भी किया जायेगा। मौके पर अपर उपायुक्त योगेन्द्र प्रसाद, उप निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती प्रियंका सिंह, एसडीएम धालभूम पारूल सिंह, एसडीएम घाटशिला सच्चिदांनद महतो सहित दोनों विधानसभा क्षेत्र के एईआरओ उपस्थित रहे।

झारखंड विरोधी ताकतों को सबक सिखाने के लिए कमर कस चुकी है जनता: मिथिलेश

राजद प्रदेश उपाध्यक्ष, सचिव, पूर्व प्रत्याशी सहित दो दर्जन से अधिक लोग झामुमो में शामिल

आजाद सिपाही संवाददाता

पार्टी में शामिल लोगों के साथ मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर

गढ़वा। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रदेश सचिव, पलामू लोकसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी सहित दो दर्जन से अधिक लोगों ने राजद व भाजपा छोड़कर झामुमो का दामन थाम लिया है। सभी ने गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल और स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के रांची स्थित आवास पर झामुमो की सदस्यता ग्रहण की। मंत्री श्री ठाकुर ने सभी को माला व पार्टी का पट्टा पहनकर और मिठाई खिलाकर झामुमो में शामिल किया।

पार्टी में शामिल होने वालों में मुख्य रूप से राजद प्रदेश उपाध्यक्ष मो. फरीद, राजद प्रदेश सचिव डॉ. मकबूल आलम खान, पलामू लोक सभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी दिनेश पासवान, राजद जिला सचिव बंधु राम, चिनियां के आसिवासी नेता बलराम सिंह, राजद के चिनियां प्रखंड सचिव असमुद्दीन अंसारी, शैफ रजा, राजद के बिलैती खैर पंचायत अध्यक्ष पवन कुमार ठाकुर, बिलैती खैर भाजपा बूथ प्रभारी मोतीलाल पासवान, सद्दाम मंसूरी, इमरान हाशमी, मुख्तार हुसैन आदि का नाम शामिल है।

मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार भाजपा की पूरी टीम के साथ लगातार झारखंड और झारखंडवासियों को तबाह करने के लिए एक से बढ़कर एक साजिश रच रही है। परंतु पिछले पांच वर्षों में झारखंड वासियों ने यह साबित कर दिया है कि झारखंड के विपरीत मानसिकता के लोगों का यहां कोई गुजारा नहीं है। झारखंड के लोग अपने हक एवं अधिकार को, अपने हितैषी लोगों को अच्छी तरह से जानते हैं। यही कारण है कि गत लोकसभा चुनाव में राज्य की जनता ने झारखंड विरोधी ताकतों को मुंहतोड़ जवाब दिया है। साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव में भी राज्य की जनता झारखंड विरोधी ताकतों को सबक सिखलाने के लिए कमर कस कर तैयार बैठी है। मंत्री ने कहा कि झामुमो के प्रति जन-जन के विश्वास में वृद्धि हुई है। इसी के परिणाम स्वरूप गढ़वा समेत पूरे झारखंड में लोग झामुमो का दामन थाम रहे हैं। आज विभिन्न राजनीतिक दलों के काफी संख्या में लोग पार्टी में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को झामुमो में शामिल होने से पार्टी की शक्ति में और वृद्धि हो रही है।

गोवावल उवि डुमरिया सहित तीन स्कूलों की चहारदीवारी का होगा निर्माण: मंत्री

गढ़वा (आजाद सिपाही)। गढ़वा विधानसभा क्षेत्र में एक करोड़ 34 लाख रुपये की लागत से तीन उच्च विद्यालयों की चहारदीवारी का निर्माण किया जायेगा। चहारदीवारी निर्माण किये जाने वाले विद्यालयों में गोवावल उच्च विद्यालय डुमरिया, उच्च विद्यालय पेसका और उच्च विद्यालय बाना का नाम शामिल है। जानकारी देते हुए गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल और स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने बताया कि गढ़वा प्रखंड के गोवावल उच्च विद्यालय डुमरिया में 83 लाख 60 हजार रुपये, मेराल प्रखंड के उच्च विद्यालय पेसका में 39 लाख छह हजार रुपये तथा उच्च विद्यालय बाना में 11 लाख 22 हजार रुपये की लागत से चहारदीवारी का निर्माण किया जायेगा। मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि यह तीनों योजनाएं अति महत्वपूर्ण हैं। चहारदीवारी के अभाव में इन विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। खासकर छात्राओं को काफी परेशानी हो रही थी। अब यहां के विद्यार्थी सुरक्षित महसूस करेंगे। उन्होंने कहा कि पूर्व के जन प्रतिनिधि की निष्क्रियता के कारण विद्यार्थियों को भी आवश्यक सुविधाएं नहीं मिल पा रही थी। मंत्री ने कहा कि चुनाव में अब विकास का मुद्दा समाप्त हो चुका है। इसलिए पूर्व के लोग फिर से अलग हथकंडा अपना कर भोली भाली जनता को ठगने के प्रयास में जुट गये हैं। परंतु जनता बेवकूफ नहीं है। मंत्री ने कहा कि झूठ बोलने से नहीं, बल्कि ईमानदारी पूर्वक किये गये प्रयास से ही विकास होता है।

गिरिनाथ सिंह ने पूर्व और वर्तमान विधायक को विकास विरोधी बताया

गढ़वा (आजाद सिपाही)। पूर्व मंत्री गिरिनाथ सिंह का परिवर्तन यात्रा 70 दिनों से निरंतर जारी है। इसी क्रम में पूर्व मंत्री का परिवर्तन रथ पुनः रंका प्रखंड के दौरा किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री ने पिछले 15 सालों के कामों का जिक्र करते हुए कहा कि सभी प्रखंडों में बिचौलिया गिरी बड़े स्तर पर व्याप्त है। आम जनमानस इस विचोलियांगिरी से त्रस्त और हताश है। पूर्व मंत्री ने अपने संबोधन के में कहा की मैं कोई बाहरी नेता नहीं हूं। यही का बेटा और आपके सुःख दुःख का साथी हूं। इस विधानसभा को 10 साल सतेंद्र नाथ तिवारी ने लुटा और पिछले 5 साल पेयजल मंत्री सह विधायक मिथलेश ठाकुर ने लुटने का काम किया। गिरिनाथ सिंह ने अपने कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि हमने पूल, पुलिया, स्वस्थ, शिक्षा पर काम किया था। वो मेरा कर्तव्य था। मैंने कोई एहसान नहीं किया, ये आपका हक था। हमारा रिश्ता आप सभी के साथ जन्म-जन्मांतर का है। रंका प्रखंड का विकास जितना होना चाहिए था उतना नहीं हुआ। पिछले 15 सालों में क्षेत्र का विकास जस का तस पड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है।

JAPIT
Jharkhand Agency for Promotion of Information Technology
(An Autonomous body under Department of Information Technology, Govt of Jharkhand)
Ground Floor, Engineer's Hostel – I, Near Golchakkar, Dhurwa, Ranchi, Jharkhand
Phone. 0651-2401044, 2401067 e-mail: japit_doit@rediffmail.com

**Request For Proposal (RFP)
for Empanelment of Agencies
under Rate Contract for
Scanning, Digitization and Document Management System**

Tender Reference No.: JAP-IT/RC/Digitization/01/2024

Jharkhand Agency for Promotion of Information Technology (JAP-IT), an autonomous body under Department of Information Technology and e-Governance, Government of Jharkhand here in after referred as "purchaser" invites online bids for "Empanelment of Agencies under Rate Contract for Scanning, Digitization and Document Management System".

The detail about the Tender is as below:

1.	Tender No.	**JAP -IT/RC/Digitization/01/2024**
2.	Name of the Work	Request of proposal for "Empanelment of Agencies under Rate Contract for Scanning, Digitization and Document Management System"
3.	Name of the issuer of this tender	The CEO, Jharkhand Agency for Promotion of Information Technology (JAP -IT), Ground Floor, Engineers Hostel -1, Nea r Golchakkar, Dhurwa, Ranchi - 834004 Tel: 0651 -2401044/67 Website: https://japit.jharkhand.gov.in
4.	Tender Fee	Non-refundable Tender cost of INR 10, 000.00 (Rupees Ten Thousand Only) through online mode as mentioned in terms and conditions of Jharkhand e -procurement portal.
5.	Earnest Money Deposit	Earnest Money Deposit **INR 20,00,000.00 (Twenty Lakhs Only)** valid for 180 days through online mode as per terms and conditions of Jharkhand e procurement portal.
6.	Start Date of downloading tender document	**02/08/2024** at 11:30 AM
7.	Last Date for sending Pre -Bid Query	**12/08/2024**
8.	Date and Time of Pre -Bid Meeting	**14/08/2024** at 03:00 PM
9.	Start Date & Time for Submission of Bids	**20/08/2024** at 03:00 PM
10.	Last Date/Time for Submission of Bids online	**27/08/2024** at 03:00 PM
11.	Date of Opening of Pre -Qualification and Technical Bids	**28/08/2024** at 03:30PM
12.	Date of Commercial Bid opening	To be Informed later
13.	Place of Pre -Bid Meeting/ Communication/ Bid Submission/ Bid Opening	JAP -IT, Ground Floor, Engineers Hostel 1, Near Golchakkar, Dhurwa, Ranchi - 834004
14.	Contact/ Pre -Bid query e -mail Id	japit_doit@rediffmail.com , ceo.japit@jharkhandmail.gov.in

Interested participants may download the RFP document from the portal https://jharkhandtenders.gov.in

Sd /-
OSD, JAP-IT

PR 331503 (Information Technology) 24-25 (D)

मछली पकड़ने के दौरान एक 70 वर्षीय व्यक्ति की मौत

धुरकी (आजाद सिपाही)। धुरकी थाना क्षेत्र के पनघटवा डैम में मछली पकड़ने के दौरान पनघटवा गांव निवासी सीताराम उम्र करीब 70 वर्ष व्यक्ति की मौत हो गयी। सूत्रे के अनुसार वह व्यक्ति द्वारा मछली पकड़ने के लिए लगाये गये जाल में खुद फंस जाने के कारण पानी में डूब कर मौत हो गयी है। ग्रामीणों ने बताया कि घर से सुबह 6 बजे निकला था, जब काफी देर तक घर वापस नहीं आया, तब उसके घर वाले खोजबीन करने लगे। उसी क्रम में पंनघटावा डेम के पास मृतक का कपड़ा देख कर लोगों को पता चला की इधर ही कहीं आया है। उसके बाद घर वाले खोजने के लिए नाव को लेकर आये, थोड़ी देर बाद शव पानी में तैरता हुआ दिखायी दिया, उसके बाद पहचान हुई। मौके पर धुरकी पुलिस पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु गढ़वा अस्पताल भेज दिया है।

धार्मिक उन्माद फैलानेवाले सहयोगी शिक्षक को हटाया गया

दूसरे प्रखंड के विद्यालय में प्रतिनियोजित कर उसके क्रियाकलापों की हो रही है जांच

आजाद सिपाही संवाददाता

मामले की जांच करते बीडीओ।

भवनाथपुर। उत्क्रमित मध्य विद्यालय धंगरडीहा में पदस्थापित सहयोगी शिक्षक शेख तौहीद द्वारा धार्मिक उन्माद फैलाने के उद्देश्य से विद्यालय के बच्चों को सरस्वती वंदना करने से रोकने तथा शिक्षक के साथ धक्का मुक्की किये जाने संबंधी खबर बीते बुधवार को अखबारों में प्रकाशित होने के बाद गढ़वा उपायुक्त के निर्देश पर गुरुवार को शिक्षा अधीक्षक के द्वारा सहयोगी शिक्षक शेख तौहीद को तत्काल प्रभाव से गढ़वा जिलांतर्गत भंडरिया प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय हरता में प्रतिनियोजित कर दिया गया। डीएसई के ज्ञापांक 605 दिनांक 1अगस्त 2024 में उल्लेख किया गया है, कि थाना प्रभारी भवनाथपुर के थाना ज्ञापांक 1808/ 2024 दिनांक 31 जुलाई 2024 के द्वारा प्रतिवेदन के माध्यम से सूचित किया गया कि उत्क्र. मवि धंगरडीहा के सहायक शिक्षक शेख तौहीद द्वारा अध्यापन कार्य छोड़कर धार्मिक उन्माद फैलाने का कार्य किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में विधि व्यवस्था की गंभीर समस्या उत्पन्न हो सकती है, जो सरकारी आचार नियमावली के प्रतिकूल है। उपरोक्त पत्र के आलोक में गढ़वा उपायुक्त के निदेर्शानुसार सहयोगी शिक्षक शेख तौहीद को भवनाथपुर से उत्क्र. मवि हरता 2 भंडरिया में अगले आदेश तक प्रतिनियोजित किया जाता है, साथ ही बीईईओ को निर्देशित गया कि पत्र प्राप्ति के साथ ही संबंधित शिक्षक को प्रतिनियोजित विद्यालय में योगदान हेतु तत्काल विरमित करने एवं उक्त शिक्षक के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई किये जाने हेतु जांच प्रतिवेदन तत्काल समर्पित करने का निर्देश दिया गया है।

गढ़वा उपायुक्त और डीएसई के निर्देश पर बीडीओ व बीपीओ ने की मामले की जांच : बीडीओ नंदजी राम और बीपीओ रविंद्र कुमार मेहता ने गुरुवार को उत्क्रमित मध्य विद्यालय धंगरडीहा पहुंचकर मामले की जांच की। इस दौरान पदाधिकारियों ने विद्यालय के अन्य शिक्षकों, विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों तथा विद्यालय के छात्र छात्राओं से सहयोगी शिक्षक शेख तौहीद के विद्यालय में क्रिया कलापों की जानकारी ली। जिस पर शिक्षक, छात्र छात्राओं तथा प्रबंध समिति के सदस्यों ने उन्हें बताया कि सहायक शिक्षक शेख तौहीद बीते बुधवार को प्रार्थना के बाद बच्चो को सरस्वती वंदना बजाने से रोकते हुए साउंड सिस्टम को पटक कर तोड़ दिया अन्य शिक्षकों द्वारा उन्हें ऐसा करने से मना करने पर हाथापाई भी करने लगे साथ ही वे विद्यालय में सरस्वती पूजा का विरोध करते है। बताया कि पूर्व में भी उनके द्वारा जवानों के शहीद होने पर विद्यालय में मिठाई बांट कर जश्न मनाने पर काफी बवाल हुआ था। वें विद्यालय में धार्मिक उन्माद फैलाने का कई बार प्रयास कर चुके है। इस मामले में पदाधिकारियों ने बताया कि संबंधित मामले की जांच की गई है, उन्होंने जांच प्रतिवेदन उच्चाधिकारियों को सौंपने की बात कही।

**DISTRICT LEGAL SERVICES AUTHORITY, HAZARIBAGH
CIVIL COURT, HAZARIBAGH
Mobile No:- 9939201624 e-mail:-dlsahazaribag@gmail.com**

Advertisement No. DLSA/HZB/LADCS-02/2024 Date:- 01.08.2024

Applications are hereby invited from eligible lawyers having requisite qualifications ***for contractual full time engagement*** for the post of ***Chief Legal Aid Defense Counsel*** (No. of Lawyers to be engaged - **01**)

The Scheme of engagement and requisite qualifications as well as application form are available on the website of the Civil Court, Hazaribagh i.e (https://hazaribag.dcourts.gov.in) as well as on the Notice Board of DLSA, Hazaribagh. The duly filled application form along with self-attested copies of documents addressed to **"The Chairman, District Legal Services Authority, Civil Court, Hazaribagh PIN :- 825301",** shall be submitted to the office of DLSA, Hazaribagh, through speed post or in an envelope personally in the office of Secretary, DLSA on or **before 21st August, 2024 by 17:00 Hrs.** Any application received after due date and time shall not be considered.

sd/-
**Principal District Judge cum Chairman,
DLSA, Hazaribagh**

PR 331461 Law(24-25).D

महत्वाकांक्षी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचायें : नितेश सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

रंका। झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं को जन जन तक पहुंचायें। उक्त बातें रमकंडा प्रखण्ड झारखंड मुक्ति मोर्चा कार्यालय में आयोजित कार्यकर्ता बैठक को संबोधित करते हुए जिला बीस सूत्रि उपाध्यक्ष नितेश सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि जन कल्याणकारी योजनाओं से वंचित लोगों को कार्यकर्ता लाभ पहुंचा कल झारखंड मुक्ति मोर्चा को मजबूती प्रदान करें। इस बैठक में मजबूत और सशक्त बुथ कमेटी बनाने, झारखंड मुख्यमंत्री मइयां सम्मान योजना के तहत 21 से 49 वर्ष के बेटी बहन को फार्म भर कर पदाधिकारी को स्वीकृती हेतु समर्पित करने, मंत्री मिथिलेश ठाकुर के द्वारा कराये जा रहे विकास योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने, जनवितरण प्रणाली दुकानदार का शिकायत मिलता है तो मजबूती से राशन वितरण कराना और त्वरित कार्यवाई कराने, हर बुथ में फूलों झानों योजना का लाभ किन्हें मिला किन्हें नहीं मिला वंचित लोगों को हर हाल में इसका लाभ दिलाना सुनिश्चित करने, अबुआ आवास का लाभ सभी वंचित लोगों को मिले यह कार्यकर्ता सुनिश्चित करेंगे और उन्हें यह संतुष्ट करेंगे कि सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में जो आवेदन किया गया था उन्हें भी इसका लाभ मिलेगा। साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव जीतने के बाद मंत्री मिथिलेश ठाकुर की सोंच है कि गढ़वा विधानसभा क्षेत्र में बड़ा उद्योग और फैक्ट्री लगाना है और जो हमारे सशक्त युवा कार्यकर्ता बेरोजगार हैं उनको यहीं पर रोजगार दिलाया जाएगा ताकि लोगों को बाहर नहीं जाना पड़े। इस बात को सभी कार्यकर्ता अपने बुथ स्तर पर प्रचार प्रसार करेंगे, इस बात का निर्णय लिया गया। इस मौके पर झामुमो के केंद्रीय सदस्य राजकिशोर यादव, युवा जिलाध्यक्ष विधायक प्रतिनिधि संजय सिंह छोटू, मुखिया श्रवण कमलापुरी, फिरोज मंसूरी, युवा अनुमंडल अध्यक्ष पप्पू यादव, मनोज गुप्ता सहित काफी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री मंइयां समान योजना को लेकर विशेष शिविर का आयोजन

सगमा (आजाद सिपाही)। प्रखंड में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान निधि योजना को लेकर विशेष शिविर लगने हेतु स्थल के साथ समय निर्धारित। गौरतलब है कि झारखंड सरकार द्वारा प्रदेश में रहने वाले 21 वर्ष से 50 वर्ष तक के सभी महिलाओं को प्रत्येक माह एक हजार रुपये प्रदान किया जाना है, जिसका आवेदन सभी पंचायत सचिवालय में विशेष शिविर के माध्यम से लिया जायेगा। उक्त शिविर में नोडल पदाधिकारी पदस्थापन किया गया है। उक्त योजना में शामिल होने वाले महिलाओं को झारखंड का निवासी होना अनिवार्य है, सभी महिला अपने साथ आधार कार्ड राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र के साथ मोबाइल नंबर लेकर जाना होगा। शिविर का आयोजन 3 अगस्त को पंचायत सचिवालय घघरी नोडल पदाधिकारी सुरेंद्र ठाकुर पंचायत सचिवालय बीरबल में 5 अगस्त समय दस बजे से नोडल पदाधिकारी के रूप में प्रिया कुमारी को बनाया गया है, जबकि 6 अगस्त को दस बजे दिन से नोडल पदाधिकारी के रूप में सूर्यदेव सिंह, वहीं पंचायत सचिवालय सोनडीहा में दस बजे दिन से नोडल पदाधिकारी के रूप में सुरेंद्र ठाकुर, 6 अगस्त को पंचायत सचिवालय सगमा में दस बजे दिन से नोडल पदाधिकारी के रूप में सुरेंद्र ठाकुर, इसी प्रकार 8 अगस्त को पंचायत सचिवालय कट्टर कला में दिन के दस बजे से नोडल पदाधिकारी सूर्यदेव सिंह को बनाया गया है।

**Information & Public Relations Department
Government of Jharkhand
Suchana Bhawan, Meur's Road, Beside- Audrey House, Ranchi,Jharkhand-834008
E-mail: iprd123@gmail.com**

NIT No: 1122 Dated: 01-08-2024

Invitation for Expression of Interest (EOI)

Name of Work: Expression of Interest (EOI) for Empanelment of Advertising Agencies for carrying out social media activities and fixation of rate for different kinds of advertisements on social media platforms.

Information & Public Relations Department, Government of Jharkhand, invites online applications against Expression of Interest (EOI) on the website https://jharkhandtenders.gov.in from the eligible bidders/applicants having valid Digital Signature Certificate (DSC) issued from any agency authorized by Controller of Certifying Authority (CCA),Govt. of India and which can be traced up to the chain of trust to the Root Certificate of CCA, for "**Expression of Interest (EOI) for Empanelment of Advertising Agencies for carrying out social media activities and fixation of rate for different kinds of advertisements on social media platforms."**

1. **TIME SCHEDULE OF EOI INVITATION**

SN	Particulars	Date	Time
1	EOI e-Publication Date	01-08-2024	**06:30 PM**
2	Document Download Start Date	01-08-2024	**06:30 PM**
3	Document Download End Date	08-08-2024	**06:30 PM**
4	Bid/Application Submission Start Date	01-08-2024	**06:30 PM**
5	**Bid/Application Submission End Date**	08-08-2024	**06:30 PM**
6	Bid/Application Opening date	12-08-2024	**01:30 PM**

2. **AVAILABILITY OF EOI DOCUMENTS:** The EOI document, including terms and conditions of work is available on e-procurement portal (https://jharkhandtenders.gov.in), as per the time schedule mentioned above in table and can be downloaded directly from the above websites.

**Director,
Information & Public Relations Department,
Govt. of Jharkhand**

PR 331543 IPRD (24-25)_D

भाजपा ने सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगा कर पुतला फूंका

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। भाजपा जिलाध्यक्ष ठाकुर प्रसाद महतो की अध्यक्षता एवं नगर मंडल अध्यक्ष उमेश कश्यप के नेतृत्व में हेमंत सरकार द्वारा विधानसभा में भाजपा विधायकों द्वारा उठाया गया सभी विभागों में कार्यरत अनुबंधकमीयो का स्थायीकरण वादा के अनुसार पांच लाख युवाओं को रोजगार नहीं देने एवं विधानसभा में मांग नहीं मानने तानाशाही रवैया के खिलाफ पुतला फुंका गया। मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष ठाकुर प्रसाद महतो ने कहा कि झामुमो सरकार झारखंड में युवाओं महिलाओं गरीबों को धोखा देने का काम किया है हेमंत सरकार तानाशाह बन चुकी है चारों तरफ गुंडाराज माफिया राज बड़े पैमाने पर बढ़ा है उन्होंने कहा कि जनहित में आंदोलन कर रहे भाजपा विधायकों को विधानसभा में जिस तरह से प्रताड़ित किया गया। यह तानाशाह रवैया को स्पष्ट कर रहा है। भाजपा नेता मुकेश निरंजन सिन्हा ने कहा कि झामुमो सरकार में बैठे मंत्री विधायक के तानाशाही से जनता त्राहिमाम कर रही है। आनेवाले दिनों में जनता ऐसे निकम्मे झामुमो सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए संकल्पित है

भाजपा जिला महामंत्री संतोष दुबे ने कहा कि हेमंत सरकार तानाशाह बन चुका है ऐसी निकम्मी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए जनता तैयार बैठा है उन्होंने कहा कि झामुमो सरकार ने जनता को धोखा देने का काम किया है। गढ़वा सहित पूरे झारखंड में झामुमो का गुंडाराज चल रहा है।

मौके पर भाजपा नेता भगत सिंह साहू राजीव राज तिवारी राजीव रंजन तिवारी हरेन्द्र दुबे रितेश चौबे मुन्ना तिवारी गिरिंद्र पाण्डेय विनोद चन्द्रवंशी चंदन जायसवाल कैलाश कश्यप यशवंत मिश्रा राकेश शंकर गुप्ता बंधु राम सुप्रीत केसरी धनंजय गोंड टींकु गुप्ता विशाल गुप्ता गौरी बिंद सुरेंद्र विश्वकर्मा शुभम् गुप्ता कमलेश निरंजन सिन्हा उदय मेहता अविनाश पासवान रंजीत चौरसिया खुर्शीद आलम शनि चंद्रवंशी मनीष गुप्ता विकास तिवारी प्रिंस तिवारी ओमप्रकाश पासवान सहित अन्य कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

JHARKHAND URJA SANCHARAN NIGAM LIMITED
(CIN No. – U40108JH2013SGC001704)
Office of the General Manager
Transmission Zone-V, Hazaribag,
Office At - Sringari Complex, 1st Floor, Canary Hill Road, Near Mont Fort School, Hazaribag, Pin – 825301, JH, eMail ID:- gmtzone5hzb@gmail.com

TENDER NOTICE

Sealed tender in two parts Technical part- I and Price Part – II are invited from reputed, financially sound & experienced contractors for the work mentioned below:-

Sl. No.	N.I.T. No.	Description of Work	Earnest Money Deposit(Rs.)	Cost of Tender (Non Refundable)(Rs.)
01	**128/PR/JUSNL/ 2024-25**	Requirement of Safety materials & other measuring instruments for day to day maintenance work at 220/132/33KV Grid Sub-station Jainamore under Transmission Circle, Dhanbad on urgent basis.	Rs. 23,200.00/-	Rs.2500+18%GST = Rs.2950/-
02	**129/PR/JUSNL/ 2024-25**	Requirement of Electrical maintenance material for maintenance work at of 220/132/33KV Grid Sub Station, Itkhori (Chatra) under Transmission Circle, Hazaribag on urgent basis.	Rs. 22,200.00/-	Rs.2500+18%GST = Rs.2950/-
03	**130/PR/JUSNL/ 2024-25**	Requirement of Furnitures and office items for 132/33KV GSS, Chandankyari, Bokaro .	Rs. 8,700.00/-	Rs.750+18%GST = Rs.885/-
04	**131/PR/JUSNL/ 2024-25**	Requirement for consumable and electrical spare materials for 220/132/33KV GSS, Govidnpur, Dhanbad.	Rs. 15,700.00/-	Rs.1250+18%GST = Rs.1475/-

1) Start Date and Time for sale of Tender Documents - 07/08/2024 from 1:00PM
2) Last Date and Time for sale of Tender Documents - 28/08/2024 upto 2:00PM
3) Last Date and Time for receipt of Tender Document - 29/08/2024 upto 2:00PM
4) BID Opening date for Technical part - I - 29/08/2024 at 3:00PM
5) BID Opening date for Price Part – II - Will be communicated Later on

Tender document with detailed terms and condition may be obtained from office of the General Manager, Transmission Zone -V, Sringari Complex, Canary Hill Road, Hazaribag – 825301.
For any clarification please contact Phone No.: 06546-270375.

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकयतों को टॉल फ्री नं० 1800 345 6570 पर दर्ज करायें।

Sd/-
General Manager
Trans Zone-V, (Hazaribag)

PR 331441 Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd(24-25)D

खलारी के केडी नेहरू स्टेडियम में श्रावणी मेला सह मीना बाजार का हुआ उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी में श्रावणी मेला उद्घाटन के मौके पर उपस्थित अतिथिगण।

खलारी। खलारी के केडी नेहरू स्टेडियम में गुरूवार को श्रावणी मेला सह मीना बाजार का भव्य उद्घाटन किया गया। खलारी सीओ प्रणव अंबष्ट, बीडीओ संतोष कुमार, इंस्पेक्टर विजय कुमार सिंह, पीओ अनिल कुमार सिंह सहित अन्य अतिथियों ने नारियल फोड़कर तथा फीता काटकर मेले का उद्घाटन किया। इससे पूर्व पुजारी सवार्नंद दुबे ने मंत्रोच्चारण कर पूजन कराया। वक्ताओं ने इस मेले के महत्व को बताया। अतिथियों ने कहा कि यह मेला वर्ष 1987 से लग रहा है। इस तरह के मेले पारंपरिक मनोरंजन के साधन होते हैं। अपील किया गया कि खलारी कोयलांचल के लोग परिवार के साथ आकर मेले का आनंद लें। इस भव्य आयोजन के लिए मेला समिति को धन्यवाद दिया। उल्लेखनीय है लगभग चालीस दशक से केडी खलारी के इस स्टेडियम में श्रावणी मेला लगता आ रहा है। मेला लगभग एक माह तक रहता है। आधुनिक इलेक्ट्रोनिक मनोरंजन मोबाइल, टीवी आदि से उब चुके लोगों के लिए इस मेले में आकर मनोरंजन में नयापन मिलता है। खासकर महिलाएं, बच्चे इस श्रावणी मेले में खूब आते हैं। संचालन तनवीर आलम ने किया। स्वागत भाषण मेला समिति के संयोजक राजन सिंह राजा ने दिया। आये अतिथियों ने भी बारी-बारी से अपनी बातें रखी। उद्घाटन समारोह में अंचल अधिकारी खलारी प्रणव अंबष्ट, प्रखंड विकास पदाधिकारी खलारी संतोष कुमार, परियोजना पदाधिकारी केडीएच अनिल कुमार सिंह, थाना प्रभारी पुनि विजय कुमार सिंह, सुरेश बैठा, इंदिरा देवी, चंदन बैठा, रांची प्रेस क्लब के कोषाध्यक्ष कुबेर सिंह, राजेश सिंह मिंटू, अब्दुल्ला अंसारी, सुनील कुमार सिंह, प्रेम कुमार, डीपी सिंह, सुनील सिंह, सोनू पांडेय, एसएन सिंह, शैलेश कुमार, शैलेश कुमार सिंह, सत्येंद्र सिंह, विक्की सिंह, मदन, शत्रुंजय, गोपाल, आनंद, कार्तिक, अनिल, कृष्णा, अरविंद, रोशन लाल, धीरज बहादुर, जेड एच खान, रमेश, मुन्नू, मुन्ना देवी, नीलू विश्वकर्मा, मनोज यादव सहित मेला समिति के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और आस पास के लोग उपस्थित थे।

सिल्ली-मुरी स्थित सिंगपुर नर्सिंग होम गरीबों के लिए वरदान साबित हो रहा

आजाद सिपाही संवाददाता

मुरी। सिल्ली-मुरी स्थित सिंगपुर नर्सिंग होम इन दिनों गरीबों के लिए वरदान साबित हो रहा है। यहां सरकार द्वारा संचालित आयुष्मान योजना के तहत 30 से 40 मरीजों का इलाज मुफ्त में प्रतिदिन किया जा रहा है और यहां सौ बेड का अस्पताल है। सिंगपुर नर्सिंग होम में हर तरह का इलाज आयुष्मान कार्ड से किया जा रहा है। इस नर्सिंग होम में बुंडू, तमाड़ अड़की, सोनाहातू, राहे, गोला, रामगढ़, पेटरवार, बोकारो और चास के अलावे बंगाल के पुरुलिया, झालदा, जयपुर और दुगार्पुर आदि जगहों से लोग अपने इलाज के लिए यहां पहुंच रहे हैं और स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। यहां के डॉक्टर रमनेश कुमार मरीजों के लिए 24 घंटे सेवा में लगे हुए हैं। पिछले दिनों खुंटी के तेरोम गांव के गंझु पाहन सभी जगह से इलाज करा कर परेशान हो गये थे, ऐसे में सिंहपुर नर्सिंग होम के इलाज उनके लिए वरदान साबित हुआ।

गंझू पाहन ने कहा कि डॉ रमनेश कुमार पांच परगना के लिए भगवान से कम नहीं हैं, मैं बहुत जगह के डॉक्टरों को दिखाया, लेकिन बेकार साबित हुआ। सिंगपुर आकर मैं जिंदा बच पाया। गांव में नीम हकीम झोलाछाप डॉक्टर से इलाज कराया गया, लेकिन सब बेकार साबित हुआ। इस अस्पताल में अपना ब्लड बैंक, अपना आक्सीजन प्लांट है। किसी भी तरह का जांच हो जाता है और गरीबों और मजदूरों के लिए यह नर्सिंग होम वरदान साबित हो रहा है।

पिपरवार के एसओ सिविल बिपिन कुमार ने किया आइआरबी थ्री कैंप का निरीक्षण

आइआरबी कैंप एसओसी का स्वागत करते पुलिसकर्मी।

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के स्टाफ ऑफिसर सिविल बिपिन कुमार ने गुरुवार को इंडिया रिजर्व बटालियन आईआरबी-थ्री के पिपरवार कैंप का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान आईआरबी कैंप पहुंचने पर पुलिस मेंस एसोसिएशन के प्रतिनिधियो ने एसओसी का बुके देकर स्वागत किया। जिसके बाद एसओसी बिपिन कुमार ने विभागीय अधिकारियों के साथ कैंप परिसर का औचक निरीक्षण किया और समस्या से अवगत हुए। इस दौरान कैंप के पुलिस पदाधिकारी और जवानों ने कैंप की कई समस्या से उन्हें अवगत कराते हुए इसके समाधान की मांग की। इस दौरान पुलिस आवासन के लिए बैरक बनाने, संतरी पोस्ट की मरम्मति, सीपीसी हैंटी स्टोर, वाहन पार्किंग बनाने की मांग की गयी। वहीं एसओसी ने कैंप में नवनिर्मित रसोई और मेश का निरीक्षण किया। साथ ही समस्याओं का समाधान करने का भरोसा दिया। इस मौके पर सिविल इंजीनियर शुभम कुमार, नागेंद्र राम,पुलिस मेंस एसोसिएशन के अध्यक्ष शमशेर खान,उपाध्यक्ष विजय केरकेटा,संयुक्त मंत्री सुशील कुमार पांडेय, केंद्रीय सदस्य राजीव रवि, सब इंस्पेक्टर सत्येंद्र मिश्रा, रंजीत कुमार, मंटू कुमार, परेश मरांडी, प्रहलाद सिंह, मिथिलेश यादव, जोसेफ उरांव, पवन, बिजेंद्र चौबे, पवन, सुशील पाल, राजीव रंजन, सुरेश प्रजापति, प्रदीप रजक सहित कैंप के कई पुलिस पदाधिकारी और जवान मौजूद थे।

पिपरवार जीएम ऑफिस में सेवानिवृत्त सीसीएल कर्मियों को दी गयी विदाई

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के महाप्रबंधक सभागार में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह मे पिपरवार के विभिन्न परियोजना से सेवानिवृत हुए कुल आठ सीसीएल कर्मियों को विदाई दी गयी। इस विदाई सह सम्मान समारोह की अध्यक्षता पिपरवार महाप्रबंधक संजीव कुमार और संचालन कार्मिक प्रबंधक ज्योति कुशवाहा ने किया। विदाई समारोह के दौरान सेवानिवृत होने वाले कोयला कामगारों को महाप्रबंधक और अन्य अधिकारियों ने श्रीफल, प्रशस्ति पत्र, शॉल प्रदान कर सम्मानित किया और उपहार देकर विदाई दी। सेवानिवृत होने वाले सीसीएल कर्मियों में मुख्य रूप से ओएस अनुप सिकदर, सिक्योरिटी गार्ड सुरेश महतो, पंप ऑपरेटर कलपु महतो, ईपीएच गुज्जर महतो, ड्रील ऑपरेटर विगन साहु, सीनियर मैकेनिक राजदेव प्रजापति, ईपी वेल्डर बंधु मिस्त्री और टंडेल किटका महतो का नाम शामिल है। इस कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने सेवानिवृत कर्मियों के उज्जवल और सुखमय जीवन की कामना की। इस मौके पर स्टाफ ऑफिसर सिविल बिपिन कुमार,स्टाफ ऑफिसर सेफ्टी मुकेश तोषण, कार्मिक प्रबंधक ज्योति कुशवाहा, अशोक परियोजना कार्मिक प्रबंधक शिशिर गर्ग, कार्मिक प्रबंधक रवि बाड़ा, ज्योति कुशवाहा सहित अन्य अधिकारी और कोयला कामगार मौजूद थे।

दुर्घटना में मृतक और घायल के परिजन को मुआवजा मिलने के बाद हटाया सड़क जाम

कोल वाहन परिचालन के रोकथाम के लिए ग्रामीण करेंगे मुख्यमंत्री से मुलाकात

आजाद सिपाही संवाददाता

मृतक और घायल के आश्रित को चेक देते पदाधिकारी।

पिपरवार। पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र के कल्याणपूर के मंडेर गांव के पास 31 जुलाई की सुबह कोल वाहन से हुई भीषण सड़क दुर्घटना के बाद गुरूवार को दुसरे दिन कोल ट्रांसपोर्टर और ग्रामीणों के बीच वार्ता हुई, जिसमें मृतक और घायल के परिजन को मुआवजा राशि का चेक प्रदान करने के बाद ग्रामीणों के द्वारा सड़क जाम को हटाया गया। जानकारी के अनुसार 31 जुलाई को कल्याणपूर के मंडेर के पास तेज रफ्तार कोल वाहन ने बाईक सवार को अपनी चपेट मे ले लिया था, जिसमें रांची के हिंदपीढ़ी स्थित नेजाम नगर निवासी मोहम्मद कलीम की मौत हो गयी थी, वहीं इस हादसे मे मोहम्मद सद्दाम गंभीर रूप से घायल है, जिनका उपचार रांची मे चल रहा है। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने टंडवा-पिपरवार मुख्य मार्ग को जाम कर दिया, जिसके कारण उक्त मार्ग पर वाहनों का आवागमन बंद हो गया।

सीएम से मुलाकात करेंगे ग्रामीण

पिपरवार। टंडवा मुख्य मार्ग पर तेज रफ्तार कोल वाहनों के परिचालन से आये दिन हो रही दुर्घटना के रोकथाम के लिए कोयलांचल क्षेत्र के ग्रामीणों का एक प्रतिनिधि मंडल जल्द ही झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात करेगा। इस संबंध में मजदूर नेता अब्दुल्लाह अंसारी ने बताया कि पिपरवार टंडवा मुख्य मार्ग पर हो रहे कोल वाहनों के परिचालन को बंद कराने की मांग को लेकर जल्द ही ग्रामीणों का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा कि पब्लिक रूट पर मनमानी तरीके से हो रही कोयला ढुलायी के बारे में मुख्यमंत्री को जानकारी दी जायेगी। गुरुवार को मंडेर स्थित घटनास्थल पर हुई ग्रामीणों की बैठक में यह निर्णय लिया गया है।

इधर घटना के बाद देर रात टंडवा सीओं बिजय दास और थाना प्रभारी अनिल उरांव घटना स्थल पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली। वहीं मौके पर ग्रामीणों ने प्रशासनिक अधिकारियों को उपायुक्त के नाम ज्ञापन सौंपा, जिसमें मृतक और घायल के आश्रितो को उचित मुआवजा देने, दोनों के बच्चों को समुचित शिक्षा मुहैया कराने, परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने और टंडवा-पिपरवार मुख्य मार्ग पर कोल वाहनो का परिचालन बंद कराने की मांग की गयी। वहीं मांगो पर पर पहल नहीं होने के बाद ग्रामीणों का आक्रोश और बढ़ गया। सभी ग्रामीण धरना पर बैठकर जमकर नारेबाजी की। जिसके बाद गुरुवार की दोपहर स्थानीय ग्रामीण और कोल ट्रांसपोर्टरों के बीच वार्ता हुई। इस वार्ता मे ट्रांसपोर्ट कंपनी के द्वारा मृतक मोहम्मद कलीम के परिजन को चार लाख रुपये और घायल मोहम्मद सद्दाम के परिजन को तीन लाख रुपये का चेक प्रदान किया, जिसके बाद ग्रामीण शांत हुए और करीब 30 घंटे के बाद धरना को समाप्त करते हुए सड़क जाम को हटाया गया। जिसके बाद उक्त मार्ग पर आवागमन चालू हुआ। इस वार्ता मे टंडवा प्रमुख रीना कुमारी, उप प्रमुख जितेन्द्र सिंह, खलारी के पूर्व जिला परिषद सदस्य सह मजदुर नेता अब्दुल्लाह अंसारी, जेएमएम सिमरिया प्रभारी मनोज चंद्रा, रैयत विस्थापित मोर्चा के केंद्रीय उपाध्यक्ष इकबाल हुसैन, केंद्रीय सचिव रामचंद्र उरांव, पूर्व विधायक प्रत्याशी जितेंद्र कुमार, अब्दुल अंसारी, सुनील सिंह, सोनू पांडेय, हाजी जसीम, सलीम जावेद, क्युम अंसारी, पूर्व मुखिया सरोज देवी, शकील अंसारी सहित कई लोग मौजूद थे।

डीएवी स्कूल खलारी के बच्चों ने 12 विभिन्न स्पार्धाओं में 220 मेडल जीत कर इतिहास रचा

खलारी (आजाद सिपाही)। डीएवी राष्ट्रीय खेल 2024 के तहत क्लस्टर स्तरीय खेलों में डीएवी स्कूल खलारी के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन रहा। 23 जुलाई से 31 जुलाई तक झारखंड के विभिन्न जिलों में आयोजित हुए इन खेलों में डीएवी स्कूल खलारी के 254 बच्चों ने 12 विभिन्न इवेंट्स के 41 समूहों में भाग लिया। जिनमें से 220 मेडल जीतकर बच्चों ने विद्यालय की झोली में डालें हैं जिनमें कुल 99 स्वर्ण, 93 रजत एवं 28 कांस्य पदक शामिल हैं। बच्चों के इस ऐतिहासिक प्रदर्शन पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ.कमलेष कुमार सहित सभी शिक्षकों ने विजेता खिलाड़ियों और उनके माता-पिता को बधाई दी है। साथ ही उन्होंने आशा व्यक्त किया कि अगस्त में आयोजित होने वाले राज्य (जोनल) स्तरीय और उसके बाद होने वाले राष्ट्रीय स्तर के खेलों में भी बच्चे अपने विद्यालय और अभिभावकों का नाम रोशन करेंगे। सभी स्वर्ण पदक विजेता डीएवी राष्ट्रीय खेल-2024 के राज्य स्तरीय खेलों में भाग लेंगे जो कि अगस्त के अंतिम सप्ताह में आयोजित होना प्रस्तावित हैं।

पांच परगना क्षेत्र सुखाड़ की चपेट में

बुंडू (आजाद सिपाही)। पांच परगना क्षेत्र सुखाड़ की चपेट में है। जुलाई का महीना खत्म हो गयी है लेकिन पर्याप्त बारिश नहीं हो पायी है। जुलाई महीना बीत जाने के बाद भी खेतों में धान की रोपनी नहीं हो पायी है। अब तक 20 प्रतिशत ही रोपनी हो पायी है। गांव-गांव में लोग बारिश के लिए पूजा पाठ और मन्नतें कर दुआ मांग रहे हैं। किसान कर्ज लेकर धान के बीज लिए हैं। अब वे धन रोपनी नहीं होने से कैसे कर्ज चुकायेंगे। इसकी चिंता सता रही है। किसान अपनी पथराई आंखों से आसमान की ओर देख रहे हैं। इस वर्ष पांच परगना के बुंडू, तमाड़, सोनहातू, बारेंदा और सिल्ली क्षेत्र में लगभग 35 प्रतिशत बारिश हुई है, जिससे यहां धान की रोपनी नहीं हो पायी है।

तुमांग में नागपुरी वीडियो सांग की हुई शूटिंग

खलारी (आजाद सिपाही)। खलारी के तुमांग पंचायत में नागपुरी वीडियो सांग का शूटिंग किया गया। वीडियो सांग की शूटिंग तुमांग पंचायत के खिलान धौड़ा, रोहिणी, धमधामिया दामोदर पुल सहित अन्य जगहों पर किया गया। जिसमें खलारी के अभिनंदन राम और लातेहार के राधा कुमारी मुख्य कलाकार की भूमिका में है। नागपुरी रोमांटिक वीडियो में नीली-नीली आंखों वाली गाना का बोल पर शूटिंग हुई। इस संबंध में नागपुरी कलाकार राम ने बताया कि जल्द हीं ये वीडियो नागपुरी भारतीय चैनल पर देख सकते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि अन्य कई एलबम का शूटिंग के लिए तैयारियां अभी चल रही है।

कांवरियों का जत्था बाबाधाम के लिए रवाना

खलारी (आजाद सिपाही)। खलारी के चुरी दक्षिणी से कांवरियों का जत्था गुरुवार को बाबाधाम के लिए रवाना हुआ। इससे पूर्व कांवरियों ने खलारी पहाड़ी मंदिर में जाकर विधि विधान से पूजा-अर्चना की। इस संबंध में जानकारी देते हुए कांवरिया मुखिया मलका मुंडा ने बताया कि सुल्तानगंज से जल लेकर सभी श्रद्धालु बाबाधाम के लिए रवाना होंगे। बाबा बैधधाम जाने वालों में चुरी दक्षिणी पंचायत के मुखिया मलका मुंडा के अलावे सोनु यादव, अरनोद, पवन कुमार यादव, राहुल कुमार यादव और आशीष पाहन का नाम शामिल हैं।

डकरा में एनडीआरएफ की टीम ने आपदा के दौरान रेस्क्यू ऑपरेशन का किया प्रदर्शन

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। झारखंड पब्लिक स्कूल मोहननगर डकरा में गुरूवार को एनडीआरएफ की टीम द्वारा रेस्क्यू ऑपरेशन के बारिक तकनीकी विधियों को डेमोंसट्रेशन के माध्यम से बतलाया गया। कार्यक्रम में रॉयल प्रोगेसिव स्कूल मोहन नगर के विद्यार्थियों को भी शामिल किया गया था। कार्यक्रम में केंद्रीय एनडीआरएफ टीम से सब-इंस्पेक्टर सह एनडीआरएफ लीडर चंदन भारती, एएसआई हिम्मत सिंह, एएसआई श्रीकांत कुमार और एएसआई कुलदीप कुमार प्रषिक्षक के रूप में मौजुद थे। जिन्होंने बच्चों को आपदा से निबटने के लिए अनेक जानकारियां दी। साथ ही डेमोंसट्रेशन के माध्यम से बताया कि आपदा के दौरान विपरित परिस्थितियों का सामना करते हुए किस तरह जान माल का बचाव करना है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित अतिथियों में समाजसेवी और मुखियाजी कृष्णा चैहान, मानव अधिकार सामाजिक कार्यकर्ता मुन्नू शर्मा, जीवन ज्योति संस्थान प्रमुख मिथिलेश प्रजापति और रॉयल प्रोगेसिव स्कूल के निदेशक रामबली चैहान मौजूद थे। इस कार्यक्रम की अगुवाई सफलतापूर्वक झारखंड पब्लिक स्कूल मोहन नगर के निदेशक सह प्रधानाध्यापक अभिषेक कुमार चैहान ने किया। साथ ही स्कूल प्रबंधन समिति कि ट्रस्ट राजो देवी ट्रस्ट की सचिव ज्योति चैहान ने अपना योगदान दिया। इस कार्यक्रम का सफल संचालन जेपीएस की अध्यापिका आकांक्षा ठाकुर के द्वारा किया गया।

कुपोषण उपचार केंद्रों में बच्चों की अच्छी तरह देखभाल की जाये: उपायुक्त

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला समाज कल्याण विभाग और पोषण समिति द्वारा संचालित योजनाओं को लेकर समीक्षा बैठक की गयी। समाहरणालय खूंटी के सभागार में आयोजित बैठक में उपायुक्त ने मुख्य रूप से विश्व स्तनपान सप्ताह 2024, कुपोषण उपचार केंद्र संचालन, निमार्णाधीन आंगनबाड़ी, वीएचएसएनडी, संस्थागत प्रसव, सेविका-सहायिका के रिक्त पदों और मानदेय भुगतान, पूरक पोषाहार कार्यक्रम, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना समेत अन्य विषयों की समीक्षा की गयी। बैठक में विश्व स्तनपान सप्ताह 2024 को लेकर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि विश्व स्तनपान सप्ताह एक वैश्विक अभियान है, जो हर साल एक से सात अगस्त तक मनाया जाता है। इसका उद्देश्य स्तनपान के महत्व को उजागर करना, स्तनपान को बढ़ावा देना और इसका समर्थन करना है, ताकि बच्चों और माताओं के स्वास्थ्य में सुधार हो सके। इस वर्ष, विश्व स्तनपान सप्ताह 2024 की थीम क्लोजिंद द गैपः ब्रेस्ट फीडिंग सपोर्ट फॉर ऑल हैं। यह विषय स्तनपान के समर्थन में पिता, परिवार, स्वास्थ्यकर्मियों और समुदाय की भूमिका को महत्वपूर्ण मानता है। विश्य स्तनपान सप्ताह स्तनपान व्यवहारों के प्रोत्साहन और सुदृढ़ीकरण करने का अवसर प्रदान कर रहा है।

विश्व स्तनपान सप्ताह को लेकर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम चलने का निर्देश दिया गया। बैठक में उपायुक्त ने कुपोषण उपचार केंद्र में शत प्रतिशत बेड ऑक्युपेंसी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिले में कुपोषण की काफी समस्या है। इसलिए कुपोषण उपचार केंद्रों में बच्चों का अच्छी तरह देखभाल की जाए। अतिरिक्त कुपोषण केंद्र खोलने को लेकर भी विभाग को प्रस्ताव भेजने की बात कही। जिले में आयोजित होने वाले वीएचएसएनडी दिवस के दिन सभी सेविका, सहायिका, महिला पर्यवेक्षिका एवं सीडीपीओ को अपने क्षेत्र में उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया। साथ ही प्राथमिकता के आधार पर वीएचएसएनडी दिवस मनाने को कहा गया। जिले में संस्थागत प्रसव पर जोर देते हुए उपायुक्त ने शत प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। उपायुक्त द्वारा सेविका-सहायिका के रिक्त पदों की नियुक्ति प्रक्रिया की जानकारी ली गयी। साथ हीं सेविका-सहायिका को दिए जा रहे मानदेय के संबंध में भी जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिये गये।

जिले में केंद्र और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना सावित्रीबाई फूल किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना समेत अन्य योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन को लेकर भी आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, महिला पर्यवेक्षिका, सभी सीडीपीओ और अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

डीएवी में नशा मुक्ति कार्यक्रम का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। डीएवी स्कूल खलारी में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय गुमला शाखा के नेतृत्व में त्रिदिवसीय नशा मुक्ति कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार को किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर कमलेश कुमार और ब्रह्माकुमारी गीता पाठशाला डकरा सुभाष नगर के नियमित बीके प्रीति बहन, सुमन बहन, प्रेमचंद भाई, गीता बहन सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। तत्पश्चात ब्रह्माकुमारी संस्थान का परिचय विस्तार पूर्वक दिया गया। ब्रह्माकुमारी प्रीति बहन ने बताया कि आज बच्चों को स्कूली पढ़ाई के साथ-साथ नैतिकता और आध्यात्मिकता की पढ़ाई की भी आवश्यकता है। इसी बात को ध्यान में रखकर डीएवी स्कूल खलारी में त्रिदिवसीय नशा मुक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें मानसिक बौद्धिक और आध्यात्मिक गतिविधियों, मानसिक स्थिति श्रेष्ठ और विचार शुद्ध बने शरीर स्वस्थ और शक्तिशाली बने इसी को ध्यान में रख कर योग ध्यान, ज्ञान वर्धक कहानियां बताया जायेगा। उन्होंने कहा कि आजकल सोशल मीडिया में बच्चे अपना कीमती समय नष्ट कर रहे हैं। अभिभावक और शिक्षक चाहकर भी कुछ नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन की शिक्षा ही जीवन की दिशा और दशा तय करता है, इसलिए विद्यार्थियों के चारित्रिक विकास में यह त्रिदिवसीय नशा मुक्ति कार्यक्रम मददगार बनेगा। ब्रह्माकुमारी सुमन बहन ने कहा कि वर्तमान समय में युवा पीढ़ी नशे का शिकार हो रहे हैं और इसकी लत लगने के बाद वह अपना भविष्य खराब कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि नशा कई बीमारियों का घर है। जो शरीर के साथ-साथ मन को भी खराब कर देता है। इसीलिए बच्चों को नशे से दूर रहना चाहिए और बीड़ी, सिगरेट, तंबाकू, शराब का सेवन कभी नहीं करना चाहिए। त्रिदिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन 8वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को नशा के दुष्परिणाम के बारे में बताया गया।

बेड़ो में 3 से 10 अगस्त तक संचालित होगी मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय सहित 17 पंचायत भवन में मुख्यमंत्री मईया सम्मान योजना के लिए निःशुल्क आवेदन शुक्रवार से भरने की प्रक्रिया शुरू होगी। आगामी 10 अगस्त तक विशेष कैंप के माध्यम से आवेदन जमा लिया जाना है। इस योजना का लाभ लेने के लिए आवेदिका को झारखंड का निवासी होना अनिवार्य है। आवेदन के समय आवेदिका की उम्र 21 वर्ष की आयु पूर्ण हो और 50 वर्ष से कम होना चाहिए। वही आवेदन के लिए मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड, आधार से लिंक्ड बैंक खाता का पासबुक, आवेदिका का सिंगल बैंक में खाता होना चाहिए। आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका द्वारा आवेदन फॉर्म निःशुल्क वितरण किया जाना है। इधर, सीओ प्रताप मिंज ने बताया कि मुख्यमंत्री मईया सम्मान योजना से लाभुकों को जोड़ने के लिए 3 से 10 अगस्त तक पंचायत स्तरीय शिविरों का आयोजन होना है। जिसके सफल संचालन के लिए सभी पंचायतों में शिविर प्रभारी व पर्यवेक्षिका प्रतिनियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार की यह महत्वपूर्ण योजना है योजना का लाभ लेने के लिए एक भी योग महिला नहीं छूटे और शिविर सुचारू रूप से चले इसके लिए सभी को आवश्यक निर्देश दिया गया है। पात्रता रखने वाली आवेदिका को इस योजना से सालाना 12 हजार रुपए का लाभ मिलेगा। प्रत्येक महीने की 15 तारीख तक उनके खाते में 1000 रुपए की सम्मान राशि जमा हो जाएगी।

मनरेगा कर्मियों ने विधायकों का घेराव कर ज्ञापन सौंपा

नामकुम (आजाद सिपाही)। झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ का अनिश्चितकालीन हड़ताल गुरुवार को 11वें दिन भी जारी रहा। इस दौरान प्रदेश कमेटी के नेतृत्व में 18 सत्ताधारी विधायकों और मंत्रियों के आवास का घेराव कर ज्ञापन सौंपा गया। बताते चलें कि राज्य के मनरेगा कर्मी अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र के विधायकों को मांग पत्र सौपे है। जिसमें खिजरी विधायक राजेश कच्छप, मधुपूर विधायक हाफिजऊल अंसारी, बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद, चतरा विधायक सत्यानंद भोक्ता, पोटका विधायक संजीव सरदार, सरायकेला विधायक चंपई सोरेन, तमाड़ विधायक विकास सिंह मुंडा, कोलेबीरा विधायक नमन विकसल कोनगारी शामिल है। राज्य के सभी मनरेगाकर्मी, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, लेखा सहायक, कम्पूटर सहायक और ग्राम रोजगार सेवक हड़ताल में है' जिससे मनरेगा से संचालित महत्वपूर्ण योजनाएं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। जिसमें बिरसा हरित आम बागवानी, अबुआ यश आवास, बिरसा सिचाई कूप, पशुधन योजना का काम पूरी तरह से रुक सा गया है। मनरेगा कर्मी अपने सेवा स्थाईकरण, वेतनमान की मांग को लेकर वादा निभाओ, स्थाई करो के साथ अनिच्छित कालीन हड़ताल पर है। मौके पर मो इम्तियाज, संजय प्रामाणिक, विकास पांडेय, जितेंद्र सिंह, सुमन गांगुली, जितेंद्र झा, बसंती कुमारी, अणिमा तिग्गा, अर्चना, उदित नारायण, नन्हें परवेज आदि थे।

रातू में जनजातीय अधिकारों की दी गयी जानकारी

रातू (आजाद सिपाही)। झालसा के निर्देश पर गुरुवार को रातू के सरना नगर एवं अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नालसा द्वारा संचालित योजना-2015 के तहत जनजातीय अधिकारों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित पीएलवी पुष्पलता देवी, सुनिता देवी, नीतू देवी एवं बेबी देवी ने लोगों को आदिवासियों के अधिकार, मानवता, कर्तव्य, तृप्ति, समाजिक सुरक्षा आदि विषयों पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी और अपने अधिकारों को जानकर उसका लाभ प्राप्त करने की अपील की। मजदूरों को निबंधन, वृद्धा पेंशन एवं विधवा पेंशन के बारे में जानकारी दी गई। आगामी 14 सितम्बर को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में भी पीएलवी की ओर से जानकारी दी गयी।

किसानों के बीच मूंग बीज का वितरण

रातू (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत रातू प्रखंड के तारूप पंचायत भवन में गुरुवार को 60 कृषकों के बीच 4-4 किलोग्राम मूंग बीज का वितरण किया। कृषकों को फसल लगाने की विधि और कृषि ऊपज बढ़ाने के उपायों की जानकारी देते हुए उन्हें मिट्टी की जांच कराने, बीज के रख-रखाव, इसके उपचार, चयन, फसलों के प्रभेद व श्रीविधि से धनरोपनी की जानकारी दी गयी। बीटीएम ने यहां की मिट्टी को मूंग के लिये उपयुक्त बताया और कहा कि जिले की टीम इसका निरीक्षण करेगी और बेहत्तर उत्पादन करने वाले कृषक प्रोत्साहित किये जायेंगे। बीटीएम ने वैज्ञानिक खेती के जरिये पैदावार बढ़ाने पर खास जोर दिया। मौके पर उप प्रमुख रेयाजुल अंसारी, मुखिया अहिल्या कच्छप, उप मुखिया बंधु महतो, वार्ड सदस्य पुष्पा देवी, रघुनंदन प्रजापति, राजकिशोर महतो, सुनिता टोप्पो, बलराम उरांव, मनबोध महतो व रोहित भगत मौजूद थे।

चोर की पिटाई से होटल मालिक गंभीर

कांके (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के कदमा निवासी होटल संचालक बिनोद महतो पर एक चोर ने हमला कर बुरी तरह घायल कर दिया। चोर के हमले में बिनोद के सिर, गला व चेहरे पर गंभीर चोट आयी है। इस बाबत बिनोद के बड़े भाई किशोर महतो ने कांके थाना में प्राथमिकी दर्ज क राया है। बताया कि आरोपित कदमा निवासी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मदन महतो का चालक है। उसके भाई के होटल में पिछले तीन रात से चोरी की घटना हो रही थी। बुधवार की रात वह होटल में निगरानी के लिया रुका था। तभी देर रात 1.30 बजे एक चोर होटल में घुसा। बिनोद ने उसे पकड़ लिया। तभी चोर ने बिनोद पर चाकू से वार कर दिया. जिससे उसके गला, चेहरा व पीठ में गहरी चोट लगी है। घायल बिनोद होटल से घर लौटने लगा। तो रास्ते में अंधेरे में छिपकर बैठे चोर ने फिर लाठी से हमला कर दिया। जिससे वह बेहोश हो या। गुरुवार अहले सुबह गांव के रंजन महतो ने उसे इलाज के लिये कांके जनरल अस्पताल पंहुचाया। इसी अस्पताल में डॉ शंभू प्रसाद सिंह की देखरेख में इलाज चल रहा है।

वज्रपात से चार बकरियों की मौत, मुआवजे की मांग

बेड़ो (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के जरिया मासु गांव में गुरुवार की शाम चार बजे बारिश के दौरान हुए वज्रपात की चपेट में आकर गांव की पुष्पा देवी चार बकरियों की मौत हो गयी। विधवा महिला ने प्रखंड प्रशासन से मुआवजे की गुहार लगाई है।

मांडर विधायक ने बिरगोड़ा नदी पर बहे डायवर्सन स्थल का किया निरीक्षण

दो दिनों में पूरा होगा डायवर्सन का निर्माण कार्य: शिल्पी तिर्की

आजाद सिपाही संवाददाता

मांडर। मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने बारिश के पानी में बह गये डायवर्शन स्थल का गुरुवार को निरीक्षण किया। इसके बाद कहा कि मांडर प्रखंड के सरवा पंचायत के बिरगोड़ा नदी के पास जोरदार बारिश में बहे डायवर्सन का निर्माण दो दिनों में अस्थायी स्तर पर कर दिया जायेगा जबकि 10 दिनों के अंदर इस डायवर्सन को बेहतर बना दिया जायेगा। ताकि लोगों को परेशानी ना हो। क्षेत्र में हुए भारी बारिश में डायवर्सन के बहने की जानकारी मिलने के बाद इस दिन विधायक ने प्रभावित स्थल का निरीक्षण

बिरगोड़ा नदी पर बहे डायवर्सन स्थल का निरीक्षण करती मांडर विधायक व अन्य।

किया। उन्होंने विभागीय सचिव और कार्यपालक अभियंता से फोन पर बात की। डायवर्सन की हालत देखकर संबंधित विभागीय सचिव और कार्यपालक अभियंता को बुलाकर त्वरित कार्रवाई करने का आदेश दिया। बाद में मांडर प्रखंड कार्यालय में बीडीओ और सीओ के साथ ही विभागीय सचिव और कार्यपालक अभियंता के साथ बैठक की। जिसकी अध्यक्षता विधायक ने की। जिसमें तेजी से डायवर्सन निर्माण का निर्णय लिया गया। गौरतलब हो कि मांडर प्रखंड के सरवा पंचायत के बिरगोड़ा नदी के पास पुल निर्माण का कार्य चल रहा है। यह पुल बिसाहाखटगा और सरवा, पचपदा, नरकोपी रेलवे स्टेशन को जोड़ेगी। निर्माण कार्य चलने के कारण आवागमन के लिये नदी के पास डायवर्सन बनाया गया था, जो पिछले दिनों जोरदार बारिश में बह गया। इससे छात्र-छात्राओं व ग्रामीणों को आवागमन में असुविधा हो रही है। मौके पर कांग्रेस के विधायक प्रतिनिधि जमील मालिक, प्रखंड अध्यक्ष मांगा उरांव, रशीद अंसारी आदि उपस्थित थे।

बिजली तार चोर गिरोह का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

लापुंग। लापुंग पुलिस ने बिजली के तार चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए बुधवार को पांच चोरों को गिरफ्तार किया, जिन्हें गुरुवार को जेल भेज दिया गया। जानकारी के मुताबिक बुधवार की शाम गास्ती ककरिया सामुदायिक स्वास्थ्य उप केंद्र के पास पुलिस की ओर से वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान एक ओमनी व बोलेरो पिकअप वैन को रोक कर उसकी जांच की गयी, तो एक देशी कट्टा बरामद हुआ। इस बीच एक व्यक्ति पुलिस को देखकर अंधेरा

का फायदा उठा कर भागने में सफल रहा। जबिक पांच आरोपितों को पुलिस ने दबोच लिया। इसके बाद पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर थाना लाया। उधर, पकड़े गये आरोपितों ने अपनी संलिप्तता स्वीकार कर लिया। बताया कि बिजली तार काटने जा रहे थे। उनकी पहचान मांडर के करगे गांव निवासी सादिक अंसारी (40), इटकी रेलवे स्टेशन थाना क्षेत्र के डुगरू टिकरी गांव निवासी सोनू अंसारी (24), बेताकुल अंसारी (26), सूरज मिंज (20), दोनों रानी खटंगा थाना ईटकी के अलावा प्रिंस अभिजीत के रूप में हुई है। अभिजीत ओरमांझी थाना क्षेत्र के गुडू ग्राम का रहने वाला है। इसके अलावे फरार आरोपी का नाम पप्पू खान है, जो बेड़ो थाना क्षेत्र के चचकोपी गांव का रहने वाला है। उसके खिलाफ बेडो थाने में भी प्राथमिकी दर्ज की गयी है। उनके पास से ओमनी कार, पिकअप वैन, एक देशी कट्टा, चार मोबाइल फोन, के अलाव तार कटने का बड़ा कट्टर जब्त किया गया है। वहीं, छापामारी दल में थाना प्रभारी संतोष यादव, एसआई राजेंद्र महतो, एएसआई दीलोज हेंब्रोम सोए आदि जवान शामिल थे।

झारखंड सरकार के खिलाफ भाजपाइयों का प्रदर्शन, पुतला फूंका

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा/ओरमांझी। झारखंड सरकार के खिलाफ विधानसभा परिसर में आंदोलन करने वाले भाजपा-एनडीए विधायकों को निलंबित किए जाने और गुरुवार को कथित रूप से मार्शल द्वारा अभद्र व्यवहार किये जाने के अलावा असम के मुख्यमंत्री को गोपीनाथपूर जाने से रोकने के प्रतिवाद में गुरुवार को प्रतिवाद में ओरमांझी के शास्त्री चौक दडदाग में प्रदर्सन करते हुए सरकार का पुतला दहन किया गया। कार्यक्रम की अगुवाई पार्टी के जिला उपाध्यक्ष मानकी राजेंद्र शाही ने किया। इस दौरान आक्रोश रैली भी निकाली गयी। पुतला दहन में पूर्व विधायक राम कुमार पाहन, भाजपा प्रदेश किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष अमर नाथ चौधरी, जिला महामंत्री नरेंद्र कुमार, संतोष गुप्ता, प्रभु दयाल बड़ाइक, सत्यदेव मुंडा, दिलीप मेहता, राजेश गुप्ता, बालक पाहन, रणधीर चौधरी, अलख नाथ महतो, शशि मेहता, प्रकाश महतो, रोहन वर्मन, लक्ष्मण साही, सिकंदर महतो, राज किशोर साहू, अजय साहू, अनुपमा देवी, संजीव तिवारी, सुधाकर चौबे, जय प्रकाश महतो, राजेंद्र चौधरी, गणेश महतो आदि शामिल थे।

दूसरी ओर, भाजपा कार्यकर्ताओं ने गुरुवार की शाम अनगड़ा के गेतलसूद चौक पर झारखंड सरकार का पुतला दहन किया। इसका नेतृत्व भाजपा के पूर्व रांची जिलाध्यक्ष जैलेंद्र कुमार कर रहे थे। पुतला दहन से पूर्व गेतलसूद चौक में सरकार का का शवयात्रा निकाला गया। इस अवसर पर जैलेंद्र कुमार ने बताया कि झारखंड विधानसभा में विपक्ष के विधायकों को रातभर बंधक बनाकर रखा गया। बिजली काट दी गई। जनता की आवाज को दबाया गया। सीएम हेमंत सोरेन ने लोकतंत्र को बंधक बनाया, उसकी हत्या की है। भाजपा इसे काला दिवस के रूप में मना रही है। इस मौके पर बूथ अध्यक्ष अमित चौधरी, गेतलसूद उपमुखिया शंकर बैठा, भाजपा अजा मोरचा के जिला महामंत्री संजय नायक, बिगेश्वर महतो, शिकारी महतो, हेमनाथ महतो, लेंगा गोस्वामी, राज बैठा आदि उपस्थित थे।

सीआइपी में सुरक्षा गार्ड की नौकरी देने के नाम पर की वसूली, भुक्तभोगी ने दर्ज करायी प्राथमिकी

एएसओ परवेज आलम ने कहा : मैंने नहीं कंपनी के लोगों ने ही की वसूली

आजाद सिपाही संवाददाता

कांके। केंद्रीय मनः चिकित्सा संस्थान (सीआइपी) कांके इन दिनों ठेका लिये निजी सिक्योरिटी एजेंसी इंटेलिजेंस सिक्योरिटी ऑफ इंडिया के तहत नौकरी देने के नाम पर विवादों में है। यहां विगत एक सप्ताह से विवाद थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। कई सुरक्षा गार्ड नौकरी पाने की आस में 50 से 60 हजार रुपये कंपनी के लोगों को भुगतान किए हैं। लेकिन ना ही इन्हें नौकरी मिल रही है ना ही पैसा वापस मिल रहा है। जिसे लेकर कई पीड़ितों ने कांके थाना में प्रार्थमिकी दर्ज करने की मांग की है। साथ ही रांची एसएसपी को ज्ञापन देकर सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं, सीआइपी प्रशासन इस मामले में चुप्पी साधे हुए हैं। एजेंसी या उसके लोगों के खिलाफ कोई भी

कार्रवाई संस्थान नहीं कर रहा है। सीआइपी में सुरक्षा गार्ड की नौकरी देने के नाम पर दर्जनों लोगों से वसूली करने का मामला प्रकाश में आया हैं। गुरुवार को जब सभी गार्ड अपना योगदान देने आये। तो उन्हें रोक दिया गया। थाना में दिये आवेदन में कांके निवासी शिफा सेफाली कुजूर, अनुज कुमार, खीस्त पॉल शेख व अन्य ने बताया कि सीआइपी में सुबह जब वे अपना योगदान देने पंहुचे तो उन्हें ठगी का एहसास हुआ। उनसे नौकरी देने के नाम पर इंटलिजेंस स्क्यूरिटी ऑफ इंडिया एंजेसी के कांके निवासी एएसओ परवेज आलम ने 50-50 हजार रुपये की रिश्वत लेकर ज्वाइनिंग लेटर देने का आरोप लगा है। वहीं कई अभियर्थियों ने कंपनी के एरिया मैनेजर अजय कुमार सिंह पर भी पैसे लेने का आरोप लगाया। ठगी का एहसास होने के बाद जब ये लोग परवेज आलम से पैसा मांगने पहुंचे तो उसने पैसा देने से साफ इंकार कर दिया। भुक्तभोगी गार्ड ने परवेज पर जाति सूचक गाली देने व धमकी देने का भी आरोप लगया है। वहीं पीड़ितों ने एसएसपी को आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। भुक्तभोगियों की मदद कर रहे समाजसेवी बॉबी खान व पवन कुमार ने बताया कि शुक्रवार को भी दर्जनों भुक्तभोगी कांके थाना में परवेज आलम के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायेगें। गरीबों को न्याय दिलाएंगे। इस संबंध में एएसओ परवेज आलम ने बताया कि नौकरी देने के नाम पर उन्होंने किसी से वसूली नहीं की है। कंपनी के लोग ही पैसा लिए होंगे और मुझे बदनाम करने की साजिश के तहत मेरा नाम उछाला जा रहा है। ताकि मैं सिक्योरिटी एजेंसी की नौकरी छोड़ दूं।

महत्वपूर्ण न्यूज

एचओडी बनाये जाने पर डॉ अमर चौधरी को दी बधाई

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। प्रखंड के चिलदाग गांव निवासी और रांची यूनिवर्सिटी व झारखंड प्रद्योगिकी विश्वविद्यालय के पूर्व रजिस्ट्रार डॉ अमर कुमार चौधरी को रांची विश्वविद्यालय वाणिज्य संकाय का एचओडी एवं डीन नियुक्त किया गया है। इन्हें विभागाध्यक्ष बनाए जाने पर लोगों ने खुशी का इजहार किया। साथ ही पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, डॉ रिझू नायक, सुरेंद्र महतो, मनोज कुमार चौधरी, सत्यदेव मुंडा, रामनाथ महतो, वैद्य सुरेश महतो, हिमांशु शेखर चौधरी, शिवशंकर केसरी, अजय कुमार महतो, संतोष महतो, उमेश बड़ाइक, मुस्तफा अंसारी, सिकंदर अंसारी, विरेंद्र सिंह भोगता, श्रवण चौधरी, ब्रजेश महतो, रामपोदो महतो आदि ने बधाई दी है। वहीं, गुरुवार को डॉ अमर चौधरी के गोंदलीपोखर पहुंचने पर उनका स्वागत किया गया।

अंचल मैदान में लगा गुड़िया डिज्नीलैंड सावन मेला

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। अंचल मैदान शास्त्री चौक दडदाग में गुड़िया डिज्नी लैंड सावन मेला लगाया गया, जिसका उद्घाटनु पूर्व सांसद राम टहल चौधरी ने किया। इस मौके पर मेला मैनेजर इस्लाम अंसारी, आफताब अंसारी, अब्दुल अंसारी, पूर्व विधायक राम कुमार पाहन, रमेश उरांव, अमर नाथ चौधरी, रणधीर चौधरी, अलख नाथ महतो, राज किशोर साहु, राजेश गुप्ता, शशि मेहता, राजेंद्र साहु, रहीम अंसारी, संतोष गुप्ता आदि थे।

बारिश में गिरा कच्चा मकान, बाल-बाल बचे लोग

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड में पिछले तीन दिनों से हो रही बारिश से डोरंडा वैध खिजरी गांव में बंधनी उरांव नामक महिला का कच्चा मकान ढह गया। जिस समय हादसा हुआ, घर के सदस्य उसमें मौजूद थे, जो समय रहते बाहर निकल जाने के कारण बाल-बाल बच गये। बरसात में आशियाना ठह जाने से पीड़ित परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर है। उधर, आवास की दीवार गिरने से राशन, बर्तन, कपड़ा, बिस्तर आदि नष्ट हो गया। इधर घटना की जानकारी मिलने पर मुखिया महावीर उरांव ने पीड़िता के घर पहुंच कर मुआयना किया। साथ ही आपदा प्रबंधन के तहत उचित मुआवजा दिलाये जाने का आश्वासन दिया। दूसरी ओर, लगातार हो रही बारिश के कारण बुधवार की रात 11.30 बजे प्रखंड मुख्यालय के मंदिर टोला निवासी बालक गोप के कच्चे घर की दीवार गिर गयी। पीड़िता ने बताया कि वे किसी प्रकार जान बचाकर घर से बाहर निकले। लेकिन दीवार के गिरने से घर में रखी कुछ जरूरी सामान बर्बाद हो गए।

नगड़ी के राधा कृष्ण मंदिर में गंगा आरती का आयोजन

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। जोहार स्वर्णरेखा नमामि स्वर्ण रेखा और मानस प्रचार मंडल पिस्कानगड़ी के तत्वाधान में गुरुवार को प्राचीन राधा कृष्ण मंदिर में गंगा आरती आयोजित किया गया। इसमें नगड़ी सहित आसपास गांव के सैकड़ों सनातन धर्मावलंबी उपस्थित होकर गंगा आरती का प्रसाद ग्रहण किये। इसे पूर्व गंगायात्री पीयूष पाठक ने वैदिक मंत्र उच्चारण और शिव आरती के सानिध्य में राधा कृष्ण मंदिर परिसर में गंगा आरती किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मानस प्रसार मंडल नगड़ी के अध्यक्ष कमलेश केसरी, मंच संचालन महामंत्री हेमंत केसरी एवं धन्यवाद ज्ञापन महामंत्री संजीव केसरी ने किया। अपने संबोधन में जोहार स्वर्णरेखा नमामि स्वर्ण रेखा के संचालक विजय पाठक ने बताया कि झारखंड की जीवन दाहिनी नदी स्वर्णरेखा नदी के उदगम स्थल नगड़ी के रानीचुआं से आगामी 4 अगस्त की सुबह कावड़ यात्रा निकाली जायेगी। जिसका उद्देश्य मोक्षदायिनी जीवनदायिनी स्वर्णरेखा नदी के स्वच्छता व निर्मलता एवं इसके उद्गम स्थल रानीचुआं के संरक्षण व गौरव पूर्ण इतिहास के प्रति जन-जन को जागरूक करना है।

डीएवी में विजेता खिलाड़ी हुए सम्मानित

पिठोरिया (आजाद सिपाही)। नीरजा सहाय डीएवी के विद्यार्थियों ने स्पोर्ट्स में कलस्टर स्तर पर आश्चर्यजनक जीत हासिल की। डीएवी स्पोर्ट्स चार चरणों में संपन्न हुआ। प्रथम चरण बोकारो जिले के सेक्टर 4 में हुआ। यहां नीरजा सहाय के खिलाड़ियों ने 28 स्वर्ण, 18 रजत और 11 कांस्य पदक जीता। द्वितीय डीएवी गांधीनगर में संपन्न हुआ। यहां सात स्वर्ण, 33 रजत और 18 कांस्य जीते। तीसरा डीएवी नीरजा सहाय में संपन्न हुआ, जहां खिलाड़ियों को 101 स्वर्ण, 22 रजत और 14 कांस्य पदक जीता। जबकि चौथा डीएवी कपिल देव में संपन्न हुआ। यहां नीरजा सहाय के खिलाड़ियों को 31 स्वर्ण 48 रजत और 16 कांस्य पदक जीता। इस प्रकार कुल 96 खिलाड़ियों ने भाग लिया और 95 पदक के विजेता हुए। प्राचार्या ने गुरुवार को असेंबली में सभी विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। विजेता टीम जोनल स्तर पर खेलने के लिए तैयार है।

दो दिन से बेड़ो के केनरा बैंक में कामकाज ठप

बेड़ो (आजाद सिपाही)। केनरा बैंक की स्थानीय शाखा में यूपीएस जल जाने के चलते पिछले दो दिनों से कामकाज ठप है। इससे ग्राहक बेहद परेशान हैं। वहीं शाखा के मुख्य गेट में लिंक फेल का बोर्ड लगा दिया गया है। जिस पर ग्रहकों में नाराजगी जताई है। गुरुवार साप्ताहिक बाजार होने के कारण बैंक में आए लोगों को काफी निराश होना पड़ा। बैंक में दो दिनों से आ रही महिलाओं व ग्रामीणों ने बताया बैंक कर्मियों लापरवाही व गलत सूचना लिंक फेल होने के कारण उन लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। आज पता चल रहा है कि यूपीएस जला हुआ है और नोटिस बोर्ड में लिंक फेल का नोटिस लगाया गया है।

नगर विमानन मंत्री से मिले पलामू सांसद, की चियांकी एयरपोर्ट चालू करवाने की मांग

झारखंड सरकार की उदासीनता के चलते नहीं चालू हो पा रहा चियांकी एयरपोर्ट: वीडी राम

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने नई दिल्ली में नागर विमान मंत्रालय के मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू से मुलाकात कर मेदिनीनगर स्थित चियांकी एयरपोर्ट से परिचालन प्रारंभ करने को लेकर विस्तृत चर्चा की। सांसद ने बताया कि चियांकी एयरपोर्ट क्षेत्रीय संपर्क योजना के अंतर्गत उड़ान योजना में सम्मिलित किया गया है। पर राज्य सरकार की उदासीनता के कारण एयरलाइंस का परिचालन प्रारंभ नहीं हो पा रहा है। विदित है कि डालटनगंज से रांची-कोलकता, रांची-डालटनगंज एवं डालटनगंज-पटना, वारणसी-पटना-डालटनगंज के मार्गों के लिए बोलियां आमंत्रित की गयी थी, पर चियांकी एयरपोर्ट की बाउंड्री खुली नहीं होने से संबंधित प्रतिवेदन अभी तक जिला से राज्य सरकार को प्राप्त नहीं हुआ है। जबकि राज्य सरकार ने इसके लिए डीसी को स्मारित भी किया है। डीसी ने भी पुलिस अधीक्षक से इस संबंध में प्रतिवेदन की मांग की है। सांसद ने भी पुलिस महानिरीक्षक को इस संबंध में प्रतिवेदन भिजवाने का आग्रह किया था। राज्य सरकार एवं पदाधिकारियों को भी इस दिशा में कार्रवाई करने की आवश्यकता है, ताकि पलामू एवं आसपास के जिले के निवासियों को वायुयान यात्रा की सुविधा मिल सके। आज के दिन में कोई भी उद्यमी रांची से डालटनगंज और डालटनगंज से रांची की यात्रा में 6 से 7 घंटे व्यतीत करना नहीं चाहता है। यदि हवाई यात्रा की सुविधा प्राप्त हो जाती है तो यह यात्रा डेढ़ घंटे में (रांची से डालटनगंज एवं डालटनगंज से रांची की) पूरी हो जाएगी। सांसद ने कहा कि इसमें सभी लोगों से अनुरोध है कि इसे संभव बनाने में मदद करें।

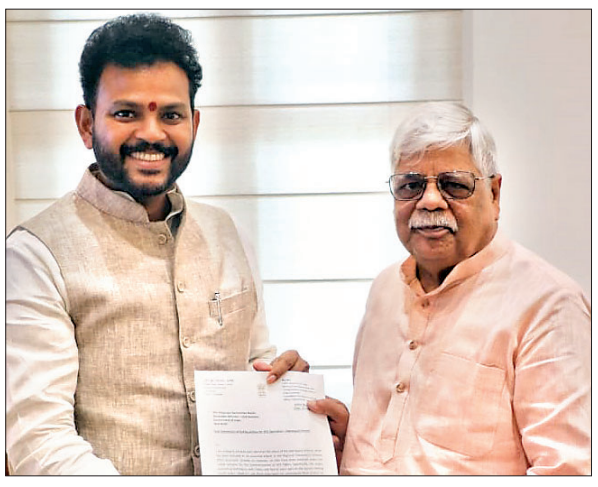

नागर विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू को ज्ञापन सौंपते सांसद वीडी राम।

दुनिया के सभी लोगों को डॉ कौशल किशोर से सीख लेने की जरूरत: शिवराज सिंह चौहान

पर्यावरणविद ने केंद्रीय कृषि मंत्री के साथ उनके आवासीय परिसर में किया पौधरोपण

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। राजधानी दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय अतिथि भवन पूसा में स्थित केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के आवासीय परिसर में विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्म गुरु व वनराखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद डॉ कौशल किशोर जायसवाल ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान व पलामू छतरपुर पूर्वी के जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल के साथ पर्यावरण धर्म के प्रार्थना के साथ हिमाचल के कपूर का पौधा लगाया। वहीं, केंद्रीय मंत्री ने पर्यावरणविद डॉ कौशल किशोर जायसवाल से बातचीत के बाद उनके कार्यों की सराहना की। कहा कि आज देश को जरूरत है डॉ कौशल किशोर जायसवाल के कार्यों से सीख लेने की। उन्होंने उनसे नर्मदा नदी के किनारे भी पौधरोपण करने की बातें कही। वहीं, वनराखी मूवमेंट के प्रणेता डॉ कौशल किशोर ने बताया है कि उनके द्वारा निःशुल्क पौधा वितरण सह रोपण के 58 वां वर्ष और पर्यावरण धर्म वनराखी मूवमेंट 48 वां बर्ष पूरा होने के उपरांत इस वर्ष का रशियन देश अजरबैजान की राजधानी बाकू से वृक्षों पर रक्षा बंधन और निःशुल्क पौधा वितरण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है। इस अवसर पर डॉ कौशल किशोर ने घोषणा की कि इस वर्ष विश्व के पांच देश और देश के 10 राज्यों में अभियान चलाकर निःशुल्क पौधा वितरण, रोपण और वृक्षों पर रक्षाबंधन कर कार्यक्रम चलाए जाएंगे। इस मौके पर जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल के साथ सूरज कुमार जायसवाल और हनुमान प्रसाद मौजूद थे।

शब्द व स्वर मिले तो जनता होगी खुशहाल : अविनाश

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। दुनिया के दो महान हस्तियों में 31 जुलाई को एक की जयंती, तो दूसरे की पुण्य तिथि मनायी गयी। इसमें से एक ने कलम से साहित्य का सृजन कर जन के साथ घटित घटनाओं को समाज के बीच पहुंचाया। तो दूसरे ने अपने फन से जनता को आंदोलित किया। भारतीय समाज खास कर हिंदीपट्टी को समझना है तो मुंशी प्रेमचंद को पढ़ना होगा जिसमें गोदान, गबन, कफन कर्मभूमि, रंगभूमि खास अहमियत रखता है। आजादी की लड़ाई में देशप्रेम के गीत हो या भक्तिमार्ग के या नव जोड़ों पर आधारित प्यार के गीत मोहम्मद रफी जैसा कोई दूसरा गाने वाला पैदा नहीं हुआ। जिनकी पुण्यतिथि मनायी गयी। वे 44 साल पहले दुनिया को अलविदा कह गए। इनके स्वर की दुनिया मुरीद रही। गुलशन संस्था की ओर से टाउन हॉल में कार्यक्रम आयोजित कर मोहम्मद रफी साहब को याद किया गया। गुलशन के अध्यक्ष पुष्पगुच्छ व अंग वस्त्र देकर स्वागत किए। 'एक शाम रफी साहब के नाम' कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुरूआत की गई। इस दौरान रफी साहब एक से बढ़ कर एक गानों को पेश किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे नगर आयुक्त ने भी अपनी आवाज का जादू बिखेरा। उन्हें याद करना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। वहीं, अविनाश देव ने कहा कि शब्द व स्वर मिल जाए तो जनता खुशहाल हो जाएगी।

विधायक कमलेश सिंह की पहल पर पांच सड़कों की मिली स्वीकृति, ग्रामीणों में हर्ष

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। विधायक कमलेश सिंह की अनुसंशा पर झारखंड ग्रामीण कार्य विभाग ने हुसैनाबाद की पांच सड़कों की स्वीकृति दी है। इसमें सड़या से चनरपुर की सड़क नहीं रहने के कारण इस गांव के लोग बरसात के दिनों में लगभग कैद हो जाते है। अब सड़क बन जाने से वह प्रखंड मुख्यालय से जुड़ जायेंगे। हुसैनाबाद विधायक सिंह ने गुरुवार को विज्ञप्ति जारी कर बताया कि हुसैनाबाद में पंचायत पोलड़ीह में बहेरा भोला मोड़ से कुंदन मोड़ तक, मंगलदीह कोनापर से महादेव शर्मा के घर तक, हैदरनगर में सड़या से चनरपुर स्कूल तक, मोहम्मदगांज में मुख्य पथ रामबांध से बरवाडीह टोला होते हुए मुख्य पथ नहर पंचायत सचिवालय तक व पंसा के बडिहा हरिजन टोला से बजरंग बली डोमा बाबा तक सड़क का निर्माण होगा। विधायक ने कहा कि उन्हें अब तक जितनी सड़कों, पुल पुलिया का प्रस्ताव ग्रामीणों से प्राप्त हुआ, उन्होंने अपने अथक प्रयास से उसे स्वीकृत कराया है। कहा कि क्षेत्र की सभी ग्रामीण सड़कों का निर्माण दुर्गा पूजा तक पूरा कराने का प्रयास किया जा रहा है। अधिकांश का काम पूरा हो गया है। कुछ सड़कों पर निर्माण का काम चल रहा है। अन्य पर कुछ दिनों में कार्य शुरू हो जायेगा। स्वीकृत पांच सड़कों का जल्द ही टेंडर की प्रक्रिया होने के बाद कार्य शुरू करा दिया जायेगा। उन्होंने लोगों से कार्य की गुणवत्ता पर जनता नजर रखने को कहा। कहा कि कहीं गड़बड़ी होती है तो तुरंत उन्हें सूचना दें। कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने धीमी गति से कार्य कर रहे संवेदकों को कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया है।

आबुआ आवास से योग्य लाभुक को रखा जा रहा वंचित : संदीप सरकार

छतरपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। छतरपुर प्रखंड के सुदूरवर्ती क्षेत्र कालापहाड़ पंचायत के लवादाग में पलामू युवा एकता मंच के जिला अध्यक्ष संदीप सरकार क्षेत्र भ्रमण कर ग्रामीणों की समस्याओ से रूबरू हुए। जिसमें अबूआ आवास से संबंधित ग्रामीणों ने विशेष रूप से अपनी समस्या बतायी। संदीप सरकार ने बताया कि छतरपुर प्रखंड क्षेत्र में संचालित अबूआ आवास में भ्रष्टाचार चल रहा है। योग्य ग्रामीणों को आवास से वंचित रखा जा रहा है। अनिरुद्ध यादव, मनोज यादव, गया यादव, कृष्ण यादव लवादाग निवासी गिरे हुए खपरैल के मकान में रहने को मजबूर हैं। जिसमें बारिश होने के बाद पानी से घर और आंगन भर जाता है। पर भ्रष्टाचार के कारण अभी तक उन लोगों को अबुआ आवास योजना का लाभ नहीं मिला है। संदीप से बताया कि अबूआ आवास नियमित तरीके से नहीं किए जाने पर शीघ्र ही युवा एकता मंच पलामू की ओर से चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा। मौके पर विश्वनाथ राम, कृष्ण यादव, राम प्रसाद यादव, महेंद्र यादव, पवन यादव, व नीतीश कुमार आदि मौजूद थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

आपूर्ति विभाग के कार्यों की जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने की समीक्षा

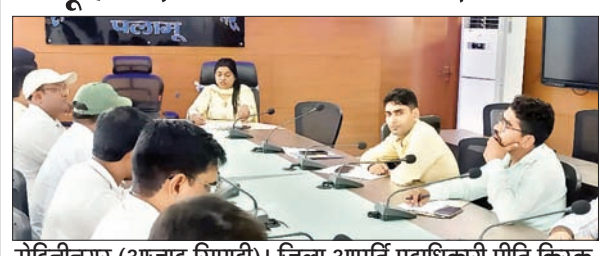

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रीति किस्कु ने गुरुवार को सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी और सहायक गोदाम प्रबंधक के साथ आपूर्ति से सम्बंधित संचालित योजनाओं की समीक्षा की। समाहरणालय सभागार में आयोजित बैठक में जुलाई 2024 का एनएफएसए के तहत खाद्यान्न का वितरण विस्तारित अवधि अंतर्गत 15 अगस्त तक पूर्ण करने का निर्देश दिया। बैठक में मई महीने के चना दाल वितरण की भी समीक्षा की। जिसमें पाया गया कि अबतक मात्र 81.99 फीसदी ही वितरण पूर्ण हो पाया है। सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को इसके वितरण में तेजी लाने का निर्देश दिया गया। इसी तरह सितंबर महीने 2023 का ग्रीन राशनकार्डधारियों का वितरण और सोना सोबरन धोती साड़ी वितरण योजना के तहत वस्त्र वितरण की समीक्षा की गयी। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि वस्त्र का वितरण मात्र 89.68 फीसदी ही किया गया है, जिसका वितरण पूर्ण करने का निर्देश सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को दिया गया। इसके साथ ही अक्टूबर 2023 का ग्रीन राशन का परिवहन एवं अगस्त 2024 के एनएफएसए का डीएसडी की भी समीक्षा की गयी। जिसके आलोक में सभी सहायक गोदाम प्रबंधक को डोर स्टेप के कार्य को अविलंब पूर्ण करने की बात कही गयी।

शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होते : संतोष मिश्रा

सेवानिवृति के बाद प्रोफेसर को दी गई सम्मानपूर्वक विदाई

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर/पलामू। रेहला बी मोड़ स्थित संत तुलसीदास डिग्री कॉलेज के इतिहास विभागाध्यक्ष प्रो रामजी चौबे सेवानिवृत हो गए। उनके सम्मान में कॉलेज सभागार में गुरुवार को विदाई समारोह आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य संतोष मिश्रा व संचालन प्रो कृष्ण कुमार चौबे ने किया। इस दौरान रामजी चौबे को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। प्राचार्य सहित सभी प्रोफेसर और कॉलेज कर्मियों ने उन्हें अंगवस्त्र व बुके देकर सम्मानित किया। प्राचार्य ने कहा कि नौकरी में पदस्थापन और सेवानिवृत्ति एक प्रक्रिया है, जिससे सभी को गुजरना पड़ता है। लेकिन शिक्षक कभी सेवानिवृत नहीं होते। प्रो रामजी चौबे कॉलेज से सेवानिवृत हुए हैं। अब इन्हें गांव समाज में शिक्षा का अलख जगाना है। उन्होंने रामजी चौबे के साथ बिताए 14 वर्षों के कार्यकाल को याद किया। वहीं, रामजी चौबे ने कहा कि उन्होंने कॉलेज को अपना शत प्रतिशत दिया है। कॉलेज परिवार ने भी खूब सम्मान और स्नेह दिया है। जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस मौके पर डॉ श्याम मिश्रा, अजय ओझा, ज्योति कुमारी, राकेश शुक्ला, शबनम निशा, आशा कुमारी, अस्मिता पांडेय, टीपी तिवारी, संतोष शुक्ला, अमित कुमार, फूल कुमारी, अर्चना मिश्रा, मधु ओझा, संगीता कुमारी, जितेंद्र पाठक, आशीष पांडेय, देव प्रकाश पांडेय, सुनील कुमार, संजय पांडेय, गुंजन पासवान, रामेश्वर राम, अनुज कुमार, नरेंद्र मिश्रा, सुधीर यादव, राम बिहारी, विनय कुमार आदि मौजूद थे।

हैदरनगर अध्ययन केंद्र में बीबीए और एम कॉम की शुरू हुई पढ़ाई, नामांकन शुरू

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत हैदरनगर विदेश सिंह इंटर कॉलेज स्थित झारखंड राज्य खुला विश्वविद्यालय अध्ययन केंद्र में बीबीए और एम कॉम की पढ़ाई शुरू हो गयी है। इसकी जानकारी गुरुवार को संचालक सह सचिव विनोद सिंह ने प्रेस बयान जारी कर दी। बताया कि झारखंड राज्य खुला विश्वविद्यालय के अध्ययन केंद्र में दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से कई रोजगारपरक पाठ्यक्रम की शुरूआत की गई है। नामांकन भी शुरू हो गया है। घर बैठे कामकाजी महिला और पुरुष नामांकन ले पायेंगे। यह कोर्स विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यूजीसी और डिस्टेंस एजुकेशन ब्यूरो से मान्यता प्राप्त है। स्नातक स्तर पर बीबीए और पीजी लेबल पर मास्टर ऑफ कॉमर्स की पढ़ाई होगी। उन्होंने बताया कि बीबीए का शुल्क 30 हजार रुपए व एम कॉम का शुल्क 18600 रुपए विश्वविद्यालय की ओर से निर्धारित किया गया है। इसके अलावे 31 सर्टिफिकेट डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा का कोर्स का संचालन किया जा रहा है। इन सभी कोर्सों में झारखंड सरकार द्वारा पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप का लाभ भी बच्चों को दिया जा रहा है। जल्द ही झारखंड स्टेट ओपन स्कूलिंग के माध्यम से मैट्रिक और इंटर कोर्स का संचालन किया जायेगा। ताकि गरीब दलित बच्चे-बच्चियों को लाभ मिल सके।

खड़े हाइवा में बाइक ने मारी टक्कर, सवार की मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

हरिहरगंज/पलामू। सुलतानी बस स्टैंड एनएच 139 पर गुरुवार को छतरपुर से हरिहरगंज की ओर तेज रफ्तार में जा रही बाइक सड़क पर खड़ी हाइवा से टकरा गयी। टक्कर इतनी जोदरात थी कि हाइवा का टायर फट गया, जिसकी जद में आने से बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह देख सुलतानी गांव के ग्रामीणों ने तत्काल एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी। खबर पाते ही हरिहरगंज पुलिस पहुंच गयी और घायल और मृतक को हरिहरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गयी। जहां घायल की स्थिति गंभीर देख चिकित्सकों ने औरंगाबाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं, पीपरा थाना प्रभारी बिमल कुमार ने मृतक और घायल की पहचान की। बताया कि मृतक जहानाबाद जिले के देवकुंडा थाना क्षेत्र अंतर्गत रामदुलार बिघा निवासी चंद्रदेव सिंह बेटा है, जिसका नाम धर्मेंद्र कुमार (24) है। जबकि घायल जहानाबाद जिले के ही पाई बिघा थाना अंतर्गत मुरहारा निवासी संजय यादव का 17 वर्षीय पुत्र प्रियांशु राज है। उन्होंने बताया कि घटना के संबंध में परिजनों को सूचना दे दी गयी है।

स्पोर्ट्स

पेरिस ओलंपिक में भारत के शूटर स्वप्निल कुसाने ने ब्रांज जीतकर तीसरा मेडल दिलाया।

पेरिस ओलिंपिक में भारत को तीसरा मेडल, शूटर स्वप्निल ने जीता कांस्य

50मी राइफल थ्री पोजिशन में कामयाबी, सात्विक-चिराग की जोड़ी बाहर

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस ओलिंपिक में बुधवार को भारत को तीसरा मेडल मिला। 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन की मेंस कैटेगरी में शूटर स्वप्निल कुसाले ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। स्वप्निल ने कुल 451.4 अंक हासिल किए। खास बात यह है कि इस बार के ओलिंपिक में अब तक तीनों मेडल शूटिंग इवेंट्स में ही मिले हैं। स्वप्निल कुसाले 2015 में कुवैत में हुई एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में 50 मीटर राइफल प्रोन 3 इवेंट में गोल्ड मेडल जीत चुके हैं। उन्होंने 59वें नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में गगन नारंग और चेन सिंह जैसे शूटर्स को हरा चुके हैं। मेडल जीतने के बाद स्वप्निल ने कहा कि 'मुझे काफी खुशी हो रही है कि मैंने देश के लिए मेडल जीता। फाइनल के दौरान काफी नर्वस था, धड़कनें तेज हो गई थीं।' स्वप्निल कुसाले ने 2015 में कुवैत में हुई एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में 50 मीटर राइफल प्रोन 3 इवेंट में गोल्ड मेडल जीता था। इसके अलावा वे तुगलकाबाद में 59वें नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में गगन नारंग और चेन सिंह जैसे बड़े शूटरों को हराकर जीत हासिल कर चुके हैं।

रोल मॉडल एमएस धोनी

स्वप्निल महाराष्ट्र के पुणे में जन्मे हैं। 28 साल के स्वप्निल 2012 से इंटरनेशनल शूटिंग इवेंट्स में हिस्सा ले रहे हैं। ओलिंपिक-2024 में डेब्यू किया है। पहले ही ओलिंपिक में स्वप्निल ने ब्रॉन्ज मेडल जीता है। स्वप्निल के रोल मॉडल महेंद्र सिंह (एमएस) धोनी हैं। धोनी की तरह स्वप्निल भी सेंट्रल रेलवे में टिकट कलेक्टर हैं। स्वप्निल भी धोनी की तरह ही शूटिंग रेंज में शांत रहते हैं। स्वप्निल की मां कंबलवाडी गांव की सरपंच हैं। पिता और भाई टीचर हैं।

चिकित्सा पदाधिकारी ने 'आइ ऑन व्हील' को हरी झंडी दिखा कर किया रवाना

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। अनुमंडलीय अस्पताल में गुरुवार से 31अगस्त तक चलने वाले आई ऑन व्हील कार्यक्रम को प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ दीपक कुमार सिन्हा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बताया कि इस कार्यक्रम के तहत हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्र के सभी संकुल में बच्चों के आंखों की जांच की जाएगी। साथ ही आसपास के गांवों में भी बुजुर्गों के आंखों की जांच की जाएगी। मौके पर प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक बिभूति कुमार गुप्ता, प्रखंड डाटा प्रबंधक रंजीत कुमार मेहता, एलटी विनय कुमार सिंह, नेत्र सहायक दयानंद, लिपिक राहुल कुमार सिंह, एसटीएस राहुल कुमार सिंह उपस्थित थे।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ, खिलाड़ियों का बढ़ायेंगे हौसला

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। जिले के प्रखंड पीपरा निवासी हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ओलंपिक खेल में भारत के खिलाड़ियों का हौसला अफजाई करने के लिए पेरिस पहुंचे हैं। विश्व के सबसे बड़े खेल ओलंपिक फ्रांस के पेरिस में खेला जा रहा है। ओलंपिक खेल में भारत के हॉकी टीम के खिलाड़ीयों सहित कुल 117 एथलिट भाग ले रहे हैं। इससे पहले भी भोलानाथ सिंह कई राष्ट्रीय स्तर के खेल आयोजन में शामिल होकर राज्य और देश का नाम रोशन कर चुके हैं। गुरुवार को हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने फोन पर बताया कि युवा हॉकी खिलाड़ियों द्वारा इस बार भी ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन करने की उम्मीद है। वहीं, भोलानाथ सिंह के पेरिस रवानगी पर परिवार के सदस्य राष्ट्रीय पहलवान काशीनाथ सिंह, वॉलीबॉल कोच विश्वनाथ सिंह, प्रेमनाथ सिंह, गौतम राज सिंह आदि ने खुशी जाहिर की है।

श्रावणी मेला के लिए मेडिकल मोबाइल यूनिट रवाना

बोकारो (आजाद सिपाही)। श्रावणी मास में कांवरियों की सुविधा के लिए पिछले ढाई दशकों से बोकारो स्टील प्लांट की ओर से बैद्यनाथ धाम (देवघर) के समीप प्राथमिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाता रहा है। इस साल भी शिविर के लिए बीएसएल के निगमित सामाजिक दायित्व के तहत कार्य करने वाली मेडिकल मोबाइल यूनिट 'इस्पात संजीवनी' (चिकित्साकर्मियों और स्वयंसेवियों के दल) को बीएसएल के निदेशक प्रभारी वीरेंद्र कुमार तिवारी ने गुरुवार को इस्पात भवन परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं एवं अतिरिक्त प्रभार सामग्री प्रबंधन) सीआर महापात्रा, अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगानी, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन एवं अतिरिक्त प्रभार संकार्य) राजन प्रसाद, अधिशासी निदेशक (माइंस) जॉयदीप दासगुप्ता, बीजीएच के कार्यकारी प्रभारी डॉ इंद्रनील चौधरी के अलावा बैद्यनाथ सेवा ट्रस्ट के सदस्य उपस्थित थे।

कार्रवाई : मांगी थी 10 लाख की फिरौती, पुलिस ने जाल बिछा कर दबोचा

टुंडी से अपहृत जमीन कारोबारी जंगल से बरामद, तीन गिरफ्तार

अपहरण की सूचना मिलते ही पुलिस ने की त्वरित कार्रवाई, 1.31 लाख नकद बरामद

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। टुंडी के कसियाटांड़ से बुधवार को कालियासोल निवास जमीन कारोबारी संजय मंडल का चार बदमाशों ने अपहरण कर लिया गया था। जिसकी सूचना टुंडी थाना को मिलते ही पुलिस हरकत में आई और जांच में जुट गई। जिानकारी के अनुसार जमीन कारोबारी संजय मंडल जामताड़ा से चालधोवा के रास्ते टुंडी थाना क्षेत्र के महाराजगंज जा रहे थे। तभी काशीटांड ग्राम के पास बुधवार की रात अज्ञात अपराधियों ने गाड़ी सहित उनका अपहरण कर लिया और पाटकोल के जंगल में ले गये। वहां बदमाशों ने संजय के मोबाइल नंबर 7004928236 से ही उसके परिजनों को फोन कर 10 लाख रुपये फिरौती देने मांग की। हालांकि परिजनों ने संजय के अपहरण और फिरौती मांगने की घटना की सूचना टुंडी पुलिस को दी। इसके बाद योजनाबद्ध तरीके से दो लाख रुपए अपहरणकर्ताओं को भी तत्काल दे दिया। तुरंत इसकी सूचना वरीय पुलिस अधीक्षक को दी गयी। जिसके बाद पुलिस उपाधीक्षक संदीप कुमार गुप्ता के निर्देश पर फिरौती देने के कुछ ही देर बाद पुनि सह थाना प्रभारी टुंडी/पूर्वी टुंडी थाना प्रभारी एवं सशस्त्र बल के जवानों ने पाटकोल जंगल की घेराबंदी कर छापामारी की। हालांकि खुद को पुलिस से घिरा देखकर अपहरणकर्ता जमीन कारोबारी संजय मंडल को गाड़ी सहित वहीं छोड़कर भागने लगे। पर पुलिस के सतर्क जवानों ने तीन अपहरणकर्ताओं को मौके से ही दबोच लिया। जबकि एक फरार होने में कामयाब हो गया। पुलिस ने तीनों बदमाशों के पास से बिना नंबर की एक बाइक नकद एक लाख 31 हजार रुपये, एक मोबाइल फोन, एक एयर गन आदि बरामद किया है। पुलिस पकड़े गये बदमाशों से पूछताछ कर फरार साथी की पहचान कर उसे पकड़ने की कोशिश में जुट गयी है।

एक अन्य अपहरणकर्ता फरार, तलाश में जुटी पुलिस

पकड़े गए अपहरणकर्ताओं की जानकारी देते पुलिस के आला अधिकारी।

मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना से राज्य में महिला सशक्तिकरण को मिलेगा बढ़ावा : अनुपमा सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। कांग्रेस नेत्री अनुपमा सिंह के निर्देश पर जोड़ापोखर स्थित आवासीय कार्यालय में गुरुवार को कार्यक्रम आयोजित कर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की घोषणा के आलोक में मईया सम्मान योजना का निःशुल्क आवेदन प्रपत्र वितरित किया गया। इस अवसर पर अनुपमा सिंह ने कहा कि राज्य की हेमंत सोरेन सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर झारखंड की गरीब-मध्यम वर्ग की महिलाओं को सहायता देकर आत्मनिर्भर बनाने के लिए मइया सम्मानि योजना का शुभारंभ किया है। इसके तहत सीधे 1000 रुपये प्रतिमाह 21 से 50 वर्ष की आयु की लाभार्थी महिलाओं के बैंक खाते में हस्तांतरित की जाएगी। ताकि वह परिवार की आर्थिक समस्या से निपटने में सक्षम हो सके और अपने पोषण, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पर ध्यान दे सके। वहीं, झारखंड मुख्यमंत्री मंईया सम्मान योजना का आवेदन प्रपत्र वितरित करते हुए प्रवक्ता सतपाल सिंह ब्रोका ने कहा कि अनुपमा सिंह के निर्देश पर यह फार्म वितरण की शुरूआत की गई है। इसके तहत आवेदन करने वालों का आधार लिंक्ड सिंगल बैंक खाता, मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड एवं राशन कार्ड अंतोदय अन्न योजना कार्ड गृहस्थी कार्ड सफेद राशन कार्ड हरे रंग का राशन कार्ड का दस्तावेज लगाकर संलग्न करना है। इस मौके पर सावित्री देवी, अनिल पांडे, किशोर कुमार, राहुल कुमार, रवि कुमार, मनोज कुमार आदि थे।

वरीय पुलिस अधीक्षककाकार्याल, रॉची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

नाम–महादेव मुण्डा उम्र–28 वर्ष, रंग–सॉवला, ऊँचाई–5 फीट, 3 ईंच पहनावा–हरा रंग का टी शर्ट एवं काला रंग का पैंट पहने हुए है।

उपरोक्त लापता व्यक्ति महादेव मुण्डा, पे0–स्व0 सुनुराम मुण्डा, सा0–सिंगार सराय, थाना–नामकुम, जिला–रॉची जो दिनांक–07.05.2024 को घर से बगैर बताए कहीं चले गए जो आजतक अपने घर वापस नहीं है। जिसकेसंबंध में नामकुम सनहा संख्या 31/2024 दिनांक–01.06.2024दर्ज कर खोजबीन की जा रही है। इनकी खोजबीन हेतु जनता का सहयोग अपेक्षित है। उपरोक्त सूचना की सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जन सधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता पुरूष कहीं मिलते/दिखते है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नलिखित फोन नम्बर पर सम्पर्क कर इस की सूचना दें।

पुलिसउपाधीक्षक मु0,प्रथम,रॉची – 9431706141
थाना प्रभारी नामकुम, रॉची। – 9431706173

वरीय पुलिस अधीक्षक, रॉची

PR 331541 Police (24-25)_D

महत्वपूर्ण न्यूज

7 अगस्त तक 'हृदय परिवर्तन सप्ताह' मनाने का निर्णय, मजार पर प्रार्थना आज

बोकारो (आजाद सिपाही)। झारखंड अनुसचिवीय कर्मचारी संघ समाहरणालय संवर्ग राज्य इकाई के आह्वान पर बोकारो जिले में भी सभी अनुसचिविय कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। जिस करण बोकारो समाहरणालय सहित चास अनुमंडल कार्यालय एवं बेरमो-तेनुघाट के साथ सभी प्रखंड-अंचलों के कार्य बुरी तरह प्रभावित हुआ। सभी अनुसचिवीय कर्मी समाहरणालय के समीप गुरुवार को भी धरना पर बैठे रहे। संगठन के कार्यकारी सचिव नारायण प्रसाद वर्मा ने बताया कि सरकार ने अभी तक कोई सकारात्मक पहल नहीं की है। इसी कारण संगठन की ओ से घोषित कार्यक्रम के तहत सभी अनुसचिवीय कर्मी सेक्टर-12 स्थित सरना स्थल पर जाकर सरकार के हृदय परिवर्तन के लिए प्रार्थना किए। कहा कि सरकार के रवैया से यही प्रतीत हो रहा कि अनुसचिवीय कर्मी जिस प्रशासनिक सुधार की मांग कर रहे हैं उससे सरकार को कोई लेनादेना ही नहीं है। कहा कि संगठन की ओर से सरकार का हृदय परिवर्तन के लिए गुरुवार से सात अगस्त तक हृदय परिवर्तन सप्ताह मनाने का निर्णय लिया गया है। इसी के तहत बोकारो जिला इकाई की ओर से कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम की अगली कड़ी में शुक्रवार को सिटी पार्क स्थित मजार पर प्रार्थना की जाएगी। वहीं, नारायण प्रसाद वर्मा ने कहा कि अनुसचिवीय कर्मी शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करती रहेगी। इस मौके पर सूकुमार प्रसाद मरांडी, रवि मुर्मू, शारदा कुमार हंसदा, संतोष कुमार सिंह, मनोरंजन कुमार निराला, प्रभाकर सिंह चौधरी, रामनंदन प्रसाद, संतोष जेम्स किस्कू, आशीष भारद्वाज, राजेश्वर प्रसाद, विभांशु, संजय गोराई, लक्ष्मी नारायण प्रसाद, लखिश्वर मरांडी, रश्मि कुमारी, साबित सोनम, कृष्ण प्रिया, मैरी मार्था माल्तो, छोटन कुमार, हाकीम मांझी, अजित कुमार, सरयू कुमार, पुनय विक्रम खलखो, हिमांशु, मिहीलाल मांझी, अंगद सिंह, संजय कुमार, कीर्ति कांत, परमेश्वर सोरेन, बिंदु पंकज व विद्या सागर आदि थे।

भाजपाइयों ने झारखंड सरकार का पुतला फूंका

बोकारो (आजाद सिपाही)। बोकारो जिला भाजपा की ओर से गुरुवार को चास धर्मशाला चौक में झारखंड सरकार का पुतला दहन किया गया। इसका नेतृत्व भाजपा के बोकारो जिला अध्यक्ष जयदेव राय ने किया। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार ने जनता से जो वादा किया उसे आज तक पूरा नहीं कर पायी। अब नए वादों के साथ 2024 में विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। यह राज्य की जनता के साथ धोखा है। कहा कि राज्य की गठबंधन सरकार ने 2019 विदानसभा चुनाव में पांच लाख नौकरी, बेरोजगार युवाओं को 7000 रुपये बेरोजगारी भत्ता और अबुआ आवास आदि कई घोषणाएं की थी। जिसे आज कर पूरा नहीं कर सकी। सरकार की इसी वादा खिलाफी का विरोध करने पर विधानसभा के अंदर एनडीए के विधायकों को निलंबित कर दिया गया। सरकार की नीतियों के विरोध में सभी विधायकों ने झारखंड विधानसभा परिसर के अंदर धरना दिया। पर झारखंड सरकार ने विधानसभा की बिजली-पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं काट दी। ऐसा लग रहा जैसे झारखंड में अंग्रेजों का शासन चल रहा है। कहा कि हम सभी ने यह संकल्प लिया है कि आने वाले विधानसभा चुनाव में राज्य की सत्ता से उन्हें उखाड़ फेंकेंगें। इस मौके पर दिलीप श्रीवास्तव, कमलेश राय, मुकेश राय, डॉ परिंदा सिंह, गिरजा देवी, डॉ प्रकाश सिंह, प्रकाश सिंह, आरती राणा, अनिल स्वर्णकार, गोउर रजवार, धीरज झा, इंद्र झा, महेन्द्र राय,अनिल सिंह, राकेश मधु, मथुर मंडल आदि उपस्थित थे।

कोयला खनन के दौरान दबकर महिला की मौत

झरिया (आजाद सिपाही)। घनूडीह ओपी अंतर्गत नदी पार जोरिया के समीप चीन कोठी नीचे धौरा निवासी दारा रजवार की 50 वर्षीय पत्नी कुसुम देवी का कोयला खनन के दौरान मिट्टी गिरने से दब कर मौत हो गयी। इसकी सूचना मिलने पर आसपास के लोग मिट्टी को हटाकर शव निकाल लिये हैं। हालांकि उसके परिजन का कहना है कि काफी दिनों से बीमार होने के कारण उसकी मौत हुई है। उसका अंतिम गुरुवार को संस्कार महोल बनी घाट में कराया गया। वहीं, घनुडीह ओपी प्रभारी पवन कुमार ने अवैध खनन में किसी भी प्रकार की घटना से इनकार किया। बताते चलें कि झरिया थाना क्षेत्र का यह इलाका काफी खतरनाक है जो बस्ताकोला क्षेत्र 9 अंतर्गत आता है। आसपास के कोयला चोर यहां कोयला चोरी व खनन का काम करते हैं। सूत्रओं की मानें तो कोला खनन के दौरान अचानक ऊपर से पत्थर-मिट्टी गिर गया, जिसके नीचे दबकर महिला की मौत हो गयी।

झारखंड से नक्सली जल्द पूरी तरह समाप्त हो जायेंगे: डॉ माइकल राज

बोकारो आइजी ने किया बेरमो अनुमंडल ऑफिस का निरक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

तेनुघाट। बोकारो परिक्षेत्र के आईजी डॉ माइकलराज एस गुरुवार को बेरमो अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कार्यालय का निरीक्षण करने पहुंचे थे। उन्हें अनुमंडल पुलिस कार्यालय के समक्ष गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद बेरमो अनुमंडल स्थित सभी पुलिस निरीक्षक और थाना प्रभारी से बारी-बारी से परिचय प्राप्त किया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वशिष्ठ नारायण सिंह ने बुके देकर उनका और बोकारो एसपी पूज्य प्रकाश का स्वागत किया। वहीं निरीक्षण के बाद आइजी ने बताया कि प्रति वर्ष निरीक्षण करने की आवश्यकता पड़ती है, ताकि कार्यालय की जो कार्यशैली है उसमें अगर सुधार की आवश्यकता है तो उसे और भी सुधार किया जा सके। अपराध और नक्सली घटनाओं को नियंत्रण के लिए किए जा रहे उपायो की जानकारी ली। बताया कि अगर जरूरत पड़ी तो सुधार किया जा सकता है। आने वाले विधानसभा चुनाव के बारे में पूछने पर बताया कि अभी लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ है। उम्मीद है कि विधानसभा चुनाव में भी प्रशासन अपना काम करेगा और चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न होगा। मतदान प्रतिशत भी बढ़ेगा। नक्सलियों को लेकर पूछे जाने पर बताया कि झारखंड में एक-दो जिले छोड़कर लगभग सभी जगह नक्सली पूरी तरह समाप्त होने की कगार पर है। उम्मीद है कि झारखंड में बहुत जल्द नक्सली पूरी तरह से समाप्त हो जायेंगें। इस मौके पर बोकारो एसपी पूज्य प्रकाश, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वशिष्ठ नारायण सिंह, गोमिया पुलिस निरीक्षक महेश प्रसाद सिंह, बेरमो पुलिस निरीक्षक रोहित कुमार सिंह, जरीडीह पुलिस निरीक्षक, पेटरवार थाना प्रभारी राजू मुंडा, तेनुघाट ओपी प्रभारी अजीत कुमार, गोमिया थाना प्रभारी नित्यानंद भोक्ता आदि मौजूद थे।

आइजी ने की महुदा अंचल कार्यालय को पुरस्कार देने की घोषणा

आजाद सिपाही संवाददाता

महुदा। पुलिस महानिरीक्षक (आइजी) उत्तरी छोटानागपूर प्रक्षेत्र ने महुदा पुलिस निरीक्षक अंचल कार्यालय का निरीक्षण करने के बाद पुरस्कार देने की घोषणा की है। पुलिस अंचल अंतर्गत जर्जर खरखरी ओपी भवन का भी निरीक्षण कर अन्यत्र नये भवन में शिफ्ट कराने का निर्देश दिया है। सूत्रों की मानें तो आइडी डॉ माईकल एस राज ने बुधवार को महुदा पुलिस अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया था। उन्होंने घंटो निरीक्षण के दौरान कार्यालय की सुदृढ़ व्यवस्था, स्वच्छता, रिकार्ड के अद्यतन फाईलिंग सहित अभिलेखों की नियमित व्यवस्था से प्रभावित होकर पुलिस निरीक्षक ममता कुमारी समेत कर्मियो की प्रशंसा की। इस क्रम मे उपस्थित जिला वरीय पुलिस अधीक्षक एचपी जनार्दन ने भी सभी को बधाई देते हुए तारीफ की। उन्होंने महुदा पुलिस अंचल कार्यालय की सुदृढ़ व्यवस्था एवं रख रखाव को जिला के अन्य अंचल कार्यालय के लिये एक आदर्श कहा।

कई मकानों को तोड़ना का निर्देश, ऐसा नहीं करने पर कार्रवाई

वन भूमि पर अवैध कब्जा करनेवालों के खिलाफ चला अभियान, तोड़ी गयी चहारदीवारी

आजाद सिपाही संवाददाता

ऊपरघाट। बेरमो वन प्रक्षेत्र अंतर्गत गोविंदपुर व कंजकिरो मौजा में वन भूमि की जमीन पर कब्जा कर चहारदीवारी एवं घर का निर्माण को हटाने को लेकर वन विभाग की ओर से बोकारो वन प्रमंडल के डीएफओ के निर्देश पर प्रोबेशन आईएसएफ अधिकारी संदीप शिंदे के नेतृत्व में गुरुवार को अभियान चलाया गया। इसमें चास एवं बेरमो रेंज ऑफिस के कई अधिकारी एवं महिला-पुरुष वन रक्षी के अलावा बोकारो थर्मल थाना के निरीक्षक शैलेंद्र कुमार सिंह, अनि धनंजय सिंहआदि शामिल थे। प्रोबेशन आईएसएफ संदीप सिंह ने हरिजन बस्ती ईंट भट्टा के सामने वन भूमि की काफी जमीन पर पत्थरों से अस्थायी रुप से खड़ा की गयी चहारदीवारी को जेसीबी की मदद से ढहा दिया। वहीं, कंजकिरो मौजा के पिलपिलो मोड़ में घेरावन भी तोड़ा गया। वहां पर मकई और अरहर-दाल की खेती की गयी थी। इसके अलावा दर्जनों लोगों द्वारा बनाये गये घरों को तोड़ने का निर्देश दिया। ऐसा नहीं करने पर प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया। बाद में प्रोबेशन आईएसएफ अधिकारी ने कई लोगों का पक्के मकानों को हटा लेने का निर्देश दिया। पूरी कार्रवाई की ड्रोन कैमरा से नजर रखी जा रहीं है। अधिकारी ने पूछे जाने पर कहा कि स्थानीय ग्रामीणों द्वारा शिकायत मिली थी कि बोकारो थर्मल के उक्त स्थान के अलावा नूरी नगर के समीप वन भूमि की जमीन पर कब्जा कर कई मकान बना लिये गये हैं। साथ ही कब्जा कर जमीन भी घेरी जा रही है। शिकायत के आधार पर ही कार्रवाई की गयी है। कहा कि वन भूमि की जमीन पर अवैध कब्जा करना कानूनन अपराध है। इसके लिए पूर्व में सभी को नोटिश भी जारी की गयी है। वन भूमि की जमीन पर मकान बनाने वालों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जिला परिवहन पदाधिकारी का कार्यालय, सिमडेगा

-: सूचना :-

संयुक्त परिवहन आयुक्त (सड़क सुरक्षा) लीड ऐजन्सी सड़क सुरक्षा परिवहन विभाग, झारखण्ड, राँची के पत्रांक–173 दिनांक 18.06.2024 के आलोक में जिले के सभी जनता/नागरिकों को सूचित किया जाता है कि Driver तथा pillion Rider (पिछे बैठने वाले) द्वारा हेलमेट का प्रयोग 90% नहीं किया जाता है। यातायात व्यवस्था को सृदृढ़ करने हेत Driver तथा pillion Rider द्वारा हेलमेट का उपयोग करना अनिवार्य है। एत्द हेलमेट के उपयोग करने से सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु की संख्या में कमी लायी जा सकती है।

अतः सिमडेगा जिला अन्तर्गत सभी आम नागरिकों से अपील किया जाता है दो पहिया मोटर वाहन परिचालन के दौरान Driver तथा pillion Rider हेलमेट का उपयोग निश्चित रूप से करना सुनिश्चित करें, अन्यथा प्रर्वत्तन (जांच) कार्य के दौरान यदि बिना हेलमेट का दोपहिया मोटरवाहन परिचालन करते पकड़े जाते है, तो मोटरवाहन अधिनियम 1988 की संसुगत धाराओं के तहत कार्रवाई की जायेगी।

जिला परिवहन पदाधिकारी
सिमडेगा

PR 331351 Transport (24-25)_D

Office of the District Legal Service Authority, Latehar

Notice

As per the direction of JHALSA, Ranchi, application is invited for thepost of Chief Legal Aid Defense Counsel at LADC Office Latehar (01 Post), under modified LADCS Scheme 2022.The qualification for chief Legal Aid Defense Counsel is as follows:-Practice in criminal law for at least 10 years,

- Excellent oral and written communication skills,
- Excellent understanding of criminal law,
- Thorough understanding of ethical duties of a defense counsel,
- Ability to work effectively and efficiently with others with capability to lead,
- Must have handled at least 30 criminal trials in sessions Courts, aforesaid condition of handling 30 criminal cases can be relaxed in appropriate circumstances,
- Knowledge of computer system is preferable.
- Quality to lead the team with capacity to manage the office.

The interested candidate/Lawyer may submit his/her application till 05 PM of dated 16.08.2024in the office of DLSA Latehar.For more detail and to download form visit https://latehar.dcourts.gov.in/

By Order

Secretary
DLSA, Latehar

PR 331462 Law(24-25)#D

Jharkhand Industrial Infrastructure Development Corporation Limited (JIIDCO)

(A Govt. of Jharkhand Undertaking)
5th Floor, Udyog Bhawan, Ratu road, Ranchi – 834001 (Jharkhand)
e-mail- jiidcoltd@gmail.com www.jiidco.co.in Phone no. 0651-3512851
CIN U45208JH2004GOI011078

Letter no. 468 Dated.01.08.2024

SHORT NOTICE INVITING TENDER (4th Call)
(through e-procurement mode only-www.jharkhandtenders.gov.in)
NIT No.- JIIDCO/06/2024-25

Designation and Address of the Advertiser:- Executive Engineer, Office of M.D.JIIDCO, 5th Floor, Udyog Bhawan, Ratu road, Ranchi-834001

1. Mode of submission of tender :- Online through www.jharkhandtenders.gov.in
2. Publishing on website :- Date 06.08.2024
3. Period downloading of Bidding Documents:- Date 06.08.2024 to 12.08.2024 Time 3.00 P.M.
4. Bids online submission :- Date 06.08.2024 to 12.08.2024 Time 3.00 P.M.
5. Bid opening date (Technical) :- Date 13.08.2024 Time: 3.30 P.M.
6. Details of works:-

Bid No.	Name of work	Estimate Cost (Rs.)	Amount of Earnest money (Rs.)	Cost of BOQ (Non-refundable in Rs.) (Inclusive GST)	Time of completion of work
1	2	3	4	5	6
1	Remaining work of Lah Processing Unit at Bundu, Ranchi.	84,49,765.00	1,69,000.00	11,800.00	03 Months

7. Tender fee (non-refundable) & EMD is to be received through online mode only. Bidders can use internet banking facility for faster processing of Tender fee Alternatively, Bidders can use NEFT/RTGS challan generated for the tender from http://jharkhandtenders.gov.in. portal.
Refund will only be issued to Originated bank account used for the payment of EMD. So, bidders are advised NOT to close the above Bank Account used for online payment NEFT/RTGS of EMD.
No Hardcopy/Physical copy is required to be submitted for tender opening/evaluation. However, Department may ask original documents for verification before award of contract.
8. Bid Validity :- 180 days
9. Place of opening of Technical Bid :- Office of M.D. JIIDCO, 5th Floor, Udyog Bhawan, Ratu road, Ranchi-834001
10. For any information/complaints the department helpline no. M.b.no. 7004785102 may be contacted.
11. Further details can be seen on website- www.jharkhandtenders.gov.in.
12. Any Corrigendum or Addendum will be notified in website:- www.jharkhandtenders.gov.in only.

Note: (i) Any change can be seen on website www.jharkhandtenders.gov.in
(ii) Any other information can be seen on www.jharkhandtenders.gov.in
(iii) **The estimated cost mentioned above in sl. No.6 column no. 3 is approximate which may be increased or decreased.**

Sd/-
Executive Engineer JIIDCO Ranchi

PR 331509 Jharkhand Industrial Infrastructure Dev Co Ltd(24-25)D

सुप्रीम कोर्ट ने अपना 19 साल पुराना फैसला पलटा, कहा-

एससी रिजर्वेशन के कोटे में कोटा मंजूर

- राज्य आरक्षण में सब कैटेगरी बना सकते हैं

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। राज्य सरकारें अब अनुसूचित जाति (एससी) के रिजर्वेशन में कोटे में कोटा दे सकेंगी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार (1 अगस्त) को इस बारे में बड़ा फैसला सुनाया। अदालत ने 20 साल पुराना अपना ही फैसला पलटा है। तब कोर्ट ने कहा था कि अनुसूचित जातियां खुद में एक समूह हैं, इसमें शामिल जातियों के आधार पर और बंटवारा नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने अपने नये फैसले में राज्यों के लिए जरूरी हिदायत भी दी है। कहा है कि राज्य सरकारें मनमर्जी से फैसला नहीं कर सकतीं। इसके लिए दो शर्तें होंगी...

पहली: अनुसूचित जाति के भीतर किसी एक जाति को 100% कोटा नहीं दे सकतीं। **दूसरी:** अनुसूचित जाति में शामिल किसी जाति का कोटा तय करने से पहले उसकी हिस्सेदारी का पुख्ता डेटा होना चाहिए। फैसला सुप्रीम कोर्ट की 7 जजों की संविधान पीठ का है। इसमें कहा गया कि अनुसूचित जाति को उसमें शामिल जातियों के आधार पर बांटना संविधान के अनुच्छेद-341 के खिलाफ नहीं है।

फैसले का आधार: अदालत ने फैसला उन याचिकाओं पर सुनाया है, जिनमें कहा गया था कि अनुसूचित जाति और जनजातियों के आरक्षण का फायदा उनमें शामिल कुछ ही जातियों को मिला है। इससे कई जातियां पीछे रह गयी हैं। उन्हें मुख्यधारा में लाने के लिए कोटे में कोटा होना चाहिए। इस दलील के आड़े 2004 का फैसला आ रहा था, जिसमें कहा गया था कि अनुसूचित जातियों को सब-कैटेगरी में नहीं बांट सकते।

फैसले के मायने: राज्य सरकारें अब राज्यों में अनुसूचित जातियों में शामिल अन्य जातियों को भी कोटे में कोटा दे सकेंगी। यानी अनुसूचित जातियों की जो जातियां वंचित रह गई हैं, उनके लिए कोटा बनाकर उन्हें आरक्षण दिया जा सकेगा। मसलन- 2006 में पंजाब ने अनुसूचित जातियों के लिए निर्धारित कोटे के भीतर वाल्मीकि और मजहबी सिखों को सार्वजनिक नौकरियों में 50% कोटा और पहली वरीयता दी थी।

बायोम इंस्टीट्यूट उड़ान 2025 टैलेंट रिवार्ड एग्जाम दो चरणों में, पहले चरण की परीक्षा सितंबर माह के अंत में

- 2.5 करोड़ के बांटे जायेंगे स्कॉलरशिप और उपहार
- कक्षा आठवीं से 12वीं के विद्यार्थी एग्जाम में हो सकेंगे शामिल
- ऑनलाइन-ऑफलाइन दोनों माध्यम में संचालित होगी परीक्षा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। बायोम इंस्टीट्यूट की ओर से वार्षिक उड़ान 2025 टैलेंट रिवार्ड एग्जाम की घोषणा कर दी गयी है। कक्षा आठवीं से 12वीं में अध्ययनरत विद्यार्थी उड़ान परीक्षा के लिए आवेदन कर सकेंगे। संस्था के वेबसाइट www.biomeinstitute.in से ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूरी की जा सकेगी। उड़ान एग्जाम के पहले चरण में विद्यार्थी ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों में से किसी भी एक माध्यम में परीक्षा दे सकेंगे। ऑनलाइन माध्यम में परीक्षा देने के इच्छुक विद्यार्थी 25 सितंबर तक और ऑफलाइन माध्यम में शामिल होने के लिए इच्छुक विद्यार्थी को 27 सितंबर तक आवेदन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। परीक्षा सितंबर महीने के अंत में संचालित होगी। उड़ान 2025 में सफल होने वाले विद्यार्थियों को 100 फीसदी स्कॉलरशिप हासिल करने का मौका मिलेगा। संस्थान की ओर से आयोजित परीक्षा के सफल विद्यार्थियों के बीच 2.5 करोड़ रुपये तक की स्कॉलरशिप और उपहार बांटे जायेंगे।

ऑनलाइन परीक्षा में नि:शुल्क हो सकेंगे शामिल

उड़ान 2025 टैलेंट रिवार्ड एग्जाम दो चरण में आयोजित होगी। इस क्रम में पहले चरण की ऑनलाइन परीक्षा 20 से 26 सितंबर तक आयोजित होगी। विद्यार्थियों को अपने च्वाइस के एग्जाम स्लॉट को चयन करने का मौका मिलेगा।

ऑनलाइन परीक्षा में विद्यार्थी नि:शुल्क शामिल हो सकेंगे। वहीं, पहले चरण की ऑफलाइन परीक्षा रविवार 29 सितंबर को संचालित की जायेगी।

ऑफलाइन एग्जाम में शामिल होने के इच्छुक विद्यार्थियों को आवेदन शुल्क 200 रुपये चुकाना होगा। विद्यार्थी उड़ान 2025 एग्जाम का फॉर्म संस्था के वेबसाइट के अलावा हिनू और न्यू नगड़ा टोली स्थित बायोम सेंटर से ले सकेंगे।

स्टेट टॉपर को मिलेगा लैपटॉप

बायोम इंस्टीट्यूट के मैनेजिंग डायरेक्टर पंकज सिंह ने बताया कि पहले चरण की ऑफलाइन परीक्षा का रिजल्ट 6 अक्टूबर को जारी किया जायेगा। ऑनलाइन और ऑफलाइन परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को संस्था की ओर से आकर्षक उपहार दिया जायेगा। स्टेट टॉपर को लैपटॉप, जोन टॉपर को साइकिल, डिस्ट्रिक्ट टॉपर को टैब और स्कूल टॉपर को स्मार्ट वॉच उपहार स्वरूप दिया जायेगा।

पूर्व आइएएस पूजा खेडकर की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। आईएएस पूजा खेडकर को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट से गुरुवार को बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने उन्हें अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया। बता दें कि उनके खिलाफ यूपीएससी की शिकायत पर दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एफआईआर दर्ज की थी। उनका चयन रद्द करने के लिए उन्हें कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया था। उन्हें भविष्य की परीक्षाओं से भी रोक दिया गया है।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश देवेन्द्र कुमार जंगाला ने कहा कि दिल्ली पुलिस को इस बात की भी जांच करनी चाहिए कि क्या यूपीएससी के अंदर से किसी ने खेडकर की मदद की थी। न्यायाधीश ने मामले में जांच का दायरा बढ़ाते हुए दिल्ली पुलिस को यह जांच करने का निर्देश भी दिया कि क्या अन्य किसी ने भी बिना पात्रता के ओबीसी और दिव्यांग कोटे के तहत लाभ उठाया है।

एजेंसी को निर्देश दिया जाता है कि वह हाल के दिनों में यूपीएससी द्वारा अनुशंसित उन उम्मीदवारों का पता लगाए, जिन्होंने अनुमेय सीमा से अधिक प्रयास किए हैं, जिन्होंने पात्र न होने के बावजूद ओबीसी (गैर-क्रीमी लेयर) लाभ प्राप्त किया है और जिन्होंने पात्र न होने के बावजूद बेंचमार्क दिव्यांग व्यक्तियों का लाभ प्राप्त किया है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि केस में मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज

- हाईकोर्ट हिंदू पक्ष की 18 याचिकाएं एक साथ सुनेगा
- दावा- ईदगाह गर्भगृह की जमीन पर

आजाद सिपाही संवाददाता

प्रयागराज/मथुरा। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद मामले में हाईकोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज कर दी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुरुवार (1 अगस्त) को यह फैसला सुनाया। हाईकोर्ट ने कहा कि हिंदू पक्ष की ओर से दायर 18 याचिकायें एक साथ सुनी जायेगी।

जस्टिस मयंक कुमार जैन की सिंगल बेंच ने यह फैसला सुनाया। हिंदू पक्ष की ओर से दायर याचिकाओं में दावा किया गया है कि शाही ईदगाह का ढाई एकड़ का एरिया मस्जिद नहीं है। वह श्रीकृष्ण जन्मभूमि का गर्भगृह है।

वहीं, मुस्लिम पक्ष ने दलील दी थी कि 1968 में हुए समझौते के तहत मस्जिद के लिए जगह दी गयी थी। 60 साल बाद समझौते को गलत बताना ठीक नहीं। हिंदू पक्ष की याचिकाएं सुनवाई लायक नहीं है। हालांकि, हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद मुस्लिम पक्ष की इस दलील को स्वीकार नहीं किया। अब 12 अगस्त से हिंदू पक्ष की 18 याचिकाओं की एक साथ सुनवाई होगी।

विष्णु जैन ने कहा- अब हम सबूत पेश करेंगे : हिंदू पक्ष के वकील विष्णु जैन ने कहा- 25 सितंबर 2020 को पहली याचिका दायर हुई थी। 4 महीने सुनवाई हुई। आज हाईकोर्ट ने 18 याचिकाओं को सुनवाई योग्य माना। अब इस केस में ट्रायल चलेगा। हम लोगों को मौका मिलेगा कि हम सबूत पेश कर सकें। अगली सुनवाई 12 अगस्त को होगी

पक्षकार बोले-अयोध्या की तरह मुस्लिम पक्ष केस लंबा खींचना चाहता था : श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष और पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह ने कहा- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के इतिहास में आज का दिन मील का पत्थर साबित होगा। शुरू से ही शाही ईदगाह पक्ष के लोग रहे हों, या सुन्नी वक्फ बोर्ड के लोग... कहते रहें कि केस सुनवाई योग्य नहीं है। आज हाईकोर्ट द्वारा स्पष्ट कर दिया गया कि यह केस सुनवाई योग्य है। ये लोग (मुस्लिम पक्ष) लोअर कोर्ट और हाईकोर्ट में केस को अयोध्या की तरह से लंबा खिंचना चाहते थे।

वायनाड में लैंडस्लाइड अब तक 283 मौतें

- सेना बोली- रेस्क्यू खत्म, शव खोजने का काम जारी
- राहुल-प्रियंका पीड़ितों से मिले

आजाद सिपाही संवाददाता

वायनाड। केरल के वायनाड में तेज बारिश के बाद लैंडस्लाइड में मरने वालों की संख्या 283 हो गई हैं। 130 लोग अस्पताल में हैं, जबकि 240 से ज्यादा लोग आज तीसरे दिन भी लापता हैं। मौसम विभाग ने आज (गुरुवार को) फिर से वायनाड में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। डिजास्टर मैनेजमेंट टीम ने फिर से कुछ जगहों पर लैंडस्लाइड का खतरा जताया है।

वहीं, आर्मी के जनरल कमांडर ऑफिसर मेजर जनरल वीटी मैथ्यू ने कहा कि रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा हो चुका है। अब हम केवल शवों को खोजने का काम कर रहे हैं। अगर हमें घरों में कोई फंसा मिलेगा तो उसे निकालेंगे। बारिश के चलते काम में दिक्कत आ रही है। आर्मी के 5 टीमों और 3 डॉग्ज को यहां डिप्लॉय किया गया है। शाम को खतरे के चलते ऑपरेशन बंद कर देंगे। इस बीच राहुल गांधी और प्रियंका गांधी चूरलमाला पहुंचे। उन्होंने पीड़ितों से मुलाकात की। लैंडस्लाइड से सबसे ज्यादा नुकसान यहीं हुआ है। यहां के बाद दोनों रिलीफ कैंप जाकर पीड़ितों से मिलेंगे। राहुल वायनाड और रायबरेली से लोकसभा चुनाव जीते थे। उन्होंने वायनाड सीट छोड़ दी थी। अब प्रियंका वायनाड से चुनाव लड़ने वाली हैं।

वेदांता एल्यूमिनियम ने भारतीय मानक ब्यूरो से सातवां प्रमाणन प्राप्त किया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। वेदांता एल्यूमिनियम की बाल्को यूनिट में बनने वाली 12एमएम वायर रॉड अब भारतीय मानक ब्यूरो से प्रमाणित है, इसने 6 अतिरिक्त उत्पाद श्रेणियों के लिए पुनः प्रमाणन भी प्राप्त किया है। भारत की सबसे बड़ी एल्यूमिनियम उत्पादक वेदांता एल्यूमिनियम ने घोषणा की है कि भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बाल्को), कोरबा, छत्तीसगढ़ में बनने वाली 12एमएम वायर रॉड को भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा प्रमाणित किया गया है। इस नयी प्रमाणित 12 एमएम एल्यूमिनियम वायर रॉड के कई विविध उपयोग हैं। मुख्य रूप से इलेक्ट्रिकल और पावर ट्रांस्मिशन में इसका इस्तेमाल किया जाता है, इस रॉड की चालकता बेहतरीन है, यह हल्की और टिकाऊ है। वेदांता एल्यूमिनियम भारत एल्यूमिनियम उद्योग की पहली कंपनी है जिसने अपने अनेक एल्यूमिनियम उत्पादों के लिए बीआईएस प्रमाणन हासिल किये हैं। यह नया प्रमाणन बेमिसाल उत्पाद क्वालिटी और एल्यूमिनियम उद्योग में निरंतर नवाचार हेतु कंपनी की प्रतिबद्धता का परिचायक है। 12 एमएम वायर रॉड के नये बीआईएस प्रमाणन के साथ ही ब्यूरो ने कंपनी की 6 अतिरिक्त उत्पाद श्रेणियों का पुनःप्रमाणन भी किया है: ईसी इनगॉट, अलॉय इनगॉट, प्राइमरी इनगॉट, रोल्ड शीट, रोल्ड कंडक्टर प्लेट और रोल्ड प्लेट सामान्य इंजीनियरिंग उद्देश्यों के लिए - ये सभी कंपनी की बाल्को इकाई में बनाए जाते हैं। इन प्रमाणनों के साथ वेदांता की बाल्को यूनिट के पास अब 7 बीआईएस प्रमाणन हो गये हैं, जो कुल 17 उत्पादों को अपने दायरे में लेते हैं, इनसे कंपनी को बाजार में बहुत फायदा मिलेगा।

गुणवत्ता उत्कृष्टता पर वेदांता एल्यूमिनियम के फोकस के बारे में कंपनी के सीईओ जॉन स्लेवन ने कहा, वेदांता एल्यूमिनियम में हम निरंतर ऐसे आला दर्जे के एल्यूमिनियम उत्पाद प्रस्तुत करने पर अपना ध्यान केंद्रित करते हैं जो उच्चतम मापदंडों को पूरा कर सकें। ये बीआईएस प्रमाणन हमारे कड़े क्वालिटी कंट्रोल और उन्नत उत्पादन तकनीकों को दर्शाते हैं, इनके बल पर हम विविध उद्योगों और वैश्विक ग्राहकों को सेवाएं दे पायेंगे। हमारे पास ऐसे उत्पादों की विविधतापूर्ण रेंज है, जिन्हें उद्योग के मानकों से भी आगे बढ़ जाने के लिए डिजाइन किया गया है।

स्वच्छ ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, हरित इमारतें, हाईटैक मैन्युफैक्चरिंग और सस्टेनेबल पैकेजिंग में अपरिमित अनुप्रयोगों के साथ एल्यूमिनियम न्यून-कार्बन भविष्य के लिए बेहद महत्व का है। भारतीय मानक ब्यूरो देश के उद्योगों के लिए गुणवत्ता मानकों को परिभाषित करने वाली शीर्ष संस्था है। यह ब्यूरो कड़े मूल्यांकन पद्धतियों पर अमल करने के बाद बीआईएस स्टैंडर्ड मार्क जारी करता है, मैन्युफैक्चर्ड उत्पादों पर क्वालिटी की पहचान के तौर पर यह प्रतिष्ठित मोहर लगायी जाती है। ये प्रमाणन फिर दोहराते हैं कि वेदांता एल्यूमिनियम अपने उत्पादों को गुणवत्ता युक्त और विश्वसनीय बनाने के अपने वादे को निरंतर पूरा कर रही है। कंपनी बीआईएस के साथ मिलकर उन एल्यूमिनियम उत्पादों और कच्चे माल के लिए मानक विकसित कर रही है। वेदांता एल्यूमिनियम एल्यूमिनियम उत्पादों की सबसे विस्तृत रेंज का विनिर्माण करने वाली कंपनियों में से एक है। वेदांता एल्यूमिनियम के उत्पाद जैसे रिस्टोरा-लो कार्बन एल्यूमिनियम, बिलेट, वायर रॉड, अलॉय इनगॉट और कास्ट बार, एआईएसआई टी-इनगॉट, स्लैब और रोल्ड प्रोडक्ट विभिन्न उद्योगों में काम आते हैं जिनमें एयरोस्पेस से लेकर ऑटोमोबाइल, बिल्डिंग और कंस्ट्रक्शन, इलेक्ट्रिफिकेशन, इंजीनियरिंग, पैकेजिंग, कंज्यूमर गुड्स आदि शामिल हैं।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार, ***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**